THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 301 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.9, 2082 मंगलवार, 27 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बीजापुर की कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर आईईडी ब्लास्ट 11 जवान घायल, एयरलिफ्ट कर भेजा रायपुर

बीजापुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में कर्रेगुट्टा पहाड़ियों पर हुए कई आईईडी धमाकों में 11 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। बीते दिन सभी को बेहतर इलाज के लिए रायपुर ले जाया गया। सभी की हालत स्थिर है। बीजापुर पुलिस ने इसकी जानकारी दी। मिली जानकारी के मुताबिक, ये घटना बीजापुर जिले में स्थित कर्रेगुट्टा पहाड़ियों पर हुई। जहां सिलसिलेवार विस्फोट हुए। जिसमें 11 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। यह घटना नक्सलियों की एक नापाक कोशिश थी। घटना के तुरंत बाद, घायल हुए सभी जवानों को बेहतर चिकित्सा उपचार के लिए रायपुर ले जाया गया।

'भारत और ईयू संबंधों की बढ़ी ताकत'

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस खास मौके पर कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में इस साल यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि रहे। बतौर मुख्य अतिथि दोनों नेताओं का शामिल होना भारत और यूरोपीय संघ के संबंधों के रूप में एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक संदेश माना जा रहा है। ऐसे में देश के सबसे बड़े समारोह के गवाह बने यूरोपीय संघ (ईयू) के दो शीर्ष नेताओं के साथ पीएम मोदी ने तस्वीरें साझा की।

पीएम मोदी ने साझा की खास तस्वीरें :

तस्वीरें साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में यूरोपीय संघ के नेताओं की मौजूदगी भारत-ईयू साझेदारी की बढ़ती ताकत और साझा मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाती है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत को हमारे गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है।

भारत-ईयू संबंधों की बढ़ी ताकत

इसी के साथ उन्होंने दावा किया कि गणतंत्र दिवस पर ईयू नेताओं की मौजूदगी भारत-ईयू संबंधों की बढ़ती ताकत को दिखाती है। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में आगे कहा कि उनकी मौजूदगी भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी की बढ़ती ताकत और साझा मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ईयू नेताओं की यह यात्रा भारत और यूरोप के बीच विभिन्न क्षेत्रों में गहरे जुड़ाव और सहयोग को और गति देगी।

परेड की तस्वीरें की साझा :

पीएम मोदी ने इसके अलावा परेड की तस्वीरें भी साझा की। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, गणतंत्र दिवस परेड में भारत की जबरदस्त सुरक्षा व्यवस्था दिखाई गई, जो देश की तैयारी, टेक्नोलॉजिकल क्षमता और अपने नागरिकों की सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने एक और पोस्ट के जरिए तस्वीर साझा करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस परेड में भारत की सुरक्षा बलों की बढ़ती क्षमताओं की झलक देखने को मिली। हमारी सेनाएं सच में हमारा गौरव हैं!

पीएम मोदी ने बंधेज पगड़ी पहनी

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 77वें गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में बंधेज पगड़ी पहनकर शामिल हुए। टाई एंड डाई आर्ट से बनी इस पगड़ी में मरून, गुलाबी, हरा, पीला और नीला रंग थे। पूरी पगड़ी पर मोर पंख के सुनहरे पैटर्न बने थे।

प्रधानमंत्री ने गहरे नीले रंग का कुर्ता, हल्के नीले रंग की हाफ जैकेट और सफेद चूड़ीदार पायजामा पहना। उनका कुर्ता इंडियन नेवी और जैकेट एयरफोर्स यूनिफॉर्म के रंग की थी। हर साल गणतंत्र दिवस पर पीएम के लुक और पगड़ी की काफी चर्चा होती है। पिछले साल प्रधानमंत्री ने भूरे रंग की जैकेट के साथ रंगीन पगड़ी पहनी थी।

केदारनाथ-बद्रीनाथ और यमुनोत्री में 'गैर हिंदुओं' की एंट्री होगी बैन

> मंदिर कमेटी अध्यक्ष बोले-देवभूमि की पवित्रता की रक्षा होगी

चमोली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के केदारनाथ, बद्रीनाथ और यमुनोत्री धाम में गैर-हिंदुओं की एंट्री पर रोक लग सकती है। बद्रीनाथ केदारनाथ टेंपल कमेटी (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि दोनों धामों समेत मंदिर समिति के अधीन आने वाले सभी मंदिरों में गैर-हिंदुओं का प्रवेश वर्जित रहेगा और इसके लिए आगामी बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित किया जाएगा।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब देशभर से लोग चारधाम यात्रा के लिए उत्तराखंड पहुंचते हैं। बिहार, यूपी, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु हर साल बद्रीनाथ और केदारनाथ दर्शन के लिए आते हैं।

इसी बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि अगर बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पास हो गया तो क्या वाकई धामों में गैर-हिंदू यात्रियों की एंट्री रोकी जा सकेगी? इसका जवाब उस कानून में छिपा है, जिसके तहत मंदिर समिति बनी है। केदारनाथ-बद्रीनाथ में गैर-हिंदुओं की एंट्री रोकने को लेकर जो बात सामने आई है, वह मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के बयान के जरिए आई है। उन्होंने कहा कि देवभूमि की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का पालन जरूरी है, इसलिए समिति अपने अधीनस्थ मंदिरों में गैर-हिंदुओं की एंट्री को लेकर प्रस्ताव लाएगी। अभी यह फैसला लागू नहीं हुआ है, बल्कि यह कहा गया है कि आगामी बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पास किया जाएगा। यानी यह मामला इस समय प्रस्तावित निर्णय के तौर पर सामने है। केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम में हर साल देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसी वजह से एंट्री बैन से जुड़ा कोई भी कदम सीधे यात्रियों पर असर डाल सकता है।

2025 के यात्रा सीजन में रिपोर्ट के मुताबिक केदारनाथ धाम में 16,56,539 श्रद्धालु पहुंचे, जबकि बद्रीनाथ धाम में करीब 16.5 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। यह आंकड़े बताते हैं कि दोनों धामों से जुड़ा कोई भी फैसला सिर्फ उत्तराखंड नहीं, पूरे देश के यात्रियों से जुड़ा मुद्दा बन जाता है।

केदारनाथ-बद्रीनाथ मंदिर समिति किस कानून के तहत बनी है :

श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति का गठन द यूपी श्री बद्रीनाथ और श्री केदारनाथ टेंपल एक्ट 1939 के तहत किया गया था। यह कानून मंदिरों के बेहतर प्रशासन और प्रबंधन के लिए बनाया गया था। इस अधिनियम में समिति की संरचना, उसके अधिकार, मंदिर संचालन, व्यवस्था बनाए रखने और नियम बनाने से जुड़ी बातें तय की गई हैं।

ईडी ने कसा शिकंजा : 1986 करोड़ की 37 नई संपत्तियां अटैच, 60 हजार करोड़ का था पूरा घोटाला

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने एक बार फिर पर्ल्स ग्रुप (पीएसीएल) पर बड़ा शिकंजा कसा है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच में 1986 करोड़ रुपये से ज्यादा की नई प्रॉपर्टी अटैच की है। यह प्रॉपर्टी पंजाब के लुधियाना और राजस्थान के जयपुर में हैं। इस कार्रवाई के बाद मामले में जब्त की गई कुल प्रॉपर्टी की कीमत 7589 करोड़ रुपये हो गई है। ईडी इस मामले की लंबे समय से जांच कर रही है।

बता दें कि ईडी की जांच सीबीआई के एक पुराने केस पर आधारित है। यह केस पीएसीएल लिमिटेड और उसके प्रोमोटर निर्मल सिंह भंगू के खिलाफ था। भंगू की मौत अगस्त 2024 में हो चुकी है। ईडी के मुताबिक, पीएसीएल ने एक गैर-कानूनी इन्वेस्टमेंट स्कीम चलाई थी। इसके जरिए देशभर के लाखों लोगों से 60,000 करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाए गए। लोगों को खेती की जमीन बेचने और उसे डेवलप करने का झांसा दिया गया था। इस केस में लोगों को पैसा लगाने के लिए लालच दिया गया। उनसे कैश या किश्तों में पेमेंट ली गई। इसके बदले में उन्हें गुमराह करने वाले कागज साइन कराए गए। इन कागजों में एग्रीमेंट और पावर ऑफ अटॉर्नी जैसी चीजें शामिल थीं। ईडी का कहना है कि ज्यादातर लोगों को कभी कोई जमीन नहीं मिली। आज भी करीब 48,000 करोड़ रुपये निवेशकों को वापस नहीं मिले हैं।

संविधान ही हमें धर्म का बोध कराता है : मोहन भागवत

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आरएसएस के मुजफ्फरपुर प्रांतीय कार्यालय 'मधुकर निकेतन' में ध्वजारोहण के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यदि भारत को विश्व की अग्रणी गणराज्य बनाना है तो प्रत्येक नागरिक को संविधान में निहित अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना होगा।

संविधान ही हमें धर्म का बोध कराता है :

उन्होंने कहा कि संविधान ही हमें धर्म का बोध कराता है। इसका नियमित अध्ययन नागरिकों को उनके कर्तव्यों के प्रति सजग बनाता है और कानून का पालन करना स्वयं में एक प्रमुख नागरिक कर्तव्य है। भागवत ने भारतीय संस्कृति में निहित उन अलिखित परंपराओं का भी उल्लेख किया, जिनका उद्देश्य मानवता और सामाजिक समरसता को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व में अग्रणी राष्ट्र बनाने के लिए सार्वजनिक जीवन में आदर्श आचरण का निरंतर प्रदर्शन आवश्यक है।

प्रगति धर्म के मार्गदर्शन में होनी चाहिए :

तिरंगे की विशेषता बताते हुए सरसंघचालक ने कहा कि केसरिया रंग त्याग, गतिशीलता और प्राचीन भारतीय संस्कृति का प्रतीक है, सफेद रंग विचारों की पवित्रता को दर्शाता है, जबकि हरा रंग प्रगति, समृद्धि और निरंतर विकास का संकेत है। वहीं, मध्य में स्थित अशोक चक्र यह दर्शाता है कि सभी प्रकार की प्रगति धर्म के मार्गदर्शन में होनी चाहिए। इस अवसर पर संघ के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस से दूरी के बीच क्या माकपा में जा रहे शशि थरूर?

> नहीं दिया जवाब, चुप्पी से चर्चाएं तेज

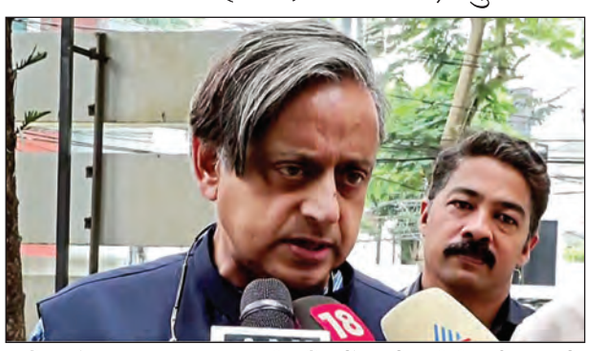

तिरुवनंतपुरम, 26 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर को लेकर सियासी चर्चाएं बीते कुछ वक्त से तेज हैं। कांग्रेस से दूरी की अटकलों के बीच अब खबरें हैं कि शशि थरूर माकपा के संपर्क हैं। दावा किया जा रहा है कि दुबई में उन्होंने सीपीआई-एम के नेताओं से मुलाकात की हैं। हालांकि इस मुद्दे पर शशि थरूर ने चुप्पी साध रखी है और टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

थरूर सीपीआई-एम के संपर्क में

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने उन रिपोर्ट्स पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिसमें उनके सीपीआई(एम) के संपर्क में होने का दावा किया जा रहा है। कांग्रेस से दूर चल रहे थरूर को लेकर रिपोर्ट में दावा किया गया है उनकी सीपीआई-एम से बातचीत चल रही है।

थरूर, जो हाल ही में दुबई में एक लिटरेचर फेस्टिवल में शामिल हो रहे हैं, उनसे मीडिया ने संपर्क दिया और उनकी प्रतिक्रिया जानने की कोशिश की। तो उन्होंने कहा कि दुबई की फ्लाइट के दौरान इस तरह कि रिपोर्ट्स देखीं और कहा कि विदेश में रहते हुए ऐसे मामलों पर टिप्पणी करना सही नहीं होगा।

दरअसल, थरूर की किसी दूसरी राजनीतिक पार्टी में जाने की अटकलें तब शुरू हुईं, जब यह दावा किया गया कि कोच्चि में एक हालिया कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उनकी अनदेखी की है। इधर, सत्तारूढ़ एलडीएफ के संयोजक टी पी रामकृष्णन ने रविवार को थरूर के साथ किसी भी बातचीत की खबरों से इनकार किया है।

हालांकि, उन्होंने उनके पार्टी में आने के स्वागत कि ओर इशारा करते हुए साफ कहा कि एलडीएफ और सीपीआई(एम) ऐसे व्यक्तियों, समूहों या पार्टियों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं, जो लेफ्ट फ्रंट के राजनीतिक रुख को स्वीकार करते हैं। दरअसल, केरल में इस साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। राज्य की राजनीति में शशि थरूर कांग्रेस पार्टी का बड़ा चेहरा माना जाता है। चार बार के सांसद शशि थरूर बीते कुछ समय से कांग्रेस की लाइन से हटकर बयान दे रहे हैं। इसी के साथ कई दफा उन्होंने पीएम मोदी और भाजपा के रूख का समर्थन भी किया है। इसके अलावा लगातार पार्टी की बैठकों से भी दूर बनाकर चल रहे हैं।

गणतंत्र दिवस पर शी जिनपिंग का संदेश

भारत के साथ द्विपक्षीय रिश्तों पर बोले-'ड्रैगन-हाथी की जोड़ी'

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत और चीन के संबंधों को 'ड्रैगन और हाथी के साथ नृत्य' के रूप में समझाया है। खास बात यह है कि इस टर्म का इस्तेमाल शी जिनपिंग दोनों देशों के रिश्तों को समझाने के लिए पहले भी कई बार कर चुके हैं।

शी जिनपिंग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और चीन आपसी आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ाएंगे तथा एक-दूसरे की चिंताओं को समझते हुए कूटनीतिक संबंधों में स्थिरता लाने का प्रयास करेंगे।

शी जिनपिंग की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत और चीन के संबंधों में धीरे-धीरे सुधार देखा जा रहा है। वर्ष 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद दोनों देशों के रिश्ते लगभग चार वर्षों तक तनावपूर्ण रहे। हालांकि, बाद में उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठकों के जरिए संबंधों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

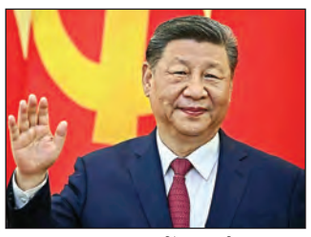

अक्टूबर 2024 में रूस के कजान शहर में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात ने रिश्तों की बहाली का मार्ग प्रशस्त किया। इसी दौरान दोनों देशों ने सीमा पर जारी गतिरोध समाप्त करने पर सहमति जताई थी।

एस जयशंकर ने किया था चीन का दौरा :

इसके अलावा विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया और कहा कि सीमा से जुड़े मुद्दों, विशेष रूप से सैन्य तनाव कम करने के लिए, दोनों देशों को द्विपक्षीय संबंधों में हुई अच्छी प्रगति को आगे बढ़ाना चाहिए।

अंतरिक्ष के नायक शुभांशु शुक्ला को राष्ट्रपति ने किया अशोक चक्र से सम्मानित

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने इतिहास रचते हुए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बनने का गौरव हासिल किया। जून 2025 में उन्होंने ऐतिहासिक एक्सिओम मिशन-4 के तहत 18 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा पूरी की। वह अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बने, जबकि इससे पहले 1984 में राकेश शर्मा ने सोवियत संघ के सोयूज-11 मिशन के जरिए अंतरिक्ष यात्रा की थी।

अंतरिक्ष की उड़ान से अशोक चक्र सम्मान तक का सफर...

एक अनुभवी लड़ाकू पायलट के रूप में शुभांशु शुक्ला के पास 2,000 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव है। उन्होंने सुखोई-30 एमकेआई, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डोर्नियर और एएन-32 जैसे कई विमानों को उड़ाया है। एक्सिओम-4 मिशन के दौरान उन्होंने पायलट की भूमिका निभाई और अंतरिक्ष में कई उन्नत वैज्ञानिक प्रयोग किए, जिन्हें वैश्विक अंतरिक्ष विशेषज्ञों ने सराहा। यह मिशन अमेरिका की निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित किया गया था, जिसमें नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की भागीदारी रही। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का जन्म 10 अक्टूबर 1985 को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुआ। बचपन से ही उनका झुकाव अनुशासन, उड़ान और राष्ट्रसेवा की ओर रहा। लखनऊ जैसे शहर में वायुसेना से जुड़े वातावरण और सैन्य परंपराओं ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया। यही कारण रहा कि उन्होंने कम उम्र में ही भारतीय वायुसेना में फाइटर पायलट बनने का लक्ष्य तय किया। उन्होंने कारगिल युद्ध और भारतीय वायुसेना के एयरशो से प्रेरित होकर नेशनल डिफेंस एकेडमी में अप्लाई किया।

पद्म भूषण सम्मान पर सियासी घमासान

कांग्रेस ने पूर्व राज्यपाल कोश्यारी को घेरा, कहा-यह महाराष्ट्र का अपमान

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस नेताओं हर्षवर्धन सपकाल और वर्षा गायकवाड़ ने सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को पद्म भूषण दिए जाने के फैसले की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सितंबर 2019 से फरवरी 2023 तक महाराष्ट्र में उनके कार्यकाल के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार के साथ लगातार टकराव की स्थिति बनी रही। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि भगत सिंह कोश्यारी ने अपने कार्यकाल में एक संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई और राज्य की जनता की भावनाओं को आहत किया।

कांग्रेस ने पूर्व राज्यपाल पर साधा निशाना :

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि भगत सिंह कोश्यारी ने अपने कार्यकाल में एक संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई और राज्य की जनता की भावनाओं को आहत किया। कांग्रेस कार्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के बाद बोलते हुए सपकाल ने कहा कि उन्होंने खुद पुणे के एक सोशल ऑर्गनाइजेशन से मिलने वाला अवॉर्ड लेने से मना कर दिया था, क्योंकि उसे कोश्यारी देने वाले थे। मुंबई कांग्रेस प्रमुख और लोकसभा सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि भाजपा का महाराष्ट्र के महान नेताओं और संवैधानिक हस्तियों का अपमान करने का लंबा इतिहास रहा है।

गणतंत्र दिवस परेड में ऑपरेशन सिंदूर की गूंज

> प्रहार फॉर्मेशन और ध्वज ने भरा जोश

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सैन्य परेड की सलामी ली। कर्तव्य पथ पर हो रही सैन्य परेड में ऑपरेशन सिंदूर की गूंज साफ नजर आई। परेड के दौरान ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) पर भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर का ध्वज दिखा।

कर्तव्य पथ पर परेड की शुरूआत में कैप्टन विजय प्रताप के नेतृत्व में प्रहार फॉर्मेशन में फ्लाईपास्ट किया गया। इसमें लेफ्टिनेंट कर्नल अहमद पाशा की ओर से उड़ाए जा रहे ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) पर भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर का ध्वज दिखा। इस फ्लाईपास्ट में भारतीय सेना के एएलएच डब्ल्यूएचआई और भारतीय वायुसेना के एएलएच मार्क-4 हेलीकॉप्टर ने भी भाग लिया।

कर्तव्य पथ पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं की ओर से इस्तेमाल किए गए हथियारों का भी प्रदर्शन किया गया। सैन्य परेड के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने ऑपरेशन सिंदूर फॉर्मेशन बनाया। दिव्यास्त्र भारतीय सेना का स्वदेशी रूप से विकसित एक उन्नत मिसाइल सिस्टम है, जिसे आधुनिक युद्ध की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह अत्याधुनिक तकनीक, उच्च सटीकता और तेज प्रतिक्रिया क्षमता से लैस है। दिव्यास्त्र को विशेष रूप से दुश्मन के महत्वपूर्ण ठिकानों को कम समय में नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें आधुनिक मार्गदर्शन प्रणाली और बेहतर लक्ष्य भेदन क्षमता शामिल है, जिससे यह हर मौसम और हर परिस्थिति में प्रभावी रहता है। यह हथियार प्रणाली भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को मजबूत करती है और सेना की सामरिक ताकत को नई ऊंचाई देती है।

भारतीय सेना का शक्तिबाण :

शक्तिबाण भारतीय रक्षा अनुसंधान की एक आधुनिक और स्वदेशी हथियार प्रणाली है, जिसे तेज, सटीक और प्रभावी हमले के लिए विकसित किया गया है। यह उन्नत गाइडेंस टेक्नोलॉजी से लैस है, जिससे लक्ष्य पर अत्यधिक सटीकता के साथ प्रहार किया जा सकता है। शक्तिबाण को दुश्मन की रणनीतिक और सामरिक क्षमताओं को निष्क्रिय करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी खासियत कम समय में तैनाती और विभिन्न परिस्थितियों में संचालन की क्षमता है।

जाति जनगणना : कांग्रेस ने मोदी सरकार की नीयत पर उठाए सवाल

सभी दलों से बातचीत की मांग की

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने जाति जनगणना के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा हो। पार्टी ने कहा कि जनगणना के पहले चरण यानी मकानों की सूची बनाने (हाउसलिस्टिंग) के लिए जो सवाल तैयार किए गए हैं, वे सरकार की असली मंशा पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि जाति जनगणना की प्रक्रिया तय करने से पहले सरकार को राजनीतिक दलों, राज्यों और सामाजिक संगठनों के साथ बातचीत करनी चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जनगणना 2027 का काम काफी देरी से चल रहा है। इसका पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच होगा। दूसरा चरण, जिसमें जनसंख्या की गिनती होगी, वह फरवरी 2027 में होगा। हालांकि, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर जैसे बर्फीले इलाकों में यह सितंबर 2026 में ही हो जाएगा।

जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने पहले जाति जनगणना का विरोध किया था। उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री ने इसे शहरी नक्सली सोच बताया था। लेकिन बाद में राहुल गांधी और कांग्रेस के दबाव में सरकार को झुकना पड़ा और उन्होंने इसे जनगणना 2027 में शामिल करने की बात मानी। रमेश ने बताया कि सरकार ने मकानों की सूची बनाने के लिए जो फॉर्म जारी किया है, उसमें सवाल नंबर 12 चिंताजनक है। इसमें पूछा गया है कि क्या घर का मुखिया अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) या 'अन्य' श्रेणी से है।

अविमुक्तेश्वरानंद को तीनों शंकराचार्यों का समर्थन

शारदा पीठ के शंकराचार्य बोले-प्रशासन ने ब्राह्मण बच्चों को निर्दयता से मारा, यह निंदनीय

जबलपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। 25 जनवरी को नर्मदा जन्मोत्सव के दिन द्वारका शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज जबलपुर पहुंचे। यहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने प्रयागराज में चल रहे शंकराचार्य विवाद को लेकर मुखरता से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा- 3 शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में हैं। प्रशासन उनका सर्टिफिकेट मांगने वाला कौन होता है। उसे कोई अधिकार नहीं। उन्होंने निर्दोष ब्राह्मणों के साथ जो निर्दयता से मारपीट की है। बेहद निंदनीय है। 6 सवालों में पढ़िए पूरी बातचीत...

एक संस्कृत श्लोक सुनाते हुए उन्होंने कहा- यमुना जी में सात बार स्नान करने से मनुष्य का कल्याण होता है। गंगा जी के एक बार स्नान करने से मनुष्य का कल्याण होता है। नर्मदा के दर्शन मात्र से मनुष्य का कल्याण हो जाता है। यहां आकर मैं धन्य महसूस कर रहा हूं। बहुत अच्छे कार्यक्रम हुए। सब कुछ अच्छा रहा। प्रशासन शंकराचार्य से शंकराचार्य होने का प्रमाण नहीं मांग सकता। शंकराचार्य का शिष्य ही शंकराचार्य होता है। हमारे गुरु जी ने दो लोगों को ही संन्यास दिया। एक शिष्य हम हैं। दूसरे हैं अविमुक्तेश्वरानंद जी सरस्वती। इस तरह से वे शंकराचार्य जी के शिष्य हैं। श्रृंगेरी के शंकराचार्य जी ने उनका अभिषेक किया है। ये उत्तराधिकार परंपरा से आता है। ये हमारी शांकर परंपरा है। इसमें कोई दखलंदाजी नहीं कर सकता।

प्रशासन का यह काम नहीं है कि शंकराचार्य कौन है? कौन नहीं है, अगर प्रशासन यह काम करने लगेगा तो जितने नकली शंकराचार्य हैं और उन्होंने उन सभी को मेले में स्थान दिया है। वे सब उन्हें निरस्त करना चाहिए। वे कई लोगों को जगद्गुरु की उपाधि दे रहे हैं। शंकराचार्य की उपाधि दे रहे हैं। नकली शंकराचार्य बना रहे हैं। असली शंकराचार्यों का महत्व कम करने के लिए यह सब कर रहे हैं। इन सब पर रोक लगना चाहिए। प्रशासन से भूल हुई है। उन्होंने छोटे-छोटे बच्चों को मारा है। उन्हें क्षमा मांगनी चाहिए। स्वामी जी क्या कह रहे हैं, प्रशासन जाकर क्षमा मांग ले, वे स्नान करें, पूरा विवाद खत्म हो जाएगा। प्रशासन को समझना चाहिए कि राजा किसके हित के लिए होता है। प्रजा के लिए, पिता किसके हित के लिए होता है, पुत्र के हित के लिए। गुरु किसके लिए होता है, शिष्यों का कल्याण करने के लिए। राजा का काम है प्रजा को धार्मिकता से जोड़ना। देश का राजा धार्मिक होना चाहिए, राजा धार्मिक होगा तो प्रजा भी धार्मिकता में प्रवेश करेगी।

किसी पर व्यक्तिगत आक्षेप करने की आवश्यकता नहीं है। हम सिद्धांत की बात बता रहे हैं कि किसी भी देश का राजा कोई भी हो या प्रशासन में कोई भी हो, वह किसी की भी धार्मिक प्रवृत्ति पर रोक नहीं लगा सकता। देश का जो संस्कार है, जो संस्कृति है, उसमें राजा परिवर्तन नहीं कर सकता। परंपरा में परिवर्तन नहीं कर सकता।

देश का कोई भी राजा हो जाए, उसे ये अधिकार नहीं है। शंकराचार्य का शिष्य ही शंकराचार्य होगा। हां, कोई भी शंकराचार्य न कहलवाए, इसलिए अन्य शंकराचार्यों का समर्थन जरूरी है।अविमुक्तेश्वरानंद को तीनों शंकराचार्यों का समर्थन हैं। शंकराचार्य की प्रामाणिकता की बात तो है ही नहीं, वे तो शंकराचार्य हैं ही। वहां प्रशासन से बड़ी चूक और नासमझी हो गई है। इसलिए प्रयागराज में विवाद बढ़ गया है। वहां बच्चों के साथ मारपीट न होती। आपके पास शासन है, प्रशासन है। इतना पुलिस बल है। छोटे-छोटे बच्चों को उठाते और उठाकर उन्हें उनके शिविर में छोड़ देते। ज्यादा से ज्यादा हिरासत में ले लेते। हमने देखा, उन्होंने उन बच्चों को इतना बुरा मारा है कि सोचा भी नहीं जा सकता।

ब्राह्मणों के साथ जो भी अत्याचार करेगा, कभी भी सुखी नहीं रह सकता। यह हम परंपरा से देखते आए हैं। योगी की बात का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, विवाद में राजनीति प्रवेश कर गई है। राजनीतिज्ञ तो अपना-अपना लाभ उठाते हैं। आपने मौका दिया। आप वहां क्षमा मांग लेते तो लोगों को मौका ही नहीं मिलता।

सीमा पर फिर नाकाम हुई पाकिस्तान की साजिश

रामगढ़ बॉर्डर पर घुसपैठिया ढेर, बीएसएफ अलर्ट

जम्मू, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के रामगढ़ क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीती रात बीएसएफ के जवानों ने एक घुसपैठिए को मार गिराया। यह कार्रवाई माजरा पोस्ट के पास की गई, जहां संदिग्ध व्यक्ति सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। सूत्रों के अनुसार, बीएसएफ जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सतर्कता बरती और जवाबी कार्रवाई में घुसपैठिए को ढेर कर दिया। घटना के बाद बीएसएफ ने मौके से शव को अपने कब्जे में ले लिया है।

बताया जा रहा है कि मारा गया घुसपैठिया पाकिस्तान के लाहौर का निवासी था। फिलहाल शव को आगे की कानूनी प्रक्रिया और पहचान की पुष्टि के लिए रामगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अस्पताल लाया जा रहा है। बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की जांच कर रही हैं, जबकि सीमा क्षेत्र में सतर्कता और बढ़ा दी गई है।

खबरें जरा हटके

डॉक्टरों ने कहा-मर चुकी है, लेकिन यमराज के द्वार से लौटी महिला, कफन से ढके शरीर में फिर चलने लगी सांस!

दुनिया में ऐसे कई मामले सामने आते हैं, जिन्हें 'चमत्कार' के अलावा और कोई नाम नहीं दिया जा सकता. ब्राजील के साओ पाउलो से एक ऐसी ही रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर आई है, जहां एक महिला को सड़क हादसे के बाद मौके पर ही डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया था. उसे कफन (फॉइल ब्लैंकेट) से ढंक दिया गया था और उसके परिवार को उसकी मौत की सूचना भी दे दी गई थी. लेकिन जब उसे मुर्दाघर ले जाने की तैयारी हो रही थी, तभी कुछ ऐसा हुआ कि वहां मौजूद हर शख्स दंग रह गया. फर्नांडा क्रिस्टीना पोलिकार्पो नाम की यह महिला न केवल यमराज के द्वारा से जिंदा लौटी, बल्कि अब वह अस्पताल में तेजी से रिकवर भी कर रही है. यह पूरी घटना बीते 18 जनवरी की है, जब फर्नांडा एसपी-294 मोटरवे पर एक कार की चपेट में आ गई थीं.

बता दें कि यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फर्नांडा सड़क के बीचों-बीच जा गिरीं. मौके पर पहुंची 'सामू' एम्बुलेंस सेवा के एक पैरामेडिक ने शुरुआती जांच के बाद फर्नांडा को मृत घोषित कर दिया. प्रोटोकॉल के तहत उसके शरीर को एक सिल्वर फॉइल ब्लैंकेट से ढंक दिया गया, ताकि उसे मुर्दाघर भेजा जा सके. फर्नांडा की मां एड्रियाना को जब यह खबर मिली, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई. एक मां के लिए अपनी जवान बेटी को खोने के गम से बड़ा कुछ नहीं हो सकता था, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था. हादसे के कुछ देर बाद दूसरा पैरामेडिक वहां पहुंचा. उसका काम शव को वहां से हटाने में मदद करना था. लेकिन जैसे ही उसने फर्नांडा के पास जाकर उसे देखा, उसने महसूस किया कि इतनी गंभीर चोटों के बावजूद फर्नांडा की सांसें अभी भी चल रही थीं. उसने बिना एक पल गंवाए तुरंत उन्हें जिंदा बचाए रखने की कोशिश में जुट गया. फर्नांडा को तुरंत नजदीकी अस्पताल के आईसीयू (आईसीयू) में भर्ती कराया गया, जहां उसे लाइफ सपोर्ट पर रखा गया. 20 जनवरी शाम को अस्पताल ने एक बुलेटिन जारी कर बताया कि फर्नांडा की सेहत में इतना सुधार हुआ है कि आने वाले दिनों में उसकी ब्रीदिंग ट्यूब हटाई जा सकती है.

24 साल के लड़के की नहीं आती थी दाढ़ी, डेढ़ लाख में करवा ली सर्जरी-बाल के साथ आ गई 'मौत'!

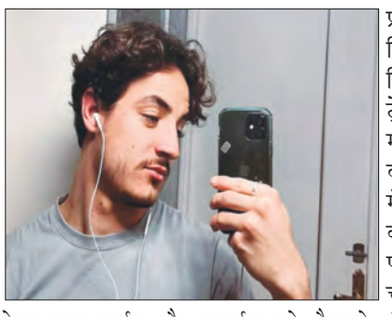

फ्रांस के 24 वर्षीय बिजनेस स्टूडेंट मैथ्यू विगियर लातूर की ट्रेजिक कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. मैथ्यू को दाढ़ी ना आने की वजह से काफी परेशानी होती थी. वो चाहते थे कि उनका चेहरा ज्यादा मर्दाना और आकर्षक लगे. मैथ्यू ने ऑनलाइन रिसर्च किया. उन्हें इस्तांबुल में एक क्लिनिक मिला, जहां बियर्ड ट्रांसप्लांट सस्ता और जल्दी हो जाता है. फ्रांस में यही प्रोसीजर 5 गुना महंगा पड़ता, इसलिए मार्च 2025 में वो तुर्की चले गए. लेकिन उन्हें क्या पता था कि वो दाढ़ी उगाने नहीं, अपनी मौत को न्योता देने जा रहे हैं.

दलाल ने कर डाली सर्जरी

क्लिनिक की वेबसाइट पर तुर्की हेल्थ मिनिस्ट्री का ऑफिशियल सील देखकर उन्हें भरोसा हो गया कि ये असली है. प्रोसीजर की कीमत सिर्फ 1300 यूरो (करीब 1.13 लाख रुपये) थी. प्रोसीजर में मैथ्यू के स्कैल्प से 4000 ग्राफ्ट्स (बालों के फॉलिकल्स) निकालकर चेहरे पर ट्रांसप्लांट किए जाने थे. लेकिन असल में क्लिनिक में सर्जन कोई क्वालिफाइड डॉक्टर नहीं था. वो एक रियल एस्टेट एजेंट था जो साइड में ये काम करता था. प्रोसीजर के दौरान ही 1000 ग्राफ्ट्स गायब हो गए या खराब हो गए. इसका नतीजा हुआ कि दाढ़ी पैची (असमान) और अनमैनेजेबल (संभालने लायक नहीं) हो गई. इसके बाद इंफेक्शन, सूजन और दर्द शुरू हो गया. मैथ्यू वापस फ्रांस लौटे तो उनकी हालत बिगड़ती गई. वो डिप्रेशन में चले गए और उनका आत्मविश्वास खत्म हो गया. पिता जैक्स ने बताया, "मेरा बेटा दर्द में था. वो कहता था कि चेहरा बिगड़ गया है, जिंदगी बर्बाद हो गई है. वो एक विसियस साइकल में फंस गया था जिसमें डिप्रेशन, शर्मिंदगी और लगातार दर्द था." इस प्रोसीजर के सिर्फ तीन महीने बाद, जून 2025 में मैथ्यू ने सुसाइड कर लिया.

63 केजी का कुत्ता घर ले आया कपल, 6 फिट लंबा, हर दिन खा जाता है 1 किलो बिस्किट!

ब्रिटेन के कंब्रिया इलाके में एक दिल छू लेने वाली कहानी सामने आई है. 63 किलो वजन का एक विशाल पा इ री नि य न माउंटेन डॉग ब्रॉडी, जिसे 'छोटे पोलर बियर' का नाम दिया गया था, को आखिरकार एक प्यार भरा हमेशा का घर मिल गया. ये 6 साल का सफेद कुत्ता पिछले साल दिसंबर में एनिमल कंसर्न कंब्रिया नाम के एनिमल रेस्क्यू सेंटर में पहुंचा था. उसके पुराने मालिकों ने कहा कि वो अब ब्रॉडी को वो ध्यान और केयर नहीं दे पा रहे जो वो डिजर्व करता है. इसलिए उन्होंने उसे शेल्टर को सौंप दिया.

छोटे पोलर बियर का साइज

ब्रॉडी का साइज देखकर कोई भी हैरान रह जाता है. वो 66 किलो (करीब 145 पाउंड) वजन का है. अगर अपने पिछले पैरों पर खड़ा हो जाए तो 6 फीट (करीब 183 सेमी) लंबा हो जाता है. लोग उसे देखकर कहते हैं- ये तो छोटे पोलर बियर जैसा लगता है! शेल्टर में आने के बाद ब्रॉडी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे. लोग कमेंट्स में लिख रहे थे कि कौन ऐसा मालिक होगा जो इतने बड़े कुत्ते को संभाल सकेगा. लेकिन जनवरी 2026 की शुरुआत में ब्रॉडी को एक कपल ने अडॉप्ट कर लिया. नए मालिकों ने बताया कि ब्रॉडी अब उनके साथ बेहद खुश है. वो उनके साथ खेलता है, लेटता है और घर को अपना मान चुका है. ब्रॉडी की खासियत सिर्फ साइज नहीं है. वो हर दिन 1 किलो से ज्यादा डॉग बिस्किट खा जाता है. इसके अलावा उसे फिश पेट, स्क्वर्टी चीज और हेड स्क्रैच बहुत पसंद है. शेल्टर के स्टाफ ने बताया कि ब्रॉडी बहुत जेंटल और अफेक्शनेट है. वो बच्चों और बड़ों दोनों से प्यार करता है, लेकिन उसका साइज इतना बड़ा है कि कभी-कभी वो अनजाने में लोगों पर बैठ जाता है या उन्हें दबा देता है. इसलिए नए मालिकों को भी सावधानी बरतनी पड़ती है. लेकिन ब्रॉडी का स्वभाव इतना मीठा है कि सब उसे प्यार करने लगे हैं.

गणतंत्र दिवस पर अंबेडकर का नाम लेना भूले मंत्री

महिला कर्मचारी की आपत्ति पर माफी मांगनी पड़ी

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में सोमवार को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन को उस समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जब उनके भाषण में डॉ. भीमराव अंबेडकर का उल्लेख नहीं किए जाने पर एक वन विभाग की कर्मचारी ने आपत्ति जता दी। इस घटनाक्रम के बाद मंत्री को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद महाजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान वन विभाग की कर्मचारी माधवी जाधव ने बीच में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस संविधान का उत्सव है और ऐसे अवसर पर संविधान के शिल्पकार डॉ. आंबेडकर का नाम न लेना उचित नहीं है। उनके विरोध के बाद पुलिस ने दखल दिया और जाधव को कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया। माधवी जाधव ने आरोप लगाया कि मंत्री ने अपने भाषण में उन लोगों का नाम लिया जो लोकतंत्र और संविधान के लिए जिम्मेदार नहीं थे, जबकि डॉ. आंबेडकर का उल्लेख तक नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब आंबेडकर की वजह से ही उन्हें सरकारी नौकरी मिली है और वह माफी नहीं मांगेंगी, चाहे प्रशासन उन्हें निलंबित ही क्यों न कर दे। बाद में इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का नाम न लेना पूरी तरह अनजाने में हुई चूक थी।

विहिप के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

हेट स्पीच बिल को मंजूरी न देने का किया अनुरोध

बंगलूरू, 26 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के नेताओं ने सोमवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। इस दौरान वीएचपी की नेताओं ने उनसे नफरती भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक पर अपनी मंजूरी रोकने और इसे राष्ट्रपति के विचार के लिए सुरक्षित रखने का आग्रह किया। वीएचपी के राष्ट्रीय सचिव और सामाजिक समरसता प्रभारी देवजी भाई रावत संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ लोकभवन में राज्यपाल से मिले और उन्हें इस संबंध में एक अनुरोध पत्र सौंपा।

विधानसभा से पारित हो चुका विधेयक

कर्नाटक नफरती भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक, 2025 को दिसंबर में राज्य विधानसभा के दोनों सदनों ने पारित किया था। इस दौरान विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जद (एस) ने इसका कड़ा विरोध किया था। फिलहाल इस विधेयक को कानून बनाने के लिए राज्यपाल की मंजूरी का इंतजार है। इस विधेयक में घृणा अपराधों के लिए एक साल की जेल का प्रावधान है, जिसे बढ़ाकर सात साल तक किया जा सकता है, साथ ही 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाने का भी प्रावधान है। कई बार अपराध करने पर अधिकतम सात साल की जेल और एक लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है।

वीएचपी का राज्यपाल से विधेयक की मंजूरी रोकने का आग्रह

वीएचपी ने अपने पत्र में कहा कि प्रस्तावित कानून पुलिस को अत्यधिक विवेकाधिकार देता है, जिस का इस्तेमाल राज्य की विभिन्न कार्रवाइयों पर की जाने वाली वा स्त वि क आलोचना को दबाने के लिए किया जा सकता है। इसलिए संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल से इस विधेयक पर मंजूरी रोकने और इसे राष्ट्रपति के विचार के लिए भेजने का अनुरोध किया गया है।

वीएचपी का कहना है कि यह विधेयक प्रावधानों का ऐसा समूह है, जिससे नफरती भाषण रोकने के नाम पर हर व्यक्ति को अपराधी बनाए जाने का खतरा पैदा होता है। वीएचपी का दावा है कि विधेयक में नफरती भाषण और घृणा अपराध के बीच कोई स्पष्ट अंतर नहीं किया गया है। संगठन ने कहा कि कानून का स्थापित सिद्धांत है कि भाषण को अपराध की श्रेणी में लाने वाला कानून स्पष्ट और सटीक होना चाहिए, क्योंकि अत्यधिक अस्पष्ट कानून आम लोगों में मुकदमे का भय पैदा करता है।

कई अन्य संगठनों ने भी विधेयक की मंजूरी रोकने का आग्रह किया विपक्षी भाजपा और जद (एस) के अलावा कई अन्य संगठनों ने भी राज्यपाल से इस विधेयक को मंजूरी न देने की मांग की है। वीएचपी के अनुसार, इस विधेयक में कई कानूनी और प्रक्रिया संबंधी खामियां हैं और यह असांविधानिक है। संगठन ने कहा कि भले ही सरकार इसे सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए बता रही हो, लेकिन जिस तरह से इसका मसौदा तैयार किया गया है, उसमें कई कानूनी विसंगतियां हैं और यह संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों का उल्लंघन करता है।

राहुल गांधी देश की जरूरत, कांग्रेस में सबसे ज्यादा जनसमर्थन वाले नेता : राशिद अल्वी

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व सांसद शकील अहमद के राहुल गांधी पर दिए गए बयान पर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने राहुल गांधी को देश की जरूरत बताया है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, राहुल गांधी कांग्रेस में सबसे ज्यादा जनसमर्थन वाले नेता हैं। उनके बिना कांग्रेस, कांग्रेस नहीं रह सकती। कोई उनके बारे में क्या राय रखता है, यह एक अलग बात है, लेकिन जिस तरह से राहुल गांधी पीएम नरेंद्र मोदी का सामना कर रहे हैं, वैसा देश में कोई और नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने ये बात पहले भी कही थी और अब फिर से बोल रहा हूं। राहुल गांधी के बारे में कोई कुछ भी बोले उससे कुछ नहीं होने वाला है। राहुल गांधी के खिलाफ बोलने के लिए कुछ लोग साजिश करते रहते हैं, लेकिन उससे कुछ होने वाला नहीं है। जनता राहुल गांधी को अच्छे से जानती है। कांग्रेस छोड़ चुके शकील अहमद ने कहा था कि मैं शशि थरूर को वोट देना चाहता था (कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए), लेकिन जब मैंने देखा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी के वफादार लोग खड़गे के लिए वोट मांग रहे थे।

केंद्र पर कार्ति चिदंबरम हमलावर

चुनावी राज्यों को मिली प्राथमिकता-थरूर ने जताई खुशी

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पद्म पुरस्कार 2026 के एलान के साथ ही देश में एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने सोमवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि इन प्रतिष्ठित सम्मानों के चयन में निष्पक्षता के बजाय चुनावी लाभ को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने जानबूझकर उन राज्यों के व्यक्तियों को पुरस्कार के लिए चुना है जहां आगामी समय में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

131 पद्म पुरस्कारों का हुआ एलान

केंद्र सरकार ने रविवार को कुल 131 पद्म पुरस्कारों का एलान किया। इसमें पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री शामिल हैं। ये सम्मान कला, खेल, साहित्य और समाज सेवा जैसे कई क्षेत्रों के दिग्गजों को दिए गए हैं। दूसरी तरफ, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल के लोगों को पुरस्कार मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि इस साल पांच में से तीन पद्म विभूषण केरल के लोगों को मिले हैं। उन्होंने इसे केरल के लिए गर्व की बात बताया।

इन तीन कैटेगरी में दिए जाते पद्म सम्मान

ये पुरस्कार तीन कैटेगरी में दिए जाते हैं। इनमें असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए पद्म विभूषण, उच्च स्तर की विशिष्ट सेवा के लिए पद्म भूषण और किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए पद्म श्री दिया जाता है।

गाड़ी पर सांसद का फर्जी स्टीकर लगाने के मामले में अंजलि अरोड़ा का मंगेतर गिरफ्तार

मेरठ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और कच्चा बादाम गाने से वायरल होने वाली अंजलि अरोड़ा एक बार फिर सुर्खियों में हैं।

इन्फ्लुएंसर इस बार अपनी वजह से नहीं, बल्कि अपने मंगेतर की वजह से चर्चा में आ गई हैं। मेरठ पुलिस ने अंजलि के मंगेतर आकाश संसनवाल को गिरफ्तार कर लिया है। उसके अलावा भी मेरठ के काशी टोल प्लाजा से पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है। गणतंत्र दिवस के मौके पर मेरठ पुलिस ने देर रात फर्जी स्टीकर और काले शीशे वाली कार के चालकों पर कड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एसएसपी मेरठ विपिन टाडा ने जानकारी देते हुए बताया कि टोल पर चैकिंग के दौरान कई ऐसे वाहन पकड़े गए, जिन पर विधायक और सांसदों के पास की फोटोकॉपी या फर्जी पास लगे थे। पुलिस ने इन सभी वाहनों को सीज किया है। गाड़ी के चालकों पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। वाहनों और वाहन मालिकों की जांच की जा रही है। हमारे पास अभी तक ऐसे सात प्रकरण आए हैं, जिनकी जांच हो रही है।

उन्होंने आगे कहा, इसके साथ ही 50 अन्य मामले में दर्ज किए गए हैं, जिसमें काली शीशे वाले वाहन, फर्जी लाइसेंस और बिना डॉक्यूमेंट्स की गाड़ियां शामिल हैं। गणतंत्र दिवस के मौके पर ये चेकिंग अभियान शुरू किया गया है और आगे भी ये जारी रहेगी। जनपद के बाहर से आने वाले वाहनों की भी जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि अंजलि के मंगेतर आकाश संसनवाल की स्कॉर्पियो पर पूर्व सांसद का फर्जी स्टीकर लगा था और जांच के दौरान भी रोकने पर वे नहीं रुके थे। पुलिस ने आकाश के साथ 5 लोगों को हिरासत में लिया है और लगातार उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस ने सभी वाहनों को भी जब्त कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अंजलि के मंगेतर आकाश संसनवाल को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

बता दें कि अंजलि अरोड़ा सोशल मीडिया का बड़ा नाम हैं और उन्हें 13 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। हाल ही में अंजलि ने मुंबई में करोड़ों का घर खरीदा था और अपने फॉलोवर्स को लग्जरी घर का होम टूर भी कराया था। ये पहला मौका नहीं है जब अंजलि किसी तरह के विवाद से घिरी हैं। एमएमएस वायरल विवाद के बाद भी वे मीडिया की सुर्खियों में रही थीं।

सांसद द्रीपेंद्र हुड्डा ने भाजपा पर बोला हमला

बीजेपी में गुटबाजी नहीं लूटबाजी की जंग

सोनीपत, 26 जनवरी (एजेंसियां)। रोहतक के सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा नेताओं में गुटबाजी नहीं बल्कि लूटबाजी की लड़ाई चल रही है। देश की जनता जहां कष्ट का जीवन जी रही है। वहीं, भाजपा के नेता अवैध कॉलोनियां काटने में व्यस्त हैं। वह रविवार को गांव हलालपुर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। वह अपने पूर्व पीए हिम्मत सिंह के भाई शमशेर के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे थे।

उन्होंने कहा कि देश गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा है। महंगाई, बेरोजगारी और कर्ज के बोझ ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। फिलहाल सर्वे चल रहा है और केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री से अपेक्षा है कि वह आम जनता को राहत देने की पहल होगी। दीपेंद्र ने कहा कि हरियाणा सहित कई राज्य सरकारें भारी कर्ज में डूबी हुई हैं। देश के हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण में भाजपा नेताओं में गुटबाजी नहीं बल्कि लूटबाजी चल रही है। भाजपा नेताओं का आम जनता के दुख-दर्द से कोई लेना-देना नहीं है। प्रयागराज की घटना पर उन्होंने कहा कि यह केवल सनातनियों का ही नहीं बल्कि पूरे हिंदू धर्म का अपमान है। भाजपा धर्म के नाम पर वोट तो लेती है लेकिन धर्म का सम्मान करना भूल जाती है। भाजपा के अलग-अलग नेता दो घंटे के अंतराल में एक ही लाइब्रेरी का उद्घाटन करते हैं।

रोहतक में भूमि घोटालों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये के घोटालों में भाजपा नेताओं के नाम सामने आए हैं लेकिन सीबीआई और ईडी ने किसी भाजपा नेता पर कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस राज्यपाल से मिलकर प्रदेश में हुए सभी घोटालों की सूची सौंपेंगे। शहरी निकाय चुनाव को लेकर हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह तैयार है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

थक गया था सबकी परवाह कर कर के,
बड़ा सुकून सा है जब से लापरवाह हुआ हूँ!

जीएचएमसी में जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र सेवाएं हुईं और अधिक सरल

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 27 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के विलय के बाद ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के विस्तार के अनुरूप, नागरिक सेवाओं को सुचारू बनाने के उद्देश्य से जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण तथा प्रमाणपत्र प्रणाली को और सुदृढ़ किया गया है। वार्डों की संख्या 150 से बढ़ाकर 300, सर्किलों की संख्या 30 से बढ़ाकर 60 तथा जोनों की संख्या 6 से बढ़ाकर 12 किए जाने के साथ ही प्रणाली का व्यापक पुनर्गठन किया गया है। सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (सीजीजी) की निगरानी में सभी 300 वार्डों और 60 सर्किलों का विस्तृत मैपिंग कार्य पूरा कर लिया गया है, जिसमें सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों को भी शामिल किया गया है। इस पहल के तहत जीएचएमसी क्षेत्राधिकार में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण और प्रमाणपत्र जारी करने हेतु एक नया सॉफ्टवेयर आधारित डिजिटल एप्लिकेशन सफलतापूर्वक लागू किया गया है। उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म से पारदर्शिता बढ़ेगी, आवेदन प्रक्रिया में लगने वाला समय कम होगा तथा जन्म और मृत्यु पंजीकरण एवं प्रमाणपत्र निर्गमन में अधिक सटीकता सुनिश्चित होगी। जीएचएमसी क्षेत्र में निवास करने वाले नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे पंजीकरण और प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए अपने निकटतम मी-सेवा केंद्रों की सेवाओं का लाभ उठाएं। जीएचएमसी अधिकारियों ने बताया कि यह नई प्रणाली निगम की विस्तारित प्रशासनिक संरचना के अनुरूप तेज, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से लागू की गई है।

डिजिटल अरेस्ट घोटालों पर रोक लगाने में बैंक कर्मचारी निभा सकते हैं अहम भूमिका

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के दिनों में बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट घोटालों से लोगों को बचाने में बैंक कर्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पुलिस विभाग के साइबर अपराध अधिकारियों ने अनेक मामलों के विश्लेषण के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचने की जानकारी दी है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो क्लिप साझा की गई है, जिसमें यह बताया गया है कि बैंक कर्मचारी किस प्रकार अपने ग्राहकों को डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी का शिकार बनने से बचा सकते हैं।

डिजिटल अरेस्ट घोटाले हाल के समय में गंभीर रूप ले चुके हैं और केवल वर्तमान माह में ही आंध्र प्रदेश में लोगों को लगभग 800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। महबूबनगर, तिरुवूर और अन्य स्थानों पर बैंक कर्मचारियों ने समय पर सतर्कता दिखाते हुए कई लोगों को इस धोखाधड़ी के जाल में फंसने से बचाया है। साइबर सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि बैंक कर्मचारी ग्राहक की मानसिक स्थिति पर ध्यान देकर जैसे वह घबराया हुआ, डरा हुआ या तनाव में है, उसे बचा सकते हैं।

बैंक कर्मचारी ग्राहक से कुछ सरल प्रश्न पूछ सकते हैं, जैसे कि वह अपने खाते से पैसा क्यों स्थानांतरित कर रहा है, क्या उसे सीबीआई, कस्टम्स, ईडी, पुलिस या किसी अन्य एजेंसी से डिजिटल अरेस्ट की धमकी देने वाला कोई फोन आया है, वह फिक्स्ड डिपॉजिट क्यों बंद कर रहा है, क्या उसके मोबाइल फोन पर कोई व्यक्ति उसे निर्देश दे रहा है आदि।

इसके साथ ही बैंक कर्मचारी ग्राहकों को यह समझा सकते हैं कि साइबर ठग किस प्रकार लोगों को डराकर उनकी मेहनत की कमाई लूट रहे हैं और उन्हें यह आश्वासन दे सकते हैं कि डिजिटल अरेस्ट या इस तरह की धमकी भरी कॉल से डरने की कोई आवश्यकता नहीं है, अधिकारियों ने बताया।

ऐतिहासिक कोतवाल हाउस में गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण

सीपी ने इस परंपरा को पुनर्जीवित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को शहर के ऐतिहासिक 'कोतवाल हाउस' में गणतंत्र दिवस समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

इसके बाद उन्होंने पुलिस कर्मियों द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर स्वीकार किया। पुरानी हवेली स्थित कोतवाल हाउस (जिसे पुराने पुलिस आयुक्त कार्यालय के नाम से भी जाना जाता है) में इस वर्ष का गणतंत्र दिवस विशेष महत्व रखता है, क्योंकि वर्ष 2025 के मध्य में इसके भव्य जीर्णोद्धार के पूरा होने के बाद यह पहला गणतंत्र दिवस समारोह है। हैदराबाद सिटी पुलिस के ऐतिहासिक शक्ति केंद्र के रूप में (1920 से 2002 तक मुख्यालय के रूप में कार्यरत) रहे इस भवन में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह ने पुराने शहर में आने वाले समय में 'कोतवाल' के लिए एक विरासत स्मारक एवं कार्यशील कार्यालय के रूप में इसकी नई भूमिका को और सुदृढ़ किया है। इसके अलावा, वर्ष 2002 के बाद यह पहली बार है जब किसी शहर पुलिस आयुक्त रैंक के अधिकारी ने कोतवाल हाउस में ध्वजारोहण किया है। पुलिस स्टाफ ने पुलिस आयुक्त सज्जनार द्वारा इस परंपरा को पुनर्जीवित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। चारमीनार ज़ोन के डीसीपी खरे किरण प्रभाकर, अतिरिक्त डीसीपी मजीद, टास्क फोर्स के अतिरिक्त डीसीपी आंडे श्रीनिवास राव सहित अन्य अधिकारियों ने भी समारोह में भाग लिया।

डीजीपी कार्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह मना

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को डीजीपी कार्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त डीजीपी डी.एस. चौहान ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा सलामी दी। इसके पश्चात उन्होंने पुलिस कर्मियों द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर स्वीकार किया। कार्यक्रम में शांति एवं कानून-व्यवस्था विभाग के एआईजी रमण कुमार, लीगल एसपी श्री सतीश, सीएसओ योगेश्वर राव, डीएसपी वेणुगोपाल, डीजीपी कार्यालय से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे और समारोह में भाग लिया।

टीएसएचआरसी ने गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (टीएसएचआरसी) ने सोमवार को अपने परिसर में देशभक्ति के उत्साह के साथ 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया। आयोग की अध्यक्ष न्यायमूर्ति शमीम अख्तर ने गार्ड ऑफ ऑनर स्वीकार किया तथा राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम में सदस्य (न्यायिक) प्रवीणा, सदस्य (गैर-न्यायिक) किशोर, सचिव निर्मला वेस्ली, उप-पंजीयक विजय, सहायक पंजीयक (न्यायिक) शहाबुद्दीन, डीएसपी रामुलु, निरीक्षक सुश्री रेनुका सहित आयोग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। आयोग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने समारोह में भाग लिया और भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को बनाए रखने तथा मानवाधिकारों की रक्षा और संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। यह आयोजन आयोग के लोगों की सेवा में ईमानदारी, निष्पक्षता और समर्पण के साथ अपने वैधानिक दायित्वों का निर्वहन करने के संकल्प को दर्शाता है।

तेलंगाना विधानसभा में स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने सोमवार को विधानसभा परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इससे पूर्व, स्पीकर प्रसाद कुमार ने विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, उपसभापति बांडा प्रकाश मुदिराज, विधायक (एमएलए), विधान परिषद सदस्य (एमएलसी), परिषद सचिव डॉ.वी. नरसिंहा चार्युलु, विधानसभा सचिव रेन्डला तिरुपति तथा अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर डॉ.बी.आर. आंबेडकर और महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्पीकर प्रसाद कुमार ने जनता को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

जनरेटर चोरी गिरोह का भंडाफोड़

3.5 लाख मूल्य का वाहन बरामद

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बालानगर पुलिस ने जनरेटर लगे डीसीएम वाहन की चोरी के एक मामले में संलिप्त आदतन अपराधियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है। यह मामला बीएनएस की धारा 305(बी) के तहत दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, यह मामला 21 जनवरी, 2026 का है, जब शिकायतकर्ता यूसुफ बाबा ने प्रह्लाद सॉ मिल, आईडीपीएल हट्स के पास खड़े अपने जनरेटर लगे डीसीएम वाहन की चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। त्वरित तकनीकी जांच और प्रत्यक्षदर्शियों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद ख़दीर और मोहम्मद ताजुद्दीन के रूप में हुई है, जो कर्नाटक के बीदर जिले के निवासी हैं। वहीं दो अन्य आरोपी डिग्या उर्फ दिलवाले और फ़ख़रुद्दीन उर्फ गोरे फरार बताए गए हैं। अपराध के तरीके के बारे में पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पहले इलाके की रेकी की, वाहन की चाबी केबिन के अंदर होने की जानकारी ली, उपलब्ध डीजल से वाहन स्टार्ट किया और मुंबई हाईवे के रास्ते कर्नाटक की ओर फरार हो गए। पुलिस ने चोरी की गई संपत्ति यानी जनरेटर लगा डीसीएम वाहन बरामद कर लिया है। आरोपियों का संबंध इसी प्रकार के एक अन्य मामले से भी पाया गया है। यह सफल कार्रवाई बालानगर डिवीजन के डीसीपी रितिराज, एसीपी पी. नरेश रेड्डी और इंस्पेक्टर टी. नरसिंहा राजू के पर्यवेक्षण में की गई। इस मामले में शामिल पुलिस टीम को उपयुक्त रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

'विकसित भारत' के निर्माण में सहयोग का आह्वान किया

एफटीसीसीआई ने उद्योग जगत से अनुरोध किया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने हैदराबाद के रेड हिल्स स्थित अपने मुख्यालय फेडरेशन हाउस में देशभक्ति के उत्साह के साथ 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया। एफटीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रविकुमार ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष के.के. महेश्वरी, सचिव वीणा, तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष सुरेश सिंघल, पूर्व अध्यक्षों, समिति अध्यक्षों, सदस्यों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सभा को संबोधित करते हुए रविकुमार ने कहा कि गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान को अपनाए जाने का प्रतीक है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन, समानता और न्याय के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दोहराता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिक शासन और नवाचार भी आवश्यक हैं। उद्योग जगत के नेताओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक महान देश है। हमें मिलकर भारत को विकसित भारत बनाने और उसे पुनः विश्वगुरु का स्थान दिलाने के लिए कार्य करना चाहिए। के.के. महेश्वरी ने युवा पीढ़ी द्वारा देश के पूर्वजों के बलिदानों को समझने के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि राष्ट्रीय प्रगति एक साझा जिम्मेदारी है। इस अवसर पर कई वरिष्ठ उद्योगपति, समिति सदस्य तथा एफटीसीसीआई के कर्मचारी समारोह में शामिल हुए।

लैरिंजेक्टोमी के मरीजों ने गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रगान गाकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लैरिंजेक्टोमी से बचे 80 लोगों के एक समूह ने सोमवार को हैदराबाद स्थित बसवतारकम इंडो-अमेरिकन कैंसर अस्पताल और अनुसंधान संस्थान (बीआईएसीएच एंड आरआई) में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान भावपूर्ण राष्ट्रगान 'जन गण मन' की प्रस्तुति दी और लंदन के वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से प्रमाण पत्र प्राप्त किया। यह अनूठी उपलब्धि उन लोगों के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है जिन्होंने जीवन बदल देने वाली सर्जरी के बाद अपनी आवाज़ पुनः प्राप्त की। प्रस्तुति उन्नत आवाज़ पुनर्वास तकनीकों के माध्यम से संभव हुई, जिसमें इलेक्ट्रोलेरिंक्स उपकरण और ट्रेकियोसोफेजियल वॉइस प्रोस्थेसिस (टीईपी) का इस्तेमाल शामिल था।

जिन लोगों के प्राकृतिक स्वरयंत्र को कैंसर के इलाज के लिए हटाया गया था, उनके लिए राष्ट्रगान गाना तकनीकी विजय के साथ-साथ भावनात्मक अनुभव भी था। भारत में स्वरयंत्र का कैंसर पुरुषों में विशेष रूप से गंभीर स्वास्थ्य समस्या है और सभी कैंसर मामलों का 3-6 प्रतिशत है।

बीआईएसीएच एंड आरआई का सिर और गर्दन ऑन्कोलॉजी विभाग मरीजों को लैरिंजेक्टोमी रिहैबिलिटेशन क्लब के माध्यम से सहकर्मी सहायता, स्पीच थेरेपी और परामर्श प्रदान करता है, जिससे वे शारीरिक और भावनात्मक चुनौतियों से निपट सकें। समारोह में अस्पताल के अध्यक्ष नंदामुरी बालकृष्ण और वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ, जिनमें पद्म श्री से सम्मानित कैंसर विशेषज्ञ डॉ. नोरी दत्तात्रेय भी उपस्थित थे।

यूज्ड कार डीलर के भ्रामक ऑफर से हंगामा, एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नचाराम में एक यूज्ड कार डीलर के खिलाफ सोशल मीडिया पर भ्रामक विज्ञापन जारी करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। इस घटना से सोमवार को इलाके में अराजकता और सार्वजनिक आक्रोश फैल गया। जानकारी के अनुसार, मल्लापुर निवासी रोशन ने इंस्टाग्राम पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशेष ऑफर की घोषणा की थी, जिसमें दावा किया गया कि कारें 26,000 रुपये प्रति कार के हिसाब से बेची जाएंगी और 50 वाहन उपलब्ध होंगे।

असाधारण रूप से कम कीमत के कारण बड़ी संख्या में लोग सुबह-सुबह ही दुकान के बाहर जमा हो गए। हालांकि, दुकान में केवल लगभग दस कारें ही मौजूद थीं। जब भीड़ ने उपलब्धता के बारे में सवाल उठाए, तो डीलर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सका और अपना प्रस्ताव वापस ले लिया। इस पर कुछ लोगों ने दुकानदार की कारों को नुकसान पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, स्थिति को नियंत्रण में किया और डीलर को हिरासत में ले लिया। जनता को गुमराह करने के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

जुबली हिल्स में नकली सोने से आभूषण स्टोर में धोखाधड़ी, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने तमिलनाडु स्थित एक अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को शहर के एक आभूषण स्टोर को नकली सोने के आभूषणों से धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में दो तमिलनाडु की महिलाएं और एक स्थानीय सहयोगी शामिल हैं, जिन्होंने धोखाधड़ी में मदद की। जानकारी के अनुसार, यह घटना 14 जनवरी को रोड नंबर 36 स्थित आभूषण दुकान में हुई। संदिग्धों ने पुराने सोने के बदले नए आभूषण लेने आए ग्राहकों का रूप धारण किया और सत्यापन प्रक्रिया का फायदा उठाकर असली सोने के बदले नकली आभूषण ले लिए। उन्होंने लगभग 10 लाख रुपये के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए। दुकान प्रबंधन की शिकायत पर जुबली हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज किया। निगरानी कैमरों की मदद से संदिग्धों का पता लगाया गया और उन्हें उमदानगर के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि गिरोह ने तेलुगु राज्यों में कई आभूषण दुकानों में इसी तरह की धोखाधड़ी की योजना बनाई थी।

दुब्बाका में बीआरएस विधायक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हमला असफल

सिद्दिपेट, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को दुब्बाका कस्बे के गांधी केंद्र में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद बीआरएस विधायक कोत्ता प्रभाकर रेड्डी पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमला करने का प्रयास किया। खबरों के अनुसार, प्रभाकर रेड्डी ने सभा में कांग्रेस सरकार की कथित नाकामियों को उजागर किया, जिससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। उन्होंने नारे लगाए और भाषण में बाधा डालने की कोशिश की। विधायक ने जोर देकर कहा कि विपक्ष के नेता और निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में जनता के मुद्दों को उठाना और सरकार की नाकामियों को उजागर करना उनकी जिम्मेदारी है।

भाषण समाप्त होने के बाद जब प्रभाकर रेड्डी अपनी गाड़ी की ओर बढ़े, तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोकने और हमला करने का प्रयास किया। हालांकि, मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और विधायक को सुरक्षित बाहर निकाला। बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के इस व्यवहार की निंदा की और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी पुलिस कार्रवाई की मांग की। यह घटना हाल ही में जनगांव विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी पर हुए हमले के ठीक बाद हुई है।

पावरग्रिड (दक्षेपाप्र-I) में 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 77वां गणतंत्र दिवस पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली-1, मुख्यालय सिकंदराबाद में मुख्य अतिथि दोमन यादव, कार्यपालक निदेशक (दक्षेपाप्र-I) द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर मनाया गया।

श्री यादव ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस उस ऐतिहासिक क्षण की गर्वित याद दिलाता है जब भारत ने अपना संविधान लागू किया और एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में उभरा। उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान सभा के सदस्यों की गहन विचार-विमर्श ने राष्ट्र को एक दूरदर्शी ढांचा प्रदान किया है, जो आज भी भारत की प्रगति का मार्गदर्शन करता है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे एक अधिक प्रगतिशील, समावेशी और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें।

इस अवसर पर प्रवीण कुमार टीवीएस, मुख्य महाप्रबंधक (एसेट मैनेजमेंट), वेंकट एसवी, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त), अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन), वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, उनके परिवारजन और बच्चे उपस्थित थे। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में स्थित पावरग्रिड, दक्षेपाप्र-I के सभी प्रतिष्ठानों में गणतंत्र दिवस उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

कंचापाडु गांव में व्यक्ति की बेरहमी से हत्या

जोगुलम्बा गदवाल, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आलमपुर निर्वाचन क्षेत्र के उंडावल्ली मंडल अंतर्गत कंचापाडु गांव में रविवार को दो अज्ञात हमलावरों ने 43 वर्षीय एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी। मृतक की पहचान कृष्णाया गौड़ के रूप में हुई है।

यह घटना गांव के बाहरी इलाके में उस समय हुई, जब कृष्णाया गौड़ शराब पी रहे थे। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने पहले उनकी आंखों में मिर्च पाउडर फेंका और फिर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल कृष्णाया गौड़ मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में पुरानी दुश्मनी और आर्थिक विवाद को हत्या का संभावित कारण माना जा रहा है।

यूजीसी के विरोध में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट ने दिया इस्तीफा

> कहा-देश में विदेशी जनता पार्टी की सरकार

बरेली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट के पद से अलंकार अग्निहोत्री ने इस्तीफा देकर पूरे प्रदेश के प्रशासनिक वर्ग में खलबली मचा दी है। यह भी इस्तीफा इन्होंने 26 जनवरी जैसे मौके पर दिया है, जहां पूरा देश गणतंत्र दिवस मना रहा था। वहीं अलंकार अग्निहोत्री ने प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुई घटना को लेकर अपना विरोध जताने को हर किसी को हैरत में डालने वाला तरीका अपनाया है।

उन्होंने राज्यपाल और निर्वाचन आयोग को भेजे गए सात पन्ने के अपने इस्तीफा में सबसे नीचे स्पष्ट लिखा है कि अब केंद्र एवं राज्य सरकार में न ही जनतंत्र है और न हो गणतंत्र है, बस भ्रमतंत्र है। देश में अब देशी सरकार नही विदेशी जनता पार्टी की सरकार है। उन्होंने यूजीसी बिल पर भी विरोध जताया है।

इस्तीफे में क्या लिखा

अलंकार अग्निहोत्री ने अपने इस्तीफा में उत्तर प्रदेश सिविल सेवा वर्ष 2019 बैच का अपने को राजपत्रित अधिकारी बताया है। साथ ही उन्होंने अपनी शिक्षा दीक्षा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में होने का जिक्र किया है। उन्होंने सीधे राज्यपाल को संबोधित करते हुए कहा है कि प्रयागराज में माघ मेले में मौनी अमावस्या के स्नान के दौरान ज्योतिष पीठ ज्योर्तिमठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द एवं उनके शिष्य, बटुक, ब्राह्मणों से स्थानीय प्रशासन ने मारपीट की। वृद्ध आचार्यों को मारते हुए बटुक ब्राह्मण को जमीन पर गिराकर एवं उसकी शिखा को पकड़कर घसीटकर पीटा गया और उसकी मर्यादा का हनन किया गया, चूंकि चोटी/शिखा ब्राह्मण, साधु संतों का धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतीक है और मैं (अलंकार अग्निहोत्री) स्वयं ब्राह्मण वर्ण से हूं।

पत्र में आगे लिखा है कि प्रयागराज की घटना से यह स्पष्ट है कि स्थानीय प्रशासन द्वारा ब्राह्मणों का देशव्यापी अपमान किया गया है। अलंकार अग्निहोत्री ने यह भी कहा है कि प्रयागराज में हुई घटना एक चिंतनीय एवं गंभीर विषय है और ऐसे प्रकरण इस सरकार में होना एक साधारण ब्राह्मण की आत्मा को कंपा देता है। इस प्रकरण से यह प्रतीत होता है कि स्थानीय प्रशासन एवं वर्तमान की राज्य सरकार एक ब्राह्मण विरोधी विचारधारा के साथ काम कर रही है एवं साधु संतों की अस्मिता के साथ खिलवाड़ कर रही है।

पोस्टर के साथ तस्वीर वायरल

अलंकार अग्निहोत्री का कहना है कि वह शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों की पिटाई से आहत हैं। साथ ही उन्होंने यूजीसी के नए कानून का विरोध भी किया। इस संबंध में सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री की एक तस्वीर सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आई है, जिसमें वह पोस्टर लेकर खड़े दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में लिखा है कि हैशटैग यूजीसी रोल बैक..., काला कानून वापस लो। शंकराचार्य और संतों को यह अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

टीचर ने गला रेतकर छात्र की हत्या की

कानपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर देहात में टीचर ने 11वीं के छात्र की हत्या कर दी। उसने छात्र को मिलने के लिए स्कूल के पास बुलाया और चाकू से गला रेत दिया। छात्र चिल्लाया तो आरोपी मौके से भाग निकला। वह लहूलुहान हालत में जान बचाने के लिए पास के पेट्रोल पंप की ओर भागा। लोगों ने उसे देखा और तत्काल परिवार को सूचना दी। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां इलाज के दौरान 17 साल के छात्र सौरभ पाल की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया- मरने से पहले छात्र ने टीचर पर हत्या करने का आरोप लगाया। अब तक जांच में रुपए के लेन-देन के विवाद की बात सामने आई है। आरोपी टीचर फरार है। गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की गई हैं। सौरभ के पिता की 3 साल पहले मौत हो चुकी है। वह अपनी बहन और जीजा के साथ रहता था। घटना रविवार शाम जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर झींझक की है। सौरभ पाल मूल रूप से रूरा थाना क्षेत्र के उमरायपुर अंबियापुर का रहने वाला था।

वृंदावन की कुंज गलियां ठसाठस

5 लाख भक्त बांके बिहारी पहुंचे, एक किमी लंबी लाइन

मथुरा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मथुरा के बरसाना और वृंदावन में सोमवार को 5 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। उन्होंने बांके बिहारी समेत अन्य देवी देवताओं के दर्शन किए। सबसे अधिक भीड़ बांके बिहारी, प्रेम मंदिर, निधिवन और और श्री जी मंदिर में देखने को मिली। सुबह 8 बजे ही यहां की गलियों श्रद्धालुओं से खचाखच भर गई। पैर रखने तक की जगह नहीं बची। मंदिरों के बाहर एक किलोमीटर तक लाइन लग गई। भीड़ में कई बच्चे और बुजुर्ग फंस गए। वे चीखने-चिल्लाने लगे। शोर सुनकर पुलिस उनके पास पहुंची। बड़ी मुश्किल से उन्हें बाहर निकलवाया। उसके बाद वे किसी तरह से मंदिर के पास पहुंचे। तब जाकर दर्शन हो पाए। भक्तों के आने का सिलसिला जारी है। वे नाचते - गाते हुए परिवार के साथ आ रहे हैं। भीड़ को देखते ही जगह-जगह पुलिस को तैनात कर दिया गया है। पुलिस बारी-बारी से लोगों को आने जाने की अनुमति दे रही है। शाम तक भीड़ का आंकड़ा 6 लाख के पार पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

दर्शन के लिए करना पड़ रहा 2 से ढाई घंटे तक इंतजार

बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने आए श्रद्धालुओं ने बताया- सुबह 8 बजे ही मंदिर के पास पहुंचे गए। भीड़ अधिक थी इसलिए लाइन में खड़ा होना पड़ा। ढ़ाई घंटे बाद, 10:30 बजे नंबर आया। तब जाकर दर्शन कर पाए। बांके बिहारी मंदिर के दर्शन करके अच्छा लगा। बांके बिहारी के दर्शन के लिए 2 घंटे तो और भी देर लगती तो भी बिना दर्शन किए नहीं जाते।

श्रद्धालु बोले- गणतंत्र दिवस पर पहले कभी इतनी भीड़ नहीं देखी

बांके बिहारी, प्रेम मंदिर, निधिवन समेत अन्य मंदिरों में दर्शन के लिए लंबी कतार है। सुबह 6 बजे से श्रद्धालुओं को एंट्री दी जा रही है। श्रद्धालु यहां अपने परिजन और दोस्तों के साथ पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि पहले भी दर्शन के लिए यहां आते रहे हैं लेकिन गणतंत्र दिवस पर कभी इतनी भीड़ नहीं दिखी। हाल के दिनों में बांके बिहारी के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ में इजाफा हुआ है।

तिरंगा रैली में अल्लाह-हू-अकबर' के नारे लगे

डीआईजी के बेटे ने वर्दी पहन सलामी ली, योगी बना बच्चा रोड शो निकाला

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में आज 77वां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। लखनऊ में विधानसभा पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 7वीं बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए गए। जवान टैंकों पर बैठकर निकले। स्कूली बच्चों ने ब्रह्मोस मिसाइल की झांकी निकाली। बच्चे फौजी ड्रेस में पहने नजर आए।

बस्ती में एक बच्चा सीएम योगी के अंदाज में रैली में पहुंचा। वह खुली कार में खड़े होकर हाथ जोड़ते हुए चल रहा था। बच्चे ने सिर मुंडवाया था और भगवा कपड़े पहने थे। वहीं, बागपत में मदरसे के बच्चों ने तिरंगा रैली निकाली, जिसमें उसने 'अल्लाह हू अकबर' के नारे लगवाए गए। सीओ रोहन चौरसिया ने कहा है कि वीडियो की जांच की जा रही है। इसके अलावा, काशी में बाबा विश्वनाथ का तिरंगा कलर में श्रृंगार किया गया। महिला कमांडोज ने हाथ में हथियार लेकर परेड की। स्कूली बच्चों ने करतब दिखाए। डीआईजी शिवहरि मीणा के बेटे ने खाकी वर्दी पहनी। टोली प्रभारियों से हाथ मिलाया।

कर्तव्य पथ पर कालिंजर किला की थीम पर झांकी निकली

दिल्ली के कर्तव्य पथ पर बांदा के कालिंजर किला की थीम पर यूपी की झांकी निकाली गई। इसे देखकर हर कोई भक्ति के रंग में रंगा दिखा। बैकग्राउंड में "जटाटवीगलज्जल प्रवाहपावितस्थले..." शक्तिवान बेटियों की अब नई उड़ान है, आज यूपी में विकास का नया विहान है..." गाना बज रहा था।

हिंदूवादियों ने ताजमहल पर तिरंगा फहराया

आगरा में अखिल भारत हिंदू महासभा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने ताजमहल पर तिरंगा फहराया और भारत माता की जय के नारे लगाए। इसका वीडियो सामने आने के बाद हलचल मच गई। सीआईएसएफ मामले की जांच कर रही है।

लखनऊ में सीएम योगी ने झंडा फहराया। उन्होंने कहा-जो खुद को संविधान से ऊपर मानता है, वह अवमानना करता है। आजादी से पहले देश को क्षेत्र, भाषा और जाति के आधार पर बांटने के कई षड्यंत्र रचे गए, लेकिन वे टिक नहीं पाए।

जमीन विवाद को लेकर बैठी पंचायत में गोलीबारी- दो लोगों की मौके पर मौत

रोहतास, 26 जनवरी (एजेंसियां)। रोहतास जिले के सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरिया गांव में रविवार की शाम जमीन विवाद को लेकर चल रही पंचायत बैठक के दौरान गोलीबारी हो गई। इस घटना में दो लोगों की गोली लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जिससे गांव में दहशत और तनाव का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, डुमरिया गांव में दो पक्षों के बीच जमीन विवाद को सुलझाने के लिए पंचायती चल रही थी। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई और विवाद इतना उग्र हो गया कि अचानक गोलीबारी शुरू हो गई।

> महिला टीचर को भेजे थे गंदे मैसेज

डिपार्टमेंट ने एक मास्टरजी को नाप दिया और दूसरे लाइन में

मुजफ्फरपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। महिला शिक्षकों को अश्लील मैसेज भेजने के मामले में एक शिक्षक को निलंबित कर दिया गया। वहीं दूसरे शिक्षक को निलंबित करने की अनुशंसा नियोजन इकाई से की गई है। मुजफ्फरपुर के जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमार अरविन्द सिन्हा के निर्देश के बाद डीपीओ स्थापना इन्द्र कुमार कर्ण ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

जांच में सही पाए गए आरोप

इस पूरे मामले की जांच कराई जा रही थी। इसी में शिक्षकों को के खिलाफ लगाए गए आरोप को सही पाया गया। इसके बाद एक को सस्पेंड और दूसरे को निलंबित करने की अनुशंसा कर दी गई। मामला मुजफ्फरपुर के सकरा प्रखंड का है। जो शिक्षक सस्पेंड किया गया है, उसकी जॉइनिंग बीपीएससी टीआरई के जरिए हुई थी।

पंचायत शिक्षक भी नपेंगे

इसी मामले में एक पंचायत शिक्षक के निलंबन की अनुशंसा नियोजन इकाई से की गई है। मास्टर जी केवल अश्लील मैसेज ही नहीं करते थे बल्कि महिला टीचर को धमकी भी देते थे। सकरा की एक शिक्षिका ने कुढ़नी के विद्यालय अध्यापक दीपक कुमार के विरूद्ध डीईओ से शिकायत की थी।

जानिए कैसे चला पता

दीपक कुमार पहले सकरा में ही कार्यरत थे। माध्यमिक डीपीओ से इसकी जांच कराई गई। जांच में अश्लील चैटिंग का आरोप सही पाया गया। शिक्षक उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत है। वहीं एक अन्य मामला मड़वन प्रखंड का है। प्राथमिक विद्यालय के पंचायत शिक्षक संतोष पर अश्लील मैसेज भेजने का आरोप था। महिला शिक्षिकाओं का आरोप है कि उन्हें अश्लील मैसेज किया जा रहा था। विरोध करने पर धमकी देने लगा।

3 दिन के अंदर कार्रवाई कर रिपोर्ट करनी है

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना ने पंचायत शिक्षक के निलंबन की अनुशंसा पंचायत सचिव राज महमदपुर को भेजा गया है। तीन दिनों के भीतर इनके विरूद्ध विभागीय कार्यवाही की रिपोर्ट भी देनी है। हाल के दिनों में महिला शिक्षकों के साथ इस तरह की घटनाएं बढ़ी है। अश्लील मैसेज, अश्लील हरकत से शिक्षिका काफी परेशानी है। दर्जनों आवेदन शिक्षा विभाग में पड़े है।

यूजीसी कानून पर राकेश टिकैत ने दिए 2 बड़े सुझाव

कहा-50 साल के लिए एक बच्चा पैदा करने का कानून बनाओ

बागपत, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में यूजीसी के नए कानून को लेकर बहस छिड़ी हुई है। सवर्ण समाज से जुड़े संगठन इस नए कानून का विरोध कर रहे हैं। इसी बहस के बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने यूजीसी कानून पर बड़ा बयान दिया है। एक कार्यक्रम में बागपत के दोघट पहुंचे राकेश टिकैत से जब यूजीसी के नए कानून को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इससे देश में आपसी बैर और मुकदमेबाजी बढ़ेगी। राकेश टिकैत ने कहा कि मेरी राय में मामलों का हल मुकदमेबाजी के बजाय मिल-जुलकर समझौते और एक-दूसरे की सहमति से निकालना चाहिए।

इसके साथ ही राकेश टिकैत ने कहा कि देश में जनसंख्या रोकने के लिए एक सख्त कानून की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार को एक ही बच्चा पैदा करने का कानून बनाना चाहिए, जो अगले 50 साल तक लागू रहे। राकेश टिकैत ने कहा कि जिस दर से देश की जनसंख्या बढ़ रही है, उससे जनसंख्या विस्फोट होने का खतरा है। आबादी बढ़ेगी तो वो दिन दूर नहीं, जब लोग रोजगार के लिए सड़कों पर उतर जाएंगे। ऐसी स्थिति ना बने, इसीलिए सरकार तुरंत इसपर ध्यान दे और एक बच्चे का कानून लेकर आए। जो लोग इस कानून का पालन ना करें, उनसे सरकारी सुविधाएं वापस ली जाएं।

यूजीसी कानून क्या है ?

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की तरफ से हाल ही में देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में एक नया कानून लागू किया गया है। 'उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम, 2026' के तहत कॉलेजों में जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव को रोकने के लिए यह कानून लाया गया है। इसमें एससी और एसटी के साथ-साथ ओबीसी वर्ग को भी जातिगत भेदभाव की परिभाषा में शामिल किया गया है। कानून के तहत कॉलेज में अनिवार्य तौर पर समान अवसर प्रकोष्ठ का गठन करना होगा, जो भेदभाव और उत्पीड़न की शिकायत मिलने पर दर्ज करेगी। एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के स्टूडेंट, टीचर और नॉन टीचिंग स्टाफ इस कानून के दायरे में शामिल हैं। 15 जनवरी 2026 से यह कानून यूजीसी से संबद्ध सभी कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में लागू कर दिया गया है।

जगद्गुरु शंकराचार्य के विरुद्ध असत्य प्रचार करने वालोव के विरुद्ध एफआईआर

प्रयागराज, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष पीठाधीश्वर स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज के मौनी अमावस्या गंगा-स्नान पर, माघ मेला प्रयागराज प्राशासनिक अनियमितताओं के कारण उपजे धर्मसंकट को लेकर अनेक सोशल मीडिया हैंडल -आईडी से जगद्गुरु शंकराचार्य जी के विरुद्ध भ्रामक प्रचार, अपमान जनक पोस्टें व झूठा दुष्प्रचार कर सनातन धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरुपद को बदनाम करने के काम किए जा रहे हैं । इससे आहत होकर, जगद्गुरु शंकराचार्य के शिष्यों ने ऐसे सोशल मीडिया हैंडल -आईडी पर एफआईआर दर्ज कराना आरंभ कर दिया है। आर डी अमृते नामक व्यक्ति पर साइबर कानून के अंतर्गत केस दर्ज कराया गया है।

भाकियू कार्यकर्ता का शव मंदिर में मिला

फतेहपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। फतेहपुर में मंदिर की एंट्री गेट पर एक युवक की लाश मिली है। पत्नी की दो दिन बाद डिलीवरी होने वाली थी। घर से करीब एक किलोमीटर दूर मिले शव के गले में रस्सी बंधी थी जिसका एक सिरा मंदिर के घंटे में बंधा था। उसके घुटने मुड़े हुए थे। ऐसा लग रहा था कि वह जमीन पर घुटने मोड़कर बैठा हुआ है। सोमवार सुबह करीब 7.30 बजे लोगों ने मंदिर में शव को देखा तो पुलिस को सूचना दी। परिजन ने हत्या की आशंका जताई है। घटना जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर थरियांव थानाक्षेत्र के सखियाव गांव की है।

खेसारी ने रवि किशन को कहा-मेरे बाप मत बनिए

बीजेपी सांसद की मिमिक्री की; पवन सिंह पर तंज-2 पैग में टाइट हो जाते हैं

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भोजपुरी सिनेमा के दो सुपर स्टार के बीच जुबानी जंग जारी है। भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव ने मंच से गोरखपुर के बीजेपी सांसद और अभिनेता रवि किशन और पवन सिंह पर सीधा हमला बोला। खेसारी ने न सिर्फ रवि किशन की मिमिक्री की, बल्कि दो टूक कहा, 'रवि किशन मेरे बाप बनने की कोशिश न करें।' वहीं पवन सिंह पर भी खेसारी ने तंज कसा और कहा, 'वो तो 2 पैग में टाइट हो जाते हैं।' खेसारी लाल ने स्टेज पर एक एंकर से कहा, मजाक करना है तो उनसे कीजिए, जिनका पेट निकला हुआ है। खेसारी के फैंस का कहना है, 'ये भी पवन सिंह पर ही तंज किया गया था।' गोरखपुर महोत्सव के दौरान रवि किशन और पवन सिंह मंच पर मौजूद थे।

शो के दौरान रवि किशन ने माइक संभालते हुए खेसारी लाल यादव पर तंज कसा। बिना नाम लिए उन्होंने कहा था, 'इंडस्ट्री में एक अभिनेता ऐसा है, जो जब नया-नया आया था तो दोनों पैर छूकर सम्मान करता था। बाद में थोड़ा स्टारडम मिला तो घुटना छूने लगा।' इस बयान के जवाब में खेसारी लाल यादव ने हाल ही में कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान रवि किशन की मिमिक्री की। उन्होंने कहा- 'पहले यहां छूता था, अब यहां छूता है।' खेसारी ने आगे कहा, 'शुक्र मनाइए कि आपका सम्मान करने वाला आपका भाई है। आजकल तो बेटा भी अपने पिता के पैर नहीं छूता।' मुझे जन्म देने वाले पिता का नाम मंगरु यादव है और किसी को उनके पिता बनने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।'

यूजीसी के नाम पर युवाओं को गुमराह करने का खेल बंद होना चाहिए'

सांसद जनार्दन सिग्रीवाल ने कहा

छपरा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी को लेकर देशभर में मचे शोर को बिहार के महाराजगंज से भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने राजनीतिक साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को यूजीसी का पूरा अर्थ तक नहीं पता, वही आज इसके नाम पर भ्रम फैला रहे हैं और युवाओं को भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।

महागठबंधन पर लगाया साजिश का आरोप

सांसद सिग्रीवाल ने आरोप लगाया कि शिक्षा के क्षेत्र में भ्रम फैलाने की यह कोशिश महागठबंधन के उन नेताओं की है, जो एनडीए सरकार के विकास कार्यों से असहज हैं। उन्होंने कहा कि यूजीसी के नाम पर फैलाई जा रही अफवाहों के जरिए युवाओं को गुमराह किया जा रहा है, जिसे जनता समय आने पर करारा जवाब देगी।

कार्यशाला के बाद मीडिया से बातचीत

ये बातें सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने सारण जिले के जलालपुर प्रखंड अंतर्गत किशुनपुर हरपुर शिवालय में आयोजित जी रामजी

कार्यशाला के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नियमों में बदलाव को लेकर भ्रम निराधार

यूजीसी को लेकर फैलाए जा रहे विरोध और आशंकाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद ने कहा कि जो नियम-कानून पहले लागू थे, वही आज भी लागू हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी छात्र के साथ मनमानी कार्रवाई नहीं होगी और न ही किसी के अधिकारों का हनन किया जाएगा। जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रहते किसी भी युवा के अधिकार पर आंच नहीं आ सकती। उन्होंने यह भी कहा कि देश में सभी के लिए समान कानून है और किसी वर्ग के साथ अन्याय का सवाल ही नहीं उठता।

सोशल मीडिया और यूट्यूब चैनलों पर की टिप्पणी

भाजपा सांसद ने कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और यूट्यूब चैनलों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि बिना तथ्यों के अफवाह फैलाने का एक वर्ग सक्रिय है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी 'संविधान खतरे में है' और 'आरक्षण खत्म हो जाएगा' जैसे दावे किए गए, जो पूरी तरह निराधार साबित हुए।

उन्होंने कहा कि यदि यूजीसी से जुड़ा कोई वास्तविक संकट होता, तो उसकी चर्चा राष्ट्रीय मीडिया और बड़े मंचों पर होती। सांसद ने युवाओं से अपील की कि वे राजनीतिक अफवाहों से दूर रहें और अपने भविष्य पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प के साथ काम कर रही है।

पति को खाना देने जा रही पत्नी को पुलिस की गाड़ी ने उड़ाया, महिला की मौत

रेणुकूट, 26 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के सोनभद्र स्थित मुर्धवा मोड़ के पास सोमवार दोपहर बड़ा सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार में आ रही सीओ पिपरी की गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। वाहन की चपेट में आने से पैदल जा रही अस्पताली देवी (55) की मौत हो गई। इस हादसे में सीओ पिपरी हर्ष पाण्डेय, गनर और चालक घायल हुए। उन्हें हिंडालको अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर देख सीओ को वाराणसी रेफर कर दिया गया। खाड़पाथर निवासी 55 वर्षीय अस्पताली देवी पत्नी कमलेश सिंह सोमवार दोपहर अपने पति व बच्चों के लिए खाना लेकर मुर्धवा मोड़ की ओर जा रही थीं। उनके पति का वहां होटल है। महिला सड़क किनारे पैदल चल रही थीं, तभी पीछे से तेज गति से आ रही सीओ पिपरी की बोलेरो अनियंत्रित हो गई।

'दोषी को माला पहनाएंगे नहीं, माला चढ़ाएंगे'

पटना हॉस्टल कांड पर सम्राट चौधरी सख्त, पुलिस को दी खुली छूट

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री और राज्य के गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने पटना हॉस्टल कांड को लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। पटना हॉस्टल कांड में एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद छात्रा से यौन उत्पीड़न की आशंका पुष्ट हुई है। इसके बाद रविवार को डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने हत्या की जांच कर रहे सीनियर पुलिस अधिकारियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की और पुलिस को खुली छूट देते हुए कहा कि जो भी दोषी है, उसे बिना देरी के गिरफ्तार करें।

मीटिंग में डीजीपी विनय कुमार, एडीजी सीआईडी और आईजी पटना भी रहे मौजूद

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को मामले पर रियल-टाइम अपडेट लेने के लिए बुलाया था। मीटिंग में डीजीपी विनय कुमार, एडीजी सीआईडी और आईजी पटना भी मौजूद थे। गृह मंत्री ने पुलिस को बिना देरी किए आरोपी को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। सूत्रों ने बताया कि सम्राट चौधरी ने जांच की प्रगति और अब तक मिले सुरागों के बारे में खास सवाल पूछे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रा की मौत के हर पहलू की अच्छी तरह से जांच की जानी चाहिए और पुलिस को निर्देश दिया कि वैज्ञानिक सबूतों के आधार पर जांच जल्द से जल्द तार्किक नतीजे पर पहुंचे।

जो दोषी है, उसको छोड़ेंगे नहीं: सम्राट चौधरी

इसके पहले सम्राट चौधरी ने कहा कि 'मैं कभी भी पुलिस के काम में हस्तक्षेप नहीं करता हूं। पुलिस स्वतंत्र है और काम कर रही है। जहानाबाद की बेटी के साथ अत्याचार हुआ, एक-एक चीज की जांच करने का हमने आदेश दिया है, पुलिस एकदम स्वतंत्र है।' डिप्टी सीएम ने कहा कि 'जो दोषी है, उसको माला पहनाने का काम हम नहीं करेंगे, हम उसको माला चढ़ाने का काम करेंगे। कोई अगर छोटी बच्ची के साथ इस तरीके का घिनौना काम करता हो, उसको छोड़ेंगे नहीं।'

14 वर्षों तक सीता माता और

श्रीराम की रक्षा में लक्ष्मण नहीं सोए

उनकी जगह कौन सोता रहा?

रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि त्याग, सेवा और समर्पण की ऐसी मिसाल है, जो आज भी लोगों के मन को छू जाती है। जब भगवान श्रीराम वनवास गए, तो उनके साथ माता सीता और छोटे भाई लक्ष्मण भी गए। लेकिन इस 14 वर्षों के कठिन वनवास में लक्ष्मण ने जो त्याग किया, वह अपने आप में अद्भुत और भावुक कर देने वाला है। बहुत कम लोग जानते हैं कि वनवास के पूरे 14 वर्षों तक लक्ष्मण ने एक भी रात नींद नहीं ली। उन्होंने दिन-रात जागकर श्रीराम और माता सीता की रक्षा की। लेकिन सवाल यह उठता है कि अगर लक्ष्मण नहीं सोए, तो उनकी जगह कौन सोता रहा? आइए जानते हैं इस अद्भुत पौराणिक कथा के बारे में।

निद्रा देवी से मांगा लक्ष्मण ने वरदान

रामायण कथा के अनुसार, जब श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण वनवास के लिए निकले,

तो लक्ष्मण ने संकल्प लिया कि वे रात-दिन जागकर अपने बड़े भाई और भाभी की रक्षा करेंगे। वन में पहली रात जब राम और सीता सो गए, तो लक्ष्मण पहरा देने लगे। तभी उनके पास निद्रा देवी प्रकट हुईं। लक्ष्मण ने निद्रा देवी से प्रार्थना की कि उन्हें अगले 14 वर्षों तक नींद न आने का वरदान दें, ताकि वे बिना किसी बाधा के अपनी सेवा पूरी कर सकें। निद्रा देवी ने कहा कि प्रकृति के नियम के अनुसार, उनके हिस्से की नींद किसी न किसी को तो लेनी ही होगी।

उर्मिला का महान त्याग

लक्ष्मण ने निद्रा देवी से आग्रह किया कि उनके हिस्से की नींद उनकी पत्नी उर्मिला को दे दी जाए। जब निद्रा देवी अयोध्या में उर्मिला के पास पहुंचीं और उन्हें पूरा वृत्तांत सुनाया, तो उर्मिला सहर्ष तैयार हो गईं। उर्मिला 14 वर्षों तक लगातार सोती रहीं। अपनी पत्नी के इसी त्याग के कारण लक्ष्मण बिना सोए जागते रहे। यह भी कहा जाता है कि रावण के पुत्र मेघनाद को वरदान प्राप्त था कि उसे केवल वही व्यक्ति मार सकता है जो 14 वर्षों तक न सोया हो। उर्मिला के त्याग ने ही लक्ष्मण को मेघनाद का वध करने की शक्ति दी।

क्यों खास है यह कहानी?

जहां रामायण में लक्ष्मण के त्याग की चर्चा हर जगह होती है, वहीं उर्मिला का योगदान अक्सर पीछे छूट जाता है। उर्मिला का यह बलिदान पति-पत्नी के अटूट प्रेम और कर्तव्य निष्ठा का प्रतीक है। बिना उर्मिला के सहयोग के, लक्ष्मण के लिए अपना कठिन संकल्प पूरा करना संभव नहीं होता। इसलिए उर्मिला का 14 वर्ष का निद्रा व्रत रामायण के सबसे बड़े बलिदानों में से एक माना जाता है।

क्या आपका घर दक्षिण दिशा की ओर है?

जानें वास्तु अनुसार इसे कैसे बनाएं ऊर्जा से भरपूर

घर हमारे जीवन का वह स्थान है जहाँ न केवल हम विश्राम करते हैं, बल्कि अपने परिवार के सुख-शांति और समृद्धि के लिए आधार भी पाते हैं। वास्तु शास्त्र में घर की दिशा और निर्माण की सही योजना का विशेष महत्व है। दक्षिणमुखी घर को लेकर कई मत हैं, लेकिन सही दिशा और वास्तु के अनुसार इसे सजाना जीवन में संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा ला सकता है। दक्षिणमुखी घर का मुख्य द्वार और कक्ष दक्षिण दिशा की ओर होने पर घर में ऊर्जा का प्रवाह प्रभावित होता है। यह दिशा सूर्य के तीव्र ताप और शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। इस कारण दक्षिणमुखी घर में शक्ति, साहस और नेतृत्व से जुड़े गुण प्रबल होते हैं। हालांकि, अगर घर की रचना सही न हो, तो इसमें ऊर्जाओं का असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार होने पर यह देखा गया है कि घर के भीतर अंधकार और गर्मी का प्रभाव अधिक रहता है।

इसलिए घर के आंगन और प्रवेश द्वार पर हल्के रंगों और प्राकृतिक रोशनी का प्रयोग करना लाभकारी होता है। प्रवेश द्वार को खुला और आकर्षक बनाना चाहिए ताकि सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बाधित न हो। रसोई, बैठक, शयनकक्ष और पूजा कक्ष के स्थान का चयन भी इस दिशा में विशेष ध्यान देने योग्य है। दक्षिणमुखी घर में रसोई को दक्षिण-पश्चिम या दक्षिण दिशा में रखना उचित होता है। इसके विपरीत, शयनकक्ष दक्षिण-पूर्व या पश्चिम दिशा में होना लाभकारी माना जाता है। बैठक को दक्षिण या पश्चिम दिशा में रखने से परिवार में सामंजस्य और सुख का वातावरण बना रहता है।

भगवान विष्णु को क्यों कहते हैं सत्यनारायण, किसने दिया ये नाम?

भगवान विष्णु को सत्यनारायण भी कहा जाता है। हिंदू धर्म में मान्यता रखने वाले लाखों लोगों के घर में सत्यनारायण की कथा आज भी होती है। माना जाता है कि घर में सत्यनारायण की कथा करने से सुख-समृद्धि आपको प्राप्त होती है। सत्यनारायण का पाठ करवाने से विष्णु भगवान के साथ ही माता लक्ष्मी का आशीर्वाद भी आप पाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान विष्णु को सत्यनारायण क्यों कहा जाता है और किसने भगवान विष्णु को सत्यनारायण नाम दिया था। शिव महापुराण में वर्णित है कि ब्रह्मा जी के मन में एक बार यह भाव उत्पन्न हुआ कि सृष्टि की रचना उन्होंने की। यही बात उन्होंने भगवान विष्णु को भी बताई तब विष्णु भगवान ने कहा कि यह आपका भ्रम है सृष्टि की रचना करने वाले भगवान शिव हैं। इस पर ब्रह्मा जी ने बोला कि वो शिव जो कैलाश पर बैठे रहते हैं जिनके नेत्र बंद रहते हैं?

इस पर विष्णु भगवान बोले कि नहीं भगवान शिव तो कण-कण में व्याप्त हैं, जल में थल में हर जगह। तब भगवान ब्रह्मा बोले कि अगर शिव जी हर जगह हैं तो सामने खड़े इस पर्वत को हिलाओ यहां से भी शिव निकलेंगे। जब विष्णु और ब्रह्मा जी ने पर्वत को हिलाया तो उससे एक ज्योतिर्लिंग की आकृति निकली। विष्णु भगवान ने उस लिंग की स्तुति करना प्रारंभ किया, तब उस ज्योतिर्लिंग से आवाज निकली कि सृष्टि की रचनाकर्ता मैं हूं। तब ब्रह्मा जी बोले कि मैं मानने के लिए तैयार हूं, लेकिन मुझे इनका शीश देखना है। तब ब्रह्मा जी बोले कि मैं मानने के लिए तैयार हूं, लेकिन मुझे इनका शीश देखना है। ज्योतिर्लिंग से निकलने वाली आवाज ने कहा कि इस ज्योति रूपी स्तंभ के छोर का जो पता लगाएगा वही श्रेष्ठ होगा। तब वराह रूप धारण करके विष्णु जी स्तंभ के नीचे की ओर गए और ब्रह्मा जी हंस रूप में ऊपर की ओर।

हालांकि भगवान विष्णु जानते थे कि शिव अनादि अनंत हैं और इनके छोर का मिलना असंभव है, इसलिए वो कुछ दूरी तय करके ही वापस लौट आए। हालांकि, ब्रह्मा जी अपनी जिद्द पर अड़े रहे और उन्होंने शीश वाले छोर की तलाश करना जारी रखा। शीश की खोज में एक स्थान पर उन्हें गाय दिखी तो उन्होंने गाय से कहा कि तू मेरे लिए गवाही देना कि मैंने शिव जी का शीश देख लिया है। गाय ने मना किया कि मैं ऐसा नहीं करूंगी तो ब्रह्मा जी ने गाय को प्रलोभन दिया कि अगर तू मेरी बात मानेगी तो हर घर में तेरी पूजा होगी, यह सुनकर गाय गवाही देने के लिए मान गई। जब ब्रह्मा जी लौटने लगे तो गाय ने कहा कि हो सकता है कि कोई मेरी बात न माने इसलिए इस केतकी के फूल को भी गवाह बनाकर साथ ले चलो। केतकी का फूल भी यह गवाही देने के लिए मान गया कि ब्रह्मा जी ने शिव जी का मुख देख लिया है।

इसके बाद जब भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी शिवलिंग के पास पहुंचे तो दोनों ने एक दूसरे से सवाल किया। विष्णु जी बोले कि क्या आपको शिव जी का शीश दिखा? इस पर ब्रह्मा जी ने विष्णु जी से बोला कि पहले आप बताइए आपको चरण दिखे? भगवान विष्णु ने शालीनता से उत्तर दिया कि नहीं मुझे शिवजी के चरण नहीं दिखे। भगवान विष्णु ने अपनी हार स्वीकार कर ली थी। वहीं ब्रह्मा जी ने केतकी के फूल और गाय का सहारा लेकर झूठ बोलने की नाकाम कोशिश की।

ब्रह्मा जी का झूठ सुनकर शिवजी क्रोधित हो गए और गाय और केतकी पर भी उन्हें गुस्सा आया। तब शिव जी ने गाय को श्राप दिया कि तेरा पूरा शरीर पूज्य माना जाएगा लेकिन तेरा मुख अपूज्य होगा, वहीं केतकी के फूल को भगवान शिव ने श्राप दिया कि तुझे कभी मुझ पर नहीं चढ़ाया जाएगा। भगवान ब्रह्मा के झूठ से क्रोधित होकर शिव जी ने अपने नाखून से काल भैरव को अवतरित किया और उसे ब्रह्मा जी का शीश काटने का आदेश दिया। काल भैरव ने ब्रह्मा जी का झूठ बोलने वाला शीश काट दिया।

छह चिंगारियों से पैदा हुए भगवान कार्तिकेय

बड़ी अद्भुत है उनके जन्म की कहानी

भगवान कार्तिकेय को देवताओं का सेनापति माना जाता है। वो देवों के देव महादेव और माता पार्वती के सबसे बड़े पुत्र हैं। मान्यता है कि भगवान कार्तिकेय की पूजा करने से रोग और दरिद्रता दूर होती है। साथ ही शत्रुओं पर विजय मिलती है। इसके अलावा संतान सुख पाने के लिए कार्तिकेय जी की पूजा और स्कंद षष्ठी का व्रत किया जाता है। भगवान कार्तिकेय गणेश जी के भाई हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि कार्तिकेय जी का जन्म क्यों और कैसे हुआ था? अगर नहीं तो चलिए जानते हैं भगवान कार्तिकेय के जन्म की कथा और कुछ रोचक तथ्यों के बारे में

शिव पुराण की कथा के अनुसार

भगवान कार्तिकेय के जन्म को लेकर अलग-अलग कथाएं प्रचलित हैं। जिसमें एक प्रमुख कथा शिव पुराण में है। शिव पुराण की कथा के अनुसार, प्राचीन काल में तारकासुर नाम के एक शक्तिशाली दैत्य ने देवों के देव महादेव की कठोर तपस्या की। उसकी तपस्या से भगवान शिव अति प्रसन्न हुए और उससे वरदान मांगने को कहा। उसने भगवान शिव कहा कि हे भगवन! मुझे वरदान दें कि मेरा अंत सिर्फ आपके पुत्र के हाथों ही हो और कोई मेरा वध न सके। भगवान शिव ने उसे ये वरदान दे दिया। फिर माता पार्वती के सती होने के बाद भगवान शिव उनके वियोग में थे और अंततः वो ध्यान में लीन हो गए। इसी बात का फायदा उठाते हुए तारकासुर ने स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल यानी तीनों लोकों में अतांक मचा दिया।

भगवान शिव के आंखों से निकली चिंगारियां

तारकासुर के अत्याचारों से देवता तक परेशान हो गए। फिर उसके आतंक से बचने के लिए देवताओं ने शिव जी के विवाह की योजना बनाई। देवताओं ने कामदेव को शिव जी के पास भेजा और महादेव के अंदर प्रेम जगाने को कहा। इससे शिव जी अपनी साधना से बाहर आए और माता पार्वती से विवाह किया। विवाह के बाद भगवान शिव ने अपनी तीसरी आंख से छह चिंगारियां निकाली। महादेव की आंखों से निकली चिंगारियों को अग्नि देव ने सरवण नदी के ठंडे जल में डाला। माना जाता है कि इन्हीं छह चिंगारियों से भगवान कार्तिकेय पैदा हुए। यही कारण है कि उनके छह सिर हैं। इसके बाद बड़े होकर भगवान कार्तिकेय ने तारकासुर का अंत किया। इस विजय के बाद सभी देवताओं ने कार्तिकेय जी को देवों का सेनापति बना दिया।

बाणों की शय्या पर 58 दिन तक कैसे जीवित रहे भीष्म?

इस साल भीष्म अष्टमी 26 जनवरी को मनाई जाएगी, जो उनके देह त्याग और तप से जुड़ी मानी जाती है। महाभारत के युद्ध में पितामह भीष्म का शरशय्या पर लेटे रहना केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि तप, योगबल और धर्मनिष्ठा का अद्भुत उदाहरण माना जाता है। अर्जुन के बाणों से आहत होकर भीष्म पितामह ने युद्धभूमि में ही शरशय्या को स्वीकार किया, लेकिन इच्छामृत्यु का वरदान होते हुए भी तुरंत प्राण नहीं त्यागे। शास्त्रों के अनुसार, भीष्म पितामह लगभग 58 दिनों तक बाणों की शय्या पर जीवित रहे और सूर्य के उत्तरायण होने की प्रतीक्षा करते रहे। यह काल केवल शारीरिक पीड़ा सहने का नहीं, बल्कि आत्मसंयम, तपस्या और धर्म की स्थापना का समय भी था।

महाभारत युद्ध के दसवें दिन अर्जुन के बाणों से घायल होकर भीष्म पितामह शरशय्या पर लेट गए थे। उनके शरीर में असंख्य बाण धंसे हुए थे, फिर भी उन्होंने प्राण नहीं त्यागे। इसका प्रमुख कारण उनका इच्छामृत्यु का वरदान और अटल संकल्प था। भीष्म जानते थे कि जीवन और मृत्यु दोनों ही धर्म के अधीन हैं। उन्होंने न तो पीड़ा से विचलित होकर मृत्यु को चुना और न ही अपने वरदान का दुरुपयोग किया। शास्त्रों के अनुसार, शरशय्या पर लेटे रहना उनके लिए तपस्या के समान था, जिसमें उन्होंने शरीर की पीड़ा को सहन कर आत्मबल को सर्वोच्च रखा। यह अवस्था बताती है कि इच्छामृत्यु केवल अधिकार नहीं, बल्कि संयम और साधना की परीक्षा भी है। योगबल और तप से संभव हुआ 58 दिन का जीवन

शास्त्रों में बताया गया है कि पितामह भीष्म योग, प्राण नियंत्रण और तप के महान साधक थे। शरशय्या पर रहते हुए उन्होंने अपनी इंद्रियों और प्राणों को पूर्ण नियंत्रण में रखा। यही कारण था कि गंभीर घावों के बावजूद वे 58 दिनों तक जीवित रह सके। धार्मिक मान्यता के अनुसार, उनका मन पूर्ण रूप से धर्म और मोक्ष पर केंद्रित था, जिससे शरीर पर पीड़ा का प्रभाव कम होता गया। भीष्म ने जल और भोजन भी न्यूनतम रूप में ग्रहण किया और अपनी चेतना को स्थिर बनाए रखा। यह अवस्था सामान्य मानव के लिए असंभव मानी जाती है, लेकिन योगबल और आत्मसंयम से भीष्म ने इसे संभव कर दिखाया।

शरशय्या पर लेटे रहकर धर्म की शिक्षा दी

भीष्म पितामह का शरशय्या पर रहना केवल शारीरिक सहनशीलता का उदाहरण नहीं था, बल्कि धर्म शिक्षा का काल भी था। इसी अवधि में उन्होंने युधिष्ठिर को राजधर्म, आपद्धर्म और मोक्षधर्म का उपदेश दिया। महाभारत के शांति पर्व और अनुशासन पर्व इन्हीं उपदेशों का परिणाम माने जाते हैं। भीष्म ने स्पष्ट किया कि अंतिम समय में भी व्यक्ति समाज को दिशा दे सकता है। शास्त्रों के अनुसार, यह 58 दिन धर्म की स्थापना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहे। शरशय्या उनके लिए तपोभूमि बन गई, जहां उन्होंने ज्ञान, धैर्य और कर्तव्य का सर्वोच्च आदर्श प्रस्तुत किया।

सिख धर्मः शहादत, वीरता और अटूट विश्वास की एक महान विरासत

निस्वार्थ सेवा और निर्भीकता का संदेश

सिख धर्म केवल एक आध्यात्मिक मार्ग नहीं है, यह न्याय, सत्य और धर्म के लिए सर्वोच्च बलिदान की एक अद्वितीय गाथा है। गुरु नानक देव जी द्वारा रोपित समानता और 'एक ओंकार' का वृक्ष शहीदों के रक्त से बार-बार सींचा गया है। इस महान परंपरा के सबसे उज्ज्वल सितारों में नौवें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर जी का स्थान है, जिन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। गुरु तेग बहादुर जी का जन्म 1 अप्रैल 1621 को अमृतसर में छठे गुरु, गुरु हरगोबिंद जी के घर हुआ था। उनका मूल नाम त्यागमल था। मुगलों के विरुद्ध एक युद्ध में दिखाई गई उनकी असाधारण वीरता के कारण उन्हें 'तेग बहादुर' नाम मिला, जिसका अर्थ है 'तलवार का वीर'। अपने पिता के देहांत के बाद, उन्होंने लगभग 26 वर्ष बकाला गांव में आध्यात्मिक एकांत में बिताए, ध्यान और भक्ति में लीन रहे, जिससे उन्हें 'बाबा बकाला' नाम मिला।

1664 में, आठवें गुरु, गुरु हर कृष्ण जी ने संकेत दिया कि उनका उत्तराधिकारी बकाला में मिलेगा, और इस प्रकार यह महान आध्यात्मिक साधक सिखों के नौवें गुरु बने। गुरु पद ग्रहण करने के बाद, गुरु तेग बहादुर जी ने उत्तर भारत में व्यापक यात्राओं के माध्यम से सत्य, करुणा, निस्वार्थ सेवा और निर्भीकता का संदेश सक्रिय रूप से फैलाया। उन्होंने आनंदपुर साहिब नामक पवित्र नगर की स्थापना की, जो बाद में खालसा पंथ का केंद्र बन गया। गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल उनके दिव्य भजन लोगों को भय, अहंकार और आसक्ति का त्याग करने और ईश्वर से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

'हिंद दी चादर'

17वीं शताब्दी में, मुगल सम्राट औरंगजेब ने जबरन धर्मांतरण का एक क्रूर अभियान चलाया, विशेष रूप से कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया। काशी विश्वनाथ जैसे पवित्र हिंदू मंदिरों को नष्ट कर दिया गया, मूर्तियों का अपमान किया गया, और धर्मांतरण से इनकार करने वालों को अत्यधिक यातनाएं दी गईं और मृत्युदंड दिया गया। इन अत्याचारों से व्याकुल होकर कश्मीरी पंडितों का एक प्रतिनिधिमंडल गुरु तेग बहादुर जी से सहायता मांगने पहुंचा। गुरु जी ने उन्हें औरंगजेब को चुनौती देते हुए यह घोषणा करने की सलाह दी, यदि गुरु तेग बहादुर इस्लाम स्वीकार करते हैं, तो हम भी इसे स्वीकार करेंगे। ऐसा करके गुरु तेग बहादुर जी ने भारत की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का दायित्व अपने ऊपर ले लिया।

1675 में गुरु तेग बहादुर जी गिरफ्तार

परिणामस्वरूप, 1675 में गुरु तेग बहादुर जी को गिरफ्तार कर दिल्ली ले जाया गया, जहां उन्हें जबरन धर्म परिवर्तन कराने के लिए उन पर क्रूर यातनाएं दी गईं। उनकी मृत्यु से पहले, तीन समर्पित सिखों-भाई मतिदास, भाई सतीदास और भाई दयाला- को भयावह तरीके से शहीद कर दिया गया। भाई मतिदास को जिंदा आरी से काटा गया, भाई दयाला को उबालकर मार डाला गया और भाई सतीदास को रुई में लपेटकर जिंदा जला दिया गया। इन क्रूर कृत्यों को देखने के बावजूद, गुरु तेग बहादुर जी अडिग रहे।

24 नवंबर 1675 को, औरंगजेब के आदेश पर, दिल्ली के चांदनी चौक में उनका सिर कलम कर दिया गया। गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान केवल सिख धर्म के लिए ही नहीं, बल्कि समस्त भारतीयों की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए था। इसीलिए उन्हें 'हिंद दी चादर' के रूप में पूजा जाता है। उनके वध स्थल पर पवित्र गुरुद्वारा सिस गंज साहिब स्थित है। उनकी शहादत उनके पुत्र और 10वें सिख गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी।

गुरु अर्जन देव जी की शहादत

इस बलिदान की नींव 50 वर्ष पहले पड़ी थी, जब 5वें गुरु, गुरु अर्जन देव जी को मुगल सम्राट जहांगीर ने गिरफ्तार कर लिया और जबरन इस्लाम धर्म अपना लिया। इनकार करने पर गुरु अर्जन देव जी की निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना ने सिख समुदाय को आत्मरक्षा की आवश्यकता के प्रति जागृत किया। परिणामस्वरूप, गुरु हरगोबिंद जी ने 'मीरी और पीरी' के सिद्धांत की शुरुआत की, जो लौकिक और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है, और सिखों को सैन्य शक्ति बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। बाद में, अपने पूर्ववर्तियों के बलिदानों से प्रेरित होकर, गुरु गोविंद सिंह जी ने अत्याचार से लड़ने के लिए 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 27 जनवरी- 2026

केरल की राजनीति में नया मोड़!

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और सीपीएम के दिग्गज नेता वी एस अच्युतानंदन को पद्म विभूषण देने की घोषणा करके मोदी सरकार ने विपक्ष की राजनीतिक गणित को गडबडा दिया है। मोदी के दांव से केरल की सत्ताधारी पार्टी बहुत बड़ी दुविधा में फंस गई लगती है। ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी बड़े कम्युनिस्ट नेता को मरणोपरांत ही सही, देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण मिलने जा रहा है। इसके पहले भी कई कम्युनिस्ट नेताओं को इस तरह के राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित करने का प्रयास किया गया लेकिन, किसी कम्युनिस्ट नेता ने इसे स्वीकार नहीं किया। यह पहली बार होगा कि दिवंगत सीपीएम नेता वीएस अच्युतानंदन को यह सम्मान मिलेगा और सीपीएम के नेता न चाहते हुए भी हाथ पर हाथ धरे एक दूसरे का मुंह ताकने को मजबूर हो जाएंगे। केंद्र में बैठी कम्युनिस्टों की धुर विरोधी बीजेपी सरकार के इस दांव से केरल की राजनीति दिलचस्प मोड़ पर आ गई है। विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हो रहे केरल की राजनीति के लिए यह सबसे अजीब संयोग बन गया है। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार वाले न सिर्फ मोदी सरकार के फैसले से गदगद हैं, बल्कि वीएस अच्युतानंदन की विचारधारा की कट्टर विरोधी विचारधारा वाली सरकार से यह सम्मान लेने के लिए सहर्ष तैयार भी हो गए हैं। वीएस अच्युतानंदन के बेटे वीए अरुण कुमार ने इस बाद की पुष्टि की है वह सम्मान स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। अरुण कुमार ने कहा है, गर्व की बात है कि देश उनके पिता को इस महान सम्मान के काबिल समझा है। हम इसे जरूर स्वीकार करेंगे।' चुनावी साल में यह केरल में सत्ताधारी एलडीएफ की अगुवाई करने वाली सीपीएम के लिए तगडा सियासी झटका माना जा रहा है। केरल की सियासत के लिए इसके कई राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। बता दें कि केंद्र सरकार की ओर से मिलने वाले इस तरह के सम्मान से दूरी बनाए रखने का सीपीएम का पुराना इतिहास रहा है। सीपीएम के तीन-तीन दिग्गज नेता ऐसे सम्मान लेने से इनकार कर चुके हैं। सबसे पहले केरल के पहले मुख्यमंत्री ईएमएस नंबूदरीपाद ने 1992 में पद्म विभूषण लेने से मना कर दिया था। 2008 में चर्चा थी कि सीपीएम के पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े दिग्गज और पूर्व सीएम ज्योति बसु को भारत रत्न दिया जाएगा। तब केंद्र में उनकी पार्टी यूपीए सरकार को समर्थन भी दे रही थी। लेकिन, तब बसु ने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान लेने से साफ मना कर दिया था। बाद में उनके उत्तराधिकारी और बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य ने भी पद्म भूषण का ऑफर यह कहकर ठुकरा दिया कि यह उनकी पार्टी की नीतियों के खिलाफ है। ऐसे हालात के बाद भी केंद्र सरकार ने पद्म पुरस्कार के लिए वीएस अच्युतानंदन के नाम की घोषणा करके सीपीएम को दिन में ही तारे दिखाने की कोशिश की है। पहले की तरह पार्टी अगर सम्मान नहीं लेने की औपचारिक घोषणा करती है तो उसकी राजनीतिक मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। क्योंकि, पार्टी परिवार को ऐसा करने से रोक नहीं सकती। शायद इन परिस्थितियों में सीपीएम के पास चुप रह कर कसमसाने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। जाहिर है बीजेपी इस सम्मान के माध्यम से केरल में अपनी सियासी जमीन और मजबूत करेगी।

गाजा बोर्ड ऑफ पीस पर वैश्विक कशमकश के मायने

कमलेश पाण्डेय

गाजा बोर्ड ऑफ पीस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक महत्वाकांक्षी पहल है जो गाजा संघर्ष को सुलझाने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर शांति स्थापना का एक नया मॉडल प्रस्तुत करती है। चूंकि यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र संघ के पारंपरिक ढांचे से बाहर काम करने का अदद प्रयास है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में नई बहस छिड़ गई है। खासकर वैश्विक कशमकश बढ़ चुकी है, जिसके वैश्विक प्रभाव आने वाले वक्त में महसूस किए जाएंगे।

सवाल है कि आखिर अपनी ही बनाई पुरानी विश्व व्यवस्था की अनदेखी करते हुए अमेरिका बिल्कुल नई तरह की विश्व व्यवस्था क्यों बनाना चाहता है? ब्रेक के बाद वह अपनी ही नीतियों को क्यों बदल देता है। आखिर वह शेष दुनिया को अमेरिकी मुगालते में क्यों रखना चाहता है? आखिर चीन, रूस, भारत, फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे, स्वीडन जैसे कद्दावर देश ऐसे पीस बोर्ड से दूरी क्यों बनाए हुए हैं? खास बात यह कि आखिर गाजा बोर्ड ऑफ पीस के अंतर्राष्ट्रीय मायने क्या हैं? और इसके पीछे के वैश्विक निहितार्थ से किसको क्या फायदा और क्षति होने के कयास लगाये जा रहे हैं? आइए सबसे पहले इस बोर्ड के स्वरूप को जान लेते हैं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 2025 में इसकी शुरुआत की जहां खुद ही वे ही यानी पदेन अमेरिकी राष्ट्रपति इसके प्रमुख होंगे और अन्य सदस्य देश तीन-तीन साल के लिए चुने जाएंगे। वहीं, इसकी स्थायी सदस्यता के लिए 1 अरब डॉलर का योगदान जरूरी है जबकि कार्यकारी बोर्ड में मार्को रुबियो, जेरेड कुशनर जैसे नाम शामिल हैं। यह बोर्ड गाजा के पुनर्निर्माण, प्रशासन और क्षेत्रीय समन्वय पर केंद्रित है।

अलबत्ता, इसके गठन को लेकर जो वैश्विक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं उसमें अमेरिका के पिछलग्गू देश यानी पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, तुर्की, यूएई जैसे 35 से अधिक देशों ने इसमें अपनी भागीदारी की पुष्टि की है जबकि चीन, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताकर खारिज कर दिया है। खास बात यह है कि भारत जैसे अहम वैश्विक खिलाड़ी ने फिलिस्तीन समर्थन और यूएन-आधारित दो-राज्य समाधान की नीति के चलते अभी इस पर चुप्पी साध रखी है।

जहां तक गाजा पीस बोर्ड के भविष्य के निहितार्थ की बात है तो यह बोर्ड यूएनएससी के समानांतर वैकल्पिक तंत्र बन सकता है जो वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। क्योंकि इसे यूएनओ ने 2027 तक सीमित मान्यता दी है, लेकिन रूस-चीन की असहमति से विवाद बढ़ा है। जबकि भारत जैसे उभरते गुटनिरपेक्ष देशों के लिए यह कूटनीतिक संतुलन की परीक्षा की घड़ी है। यही वजह है कि गाजा बोर्ड ऑफ पीस की अंतरराष्ट्रीय वैधता सीमित और विवादास्पद बनी हुई है क्योंकि यह यूएनएससी प्रस्ताव 2803 (2025) से 2027 तक की अस्थायी मंजूरी पर टिकी है। देखा गया कि रूस-चीन जैसे देशों की असहमति से इसकी वैश्विक स्वीकार्यता कमजोर है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून पर सवाल उठाती है। जहां तक इसकी वैधता के आधार की बात है तो यूएनएससी ने इसे गाजा पुनर्निर्माण और विसैन्यीकरण के लिए अंतरिम वैधता प्रदान की, लेकिन यूएनओ के पूर्ण नियंत्रण के बिना। मसलन, बोर्ड को अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व दिया गया, जो फिलिस्तीनी तकनीशियनों की समिति और बहुराष्ट्रीय शांति बल के माध्यम से कार्य करता है। हालांकि, सदस्य चयन और जवाबदेही की कमी से इसकी आलोचना भी हो रही है।

जहां तक गाजा पीस बोर्ड के संभावित प्रभाव की बात है तो यह यूएनओ के समानांतर तंत्र के रूप में यूएनओ की एकाधिकार को चुनौती दे सकता है, खासकर वैश्विक संघर्षों में। वहीं, ट्रंप की आजीवन अध्यक्षता जैसी संरचना से लंबे समय में वैधता संकट गहरा सकता है जबकि भारत जैसे देशों की चुप्पी से बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रासंगिकता पर बहस तेज हो रही है। कहना न होगा कि रूस और चीन का गाजा बोर्ड ऑफ पीस में असहयोग अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को कमजोर करता है, लेकिन बोर्ड की वैधता को पूरी तरह समाप्त नहीं करता। दरअसल यह असहमति बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रासंगिकता पर सवाल उठाती है और वैकल्पिक गठबंधनों को बढ़ावा दे सकती है। जहां तक इस बोर्ड के कानूनी आधार की बात है तो रूस-चीन ने बोर्ड को यूएन चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के तहत शक्ति राजनीति का माध्यम बताकर खारिज किया, जो क्षेत्रीय संप्रभुता के हस्तक्षेप को प्रतिबंधित करता है। यूएनएससी प्रस्ताव 2803 की अस्थायी मंजूरी के बावजूद, इनकी वीटो शक्ति से स्थायी वैधता अवरुद्ध हो सकती है। जहां तक गाजा पीस बोर्ड के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ की बात है तो यह बोर्ड को सॉफ्ट पावर तंत्र तक सीमित रखेगा जहां अमेरिकी प्रभाव वाले देश ही मान्यता देंगे। जबकि लंबे समय में, यह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में चुनौतियां जन्म दे सकता है, जैसे फिलिस्तीन या प्रभावित देशों द्वारा आईसीजे में अपील पहल संभव है। वहीं, भारत जैसे तटस्थ देशों को भी अतिरिक्त कूटनीतिक दबाव झेलना पड़ेगा। देखा जाए तो भारत गाजा बोर्ड ऑफ पीस पर रणनीतिक चुप्पी अपनाए हुए है, जो बहुपक्षीय संस्थाओं को प्राथमिकता और संतुलित कूटनीति को दर्शाता है। भारत का यह रुख फिलिस्तीन समर्थन, इसराइल के साथ मजबूत संबंधों और यूएन सुधारों पर जोर को अधिक संतुलित करता है। दरअसल भारत की चुप्पी के कारण हैं, क्योंकि वह डांवांडोल अमेरिकी कूटनीति पर ज्यादा एतबार नहीं कर सकता है। भारत के साथ अमेरिकी नीतिगत चालबाजी के चलते ही इंडिया ने दावोस 2026 में गाजा बोर्ड ऑफ पीस के लॉन्च में भाग नहीं लिया क्योंकि यह यूएन प्रस्तावों पर आधारित दो-राज्य समाधान से भटकता दिखता है। चूंकि पीएम मोदी ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत जैसे जी-फोर (जी4) देशों के साथ यूएनएससी विस्तार पर फोकस कर रहे हैं, न कि अमेरिकी वैकल्पिक तंत्र पर। इसलिए भी भारत ने इससे दूरी दिखाई है। इसके अलावा, इस बोर्ड में अमेरिकी पिल्ले पाकिस्तान की भागीदारी से भी भारत को क्षेत्रीय संतुलन की चिंता है। इसलिए भारत भविष्य की रणनीति पर बल दे रहा है। अपनी इसी कूटनीति के तहत भारत यूएन सुधारों को आगे बढ़ाते हुए ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करेगा, और गाजा बोर्ड ऑफ पीस को अप्रत्यक्ष रूप से निगरानी में रखेगा। वहीं, यदि यह बोर्ड वैश्विक संघर्षों में विस्तार चाहेगा, तो भारत तटस्थता बनाए रखकर आईसीजे या यूएन मंचों पर सक्रिय हो सकता है। इसप्रकार भारत की यह रणनीतिक स्वायत्तता वाली नीति उसकी लंबी परंपरा को मजबूत करती है। कुलमिलाकर भारत की गाजा बोर्ड ऑफ पीस पर चुप्पी रणनीतिक स्वायत्तता और बहुपक्षीय कूटनीति को मजबूत करने की नीति का हिस्सा है। भारत का यह रुख फिलिस्तीन समर्थन, इसराइल के साथ सैन्य सहयोग और अमेरिकी दबाव से संतुलन बनाए रखने के लिए अपनाया गया है। जहाँ तक ऐतिहासिक फिलिस्तीन नीति की बात है तो भारत ने 1947 से फिलिस्तीन के आत्मनिर्णय और दो-राज्य समाधान का समर्थन किया है, जो यूएन प्रस्तावों पर आधारित है। जबकि ट्रंप का यह बोर्ड यूएन ढांचे से बाहर होने के चलते भारत ने इसका खुला समर्थन टाल दिया, ताकि ग्लोबल साउथ में विश्वसनीयता बनी रहे।

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का स्वैच्छिक योगदान

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के ग्रामीण समाज में महिला सशक्तिकरण, पोषण और स्वास्थ्य काफी हद तक आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर निर्भर करता है। ये वे महिलाएं हैं जो घर-घर जाकर टीकाकरण करती हैं, बच्चों में कुपोषण का पता लगाती हैं, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव में सहायता करती हैं और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कोविड-19 जैसी महामारी में इन्हें अग्रिम पंक्ति के सैनिकों की तरह इस्तेमाल किया गया था, लेकिन आजकल ये महिलाएं सड़कों पर हैं, उनका गंतव्य पश्चिम बंगाल का सियालदह रेलवे स्टेशन या कर्नाटक का फाउंटेन चौक है। उनकी स्थिति भी बेहतर नहीं हैः क्या राष्ट्र के स्वास्थ्य की देखभाल करने वाली इन महिलाओं को श्रमिक का दर्जा नहीं दिया जाएगा?

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़रूरतें असाधारण नहीं हैं; उन्हें न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त है। फिर भी, सरकारें उन्हें औपचारिक श्रम अधिकारों से वंचित रखती हैं और उन्हें स्वयंसेवक या परियोजना कार्यकर्ता कहती हैं। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 तक हुई देशव्यापी हड़तालें इस दीर्घकालिक उपेक्षा की सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक उदाहरण हैं।

सन 1975 में आईसीडीएस और सन 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आंगनवाड़ी योजना और आशा योजना शुरू की गई। इसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण प्रणालियों को सशक्त बनाना था। शुरुआत में, सरकारी खर्च को सीमित करने के लिए स्वैच्छिक प्रणाली अपनाई गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये महिलाएं पूर्णकालिक कामगारों के रूप में कार्यरत हैं। आशा कार्यकर्ता को 1,000 लोगों की देखभाल करनी होती है, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ 40 बच्चों की देखभाल, पोषण वितरण और रिकॉर्ड रखने का काम करती हैं। 2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वैधानिक पदों पर न होने के कारण वे सरकारी कर्मचारी हैं, लेकिन इस फैसले को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि, 2022 के एक फैसले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2013 के आईसीडीएस अधिनियम के अनुसार ग्रेच्युटी का अधिकार दिया गया। बाद में, 2024 में गुजरात उच्च न्यायालय ने समानता के सिद्धांत के आधार पर उन्हें राज्य कर्मचारी के रूप में स्वीकार किया, जबकि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पदोन्नति के मुद्दे पर विचार करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद, केंद्र और राज्य की नीतियां असंगत और अनियमित हैं।

मानदेय का प्रचलन शर्मनाक है। आशा कार्यकर्ताओं को 3,500 से 6,000 के बीच न्यूनतम मानदेय मिलता है, और वह भी प्रोत्साहन राशि पर आधारित है। कर्नाटक में 6,000 का मानदेय निर्धारित है, लेकिन इसका भुगतान आठ-नौ महीने देरी से होता है। आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को औसतन 15,000 मिलते हैं। कोई अवकाश नहीं, कोई परिवहन भत्ता नहीं, उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण नहीं। मातृत्व अवकाश भी बहुत कम हैं, और कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है। चूंकि यह शब्द स्वयंसेवकों पर लागू होता है, इसलिए वे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 और चार नए श्रम कानूनों के दायरे से बाहर हैं। 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन में न्यूनतम मजदूरी के लिए [?]26,000 की सिफारिश अभी तक लागू नहीं की गई है। ईपीएफ और ईएसआई जैसी कोई सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है। सेवानिवृत्ति पेंशन में [?]1,200 की वृद्धि की मांग वर्षों से बनी हुई है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ई-श्रम कार्ड कोई पात्रता प्रदान नहीं करता, बल्कि केवल डेटा एकत्र करता है।विडंबना यह है कि देश में कुपोषण और शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाएं स्वयं ही असुरक्षित हैं। एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 35 प्रतिशत बच्चे बौनेपन के शिकार हैं और शिशु मृत्यु दर प्रति हजार 28 है। आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इन आंकड़ों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड-19 के दौरान 500 से अधिक कर्मचारी शहीद हो गए और मुआवजे की घोषणा भी की गई, लेकिन भुगतान में भारी देरी हुई। मानसिक तनाव, कार्यभार और हरियाणा जैसे राज्यों में 20 प्रतिशत रिक्त पदों के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। यह एक राजनीतिक स्तर की समस्या है जिसे स्वीकार किया गया है। 16 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में सोनिया गांधी ने इस मुद्दे को उठाया था। बजट 2026 में कुछ संकेत दिए गए थे, लेकिन कोई निश्चित और बाध्यकारी निर्णय नहीं लिया गया। यूनियनों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे और अधिक आंदोलन करेंगे।

समाधान ढांचागत होने चाहिए, न कि आधे-अधूरे उपाय। श्रम कानूनों के माध्यम से योजना के तहत कामगारों को कर्मचारी का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसके लिए न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये, पेंशन 10,000 रुपये और ईपीएफ अनिवार्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को कम से कम 50 प्रतिशत मानदेय का भुगतान करना चाहिए और राज्यों को सभी रिक्त पदों को तुरंत भरना चाहिए। अतिरिक्त समय, मातृत्व अवकाश, स्थायी कार्यस्थल, ऑनलाइन प्रशिक्षण और श्रमिक संघों की मान्यता प्रदान की जानी चाहिए। पंचायती राज के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएँ कार्यक्रमों में केवल नाममात्र की हस्तियाँ नहीं हैं; बल्कि लाखों परिवारों की वास्तविक आशा हैं। स्वयंसेवक होने और काम करने के बीच का यह अंतर एक स्पष्ट अन्याय है। गणतंत्र के 77वें वर्ष में, जब भारत वैश्विक नेता होने का दावा करता है, इन महिलाओं के सम्मान का मुद्दा नीतिगत प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिकता का संवैधानिक प्रश्न है।ये प्रदर्शन एक संदेश हैं; न्याय में देरी क्रांति है।आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किसी भी योजना का पूरक नहीं हैं, बल्कि भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्हें स्वयंसेवी कहकर उनके श्रम अधिकारों से वंचित करना सामाजिक न्याय और संवैधानिक समानता का अपमान है। महामारियों, कुपोषण और मातृ मृत्यु दर से देश को बचाने के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ी होने वाली महिलाएं वर्तमान स्थिति में स्वयं असुरक्षित हैं। ये प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि समय कम होता जा रहा है। यदि गणतंत्र को मजबूत करना है तो इन महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अधिकार मिलने चाहिए।

बांग्लादेश संकट का नया अध्याय

आरके जैन

शेख हसीना का भारत से दिया गया पहला सार्वजनिक संबोधन बांग्लादेश की राजनीति में अचानक आए तूफान की तरह सामने आया है। अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन के बाद सत्ता छोड़कर भारत में शरण लेने वाली पूर्व प्रधानमंत्री ने दिल्ली से वर्चुअल माध्यम द्वारा देश को संबोधित किया। निर्वासन के बाद यह उनका सबसे प्रभावशाली और आक्रामक सार्वजनिक वक्तव्य था। इस भाषण में उन्होंने अंतरिम सरकार की वैधता, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति, मानवाधिकारों के हनन और आगामी चुनावों की निष्पक्षता पर सीधे प्रहार किए। यह संबोधन महज राजनीतिक टिप्पणी नहीं रहा, बल्कि उसने बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति, क्षेत्रीय शक्ति संतुलन और भारत बांग्लादेश संबंधों को नए सिरे से बहस के कठघरे में खड़ा कर दिया। हसीना ने अपने भाषण में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर तीखे और सनसनीखेज आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश आज खून से लथपथ है और देश को जानबूझकर अंधेरे की खाई में धकेला जा रहा है। उनके अनुसार मौजूदा शासन में अल्पसंख्यकों पर सुनियोजित हमले हो रहे हैं और महिलाओं के साथ अत्याचार आम बात बन चुकी है। हसीना ने हजारों निर्दोष नागरिकों की गिरफ्तारी का आरोप लगाते हुए इसे दमनकारी शासन की पहचान बताया।

उन्होंने इस हालात को लोकतंत्र की खुली हत्या करार देते हुए जनता से प्रतिरोध और विद्रोह की अपील की, जिससे अवामी लीग समर्थकों में नया जोश और आत्मविश्वास दिखाई देने लगा। यह विस्फोटक भाषण ऐसे समय सामने आया है जब फरवरी 2026 में प्रस्तावित आम चुनाव निकट हैं। चुनावी माहौल में इस तरह का आह्वान राजनीतिक तापमान को तेजी से ऊपर ले गया है। अवामी लीग इसे लोकतांत्रिक संघर्ष के निर्णायक मोड़ के रूप में देख रही है, जबकि विपक्षी दल और अंतरिम सरकार इसे सत्ता में वापसी की सुनियोजित साजिश बता रहे हैं। भाषण के तुरंत बाद बांग्लादेश के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए। सड़कों पर भारत विरोधी नारे गूंजने लगे और छात्र संगठनों ने इसे विदेशी हस्तक्षेप करार दिया। इन घटनाओं ने देश के भीतर अस्थिरता, अविश्वास और राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा कर दिया।ढाका की अंतरिम सरकार ने शेख हसीना के संबोधन पर तीखी और सख्त औपचारिक प्रतिक्रिया दर्ज कराई। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इस भाषण को घृणा फैलाने वाला, उकसाने वाला और अस्थिरता बढ़ाने वाला करार दिया। मंत्रालय का कहना था कि भारत द्वारा ऐसा मंच उपलब्ध कराना अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मानदंडों का गंभीर उल्लंघन है। सरकार ने हसीना को जनसंहार की दोषी और खूनी तानाशाह तक कहने में संकोच नहीं किया। साथ ही भारत से स्पष्ट मांग की गई कि वह उन्हें किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि से रोके। प्रत्यर्पण की पुरानी मांग दोहराते हुए यह चेतावनी भी दी गई कि इस घटना से द्विपक्षीय संबंध गंभीर संकट की ओर बढ़ सकते हैं।भारत की स्थिति इस पूरे विवाद में बेहद नाजुक और कठिन बनकर उभरी है। दिल्ली का आधिकारिक रुख यही रहा है कि शेख हसीना को विशुद्ध रूप से मानवीय आधार पर शरण दी गई है और उनकी राजनीतिक गतिविधियों पर स्पष्ट रोक है। इसके बावजूद बांग्लादेश का आरोप है कि भारत की धरती से ऐसा सार्वजनिक और राजनीतिक रूप से उकसाने वाला भाषण देना विश्वासघात के समान है। इस प्रकरण का असर दशकों से चले आ रहे सहयोग, व्यापार और सुरक्षा संबंधों पर सीधा पड़ सकता है। यह घटना दिखाती है कि शरण और राजनीति के बीच की सीमा कितनी धुंधली, संवेदनशील और जटिल हो चुकी है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस घटनाक्रम की गूंज तेज़ी से सुनाई दे रही है। चीन और पाकिस्तान जैसे देश इसे भारत विरोधी अवसर के रूप में देख रहे हैं और बांग्लादेश में अपनी कूटनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर सकते हैं। अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं और शांतिपूर्ण चुनाव तथा मानवाधिकारों की सुरक्षा की लगातार बात कर रहे हैं। यदि तनाव और बढ़ता है तो दक्षिण एशिया की क्षेत्रीय स्थिरता खतरे में पड़ सकती है। यह विवाद अब केवल दो देशों तक सीमित न रहकर व्यापक भू राजनीतिक संतुलन को चुनौती देने लगा है।

बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति पहले से ही तीव्र उथल पुथल के दौर से गुजर रही है। अंतरिम सरकार पर चुनाव टालने, पक्षपात और दमन के आरोप लगातार गहराते जा रहे हैं। शेख हसीना का भाषण विपक्ष को मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक बढ़त देता दिख रहा है, जबकि सरकार इसे लोकतंत्र के खिलाफ खुला युद्ध बता रही है। बढ़ता सांप्रदायिक तनाव और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा अब अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है। यदि हालात और बिगड़े तो शरणार्थी संकट की आशंका भी प्रबल हो सकती है, जिसका असर पड़ोसी देशों तक फैल सकता है। यह पूरा घटनाक्रम दक्षिण एशियाई कूटनीति के लिए एक गंभीर और समयोचित सबक प्रस्तुत करता है। पड़ोसी देशों में शरण लेने वाले नेताओं की राजनीतिक सक्रियता हमेशा अत्यंत संवेदनशील और जोखिम भरा विषय रही है। भारत को भविष्य में अधिक सतर्कता, स्पष्टता और संतुलन का परिचय देना होगा। वहीं बांग्लादेश को भी संवाद, विश्वास बहाली और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। केवल आरोप प्रत्यारोप से संकट का समाधान संभव नहीं है।

युवाओं को डॉक्टर-इंजीनियर बनने से आगे का सोचना होगा

कंवल रेखी

मेरे पिता आर्मी में थे। द्वितीय विश्व युद्ध में उन्होंने शिरकत की थी। आज के पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित गांव सुखो से बंटवारे के बाद 'दारजी' यानी मेरे पिता अलग-अलग पोस्टिंग्स से होते हुए कानपुर पहुंचे, जहां मेरा बचपन बीता। आर्मी से होने के कारण 'दारजी' की नजर में सफलता के पैमाने मिलिट्री के ही थे। लेकिन मैं शारीरिक तौर पर कमजोर था, कंधे झुके थे, शर्मीला और एक स्पीच-डिफेक्ट से जूझने वाला बच्चा था।

मैं उनकी नजरों में एक निराशा ही था। बचपन में उनके रिजेक्शन ने मुझे झकझोर दिया था, लेकिन फिर मैंने इस बात का पॉजिटिव पहलू देखा और मानने लगा कि उनकी नजरअंदाजी मेरे लिए अच्छी है। मुझ पर अपने दोनों भाइयों की तरह आर्मी जॉइन करने का दबाव नहीं था। उनकी उपेक्षा ने मुझे अपना रास्ता चुनने की आजादी दी। मां को जरूर मुझ पर और गणित के प्रति मेरे रुझान पर भरोसा था।

जब पिता पोस्टिंग पर होते तो घर के बजट का जिम्मा वो मुझे सौंप देतीं। 13 साल की उम्र में मैंने हिंदी मीडियम स्कूल से पढ़ाई की और गणित और विज्ञान में माहिर हो गया। मेरी जिज्ञासाओं ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया।

अच्छी बात यह थी कि उस समय देश में नॉलेज-इकोनॉमी कदम रख रही थी। घर के पास एक वेलफेयर लाइब्रेरी थी, जहां मुझे इतिहास की किताबों से लेकर अमेरिकी पत्रिकाएं पढ़ने की जगह मिली। लाइफ मैगजीन के नए अंक पढ़ता तो एक नई दुनिया में पहुंच जाता, जो मेरे हालात से बिलकुल विपरीत थी- लग्जरी कारें, हवाई जहाज, आलीशान घरों और जुनूनी एस्ट्रॉनॉट्स के कारनामे। ये तस्वीरें आने वाले कल की उम्मीद की नई खिड़कियां थीं, जहां मुझे मेरा सपना दिख रहा था। स्कूलिंग के बाद मेरा सिलेक्शन आईआईटी बॉम्बे में हो गया। लेकिन पिता को लगा मैं एक और बेवकूफी कर रहा हूं। तब उनके कमांडिंग ऑफिसर ने उन्हें बताया कि आईआईटी में सिलेक्शन कितनी बड़ी बात है। उस दिन पहली बार घर लौटकर उन्होंने मुझे शाबाशी दी। मेरा यकीन पक्का हो गया कि तमाम नकारात्मक चुनौतियों, लगातार रिजेक्शन से सामना और ऐसे कई अंधेरों में छिपा एक जादुई, चमकीला सपना जरूर होता है, जिसे आपको खुद खोजना पड़ता है। आईआईटी में मैंने जो सीखा, वो आज तक कायम है- सवाल पूछो, बेसिक्स मजबूत करो और समाधान निकालो। फंडामेंटल्स यानी बेसिक्स पर बार-बार सवाल पूछते रहने की वजह से मेरा निक-नेम फंडा सिंह पड़ गया था। भारतीय मध्यमवर्ग की सोच बहुत साफ है। घर-घर में यही आवाज गूंजती है- डॉक्टर बनो, इंजीनियर बनो। लेकिन कभी कोई माता-पिता यह नहीं कहते- बेटा, उद्यमी बनो। इसके बाद सलाह मिलती है- अच्छी नौकरी पकड़ो, शादी करो, जिम्मेदार बनो। यानी एक लकीर पर चलते रहने को अनुशासन मान लिया जाता है।अनुशासन का मतलब है वही करना जो समाज आपसे उम्मीद करता है। मल्टीनेशनल कंपनी की नौकरी और परिवार द्वारा चुनी गई लड़की से शादी को समझदारी माना जाता है। यही सलाह आपको अपने दिल की आवाज सुनने से रोकती है। उद्यमी बनना इन सब अपेक्षाओं के खिलाफ जाना है। यह रास्ता कठिन है, अकेला है और इसमें किसी से सहानुभूति की उम्मीद मत रखिए। लोग आपको पागल कहेंगे, हंसेंगे। आन्त्रप्रेन्योर को खुद को साबित करना होता है। यह आग भीतर से जलनी चाहिए। बाहर से कोई आपको प्रेरित नहीं करेगा कि आप कठिनाइयों से गुजरें। अगर आप उद्यमी बनना चाहते हैं, तो यह समाज की तय की हुई राह से अलग है। यह कठिन है, लेकिन असली संतोष वहीं पर मिलेगा, जब आप अपनी आवाज सुनेंगे। अनुशासन का मतलब सिर्फ दूसरों की उम्मीदें पूरी करना नहीं, बल्कि अपने सपनों को जीना भी है।

लाचारी का लाइव टेलीकास्ट

डॉ. सुरेश कुमार

'सूखा-पुर' गाँव की ज़मीन में उतनी दरारें नहीं थीं जितनी कि वहाँ के बाशिंदों के नसीब में थीं, लेकिन इस लाचारी का 'ग्लोबल' विज्ञापन करने के लिए सेठ गिरधारी लाल ने इसे एक 'टूरिस्ट डेस्टिनेशन' में बदल दिया था। गाँव के नुक्कड़ पर, जहाँ धूल भी अपनी बदकिस्मती पर रोती थी, आज एक शानदार मंच सजा था क्योंकि शहर के कुछ 'सफेदपोश मसीहा' गरीबी का लाइव साक्षात्कार करने आए थे। सेठ गिरधारी लाल ने रेशमी रुमाल से अपनी मखमली गर्दन पोंछी और कैमरा क्रू को हिदायत दी, देखो भाई, फ्रेम ऐसा लेना कि इनकी पसलियां साफ़-साफ़ दिखाई दें, वरना डोनेशन देने वालों को ये 'यथार्थ' नहीं लगेगा। तभी वहां ताऊ 'ताड़ी' अपनी फटी हुई बंडी और हुक्के के साथ प्रकट हुए। ताऊ ने आते ही मंच पर बिछी कालीन की ओर इशारा करते हुए हरियाणवी में लट्ठ मारा, अरे गिरधारी! यो के ड्रामा मांड राख्या है? तू इन नंग-धड़ंग बालकों ने 'मॉडल' बनाकर अपनी कोठी की नई मंजिल डलवावेगा के? भाई, लाचारी तो मने तेरी लग रही है, जो दूसरे के खाली पेट की फोटो बेच के अपना पेट पाल रहा है। यो गरीबी का उत्सव है या उन लोगों की तेरहवीं, जो अभी मरे भी नहीं? गिरधारी लाल ने चश्मा ठीक किया और बोले, ताऊ, ये 'अवेयरनेस' है। दुनिया को पता चलना चाहिए कि अभाव में भी कितनी चमक होती है। हम तो बस इस 'सड़ांध' को 'सुगंध' बनाकर मार्केट में बेच रहे हैं।

तभी वहां फकीरा राम का आगमन हुआ, जिसकी हड्डियां इतनी अनुभवी थीं कि वे मौसम विभाग से पहले ही बता देती थीं कि आज रात चूल्हा नहीं जलेगा। फकीरा राम को इस 'गरीबी मेले' का मुख्य आकर्षण बनाया गया था क्योंकि वह पिछले तीन दिनों से 'सफलतापूर्वक' भूखा था। फकीरा के गले में एक तख्ती लटकी थी जिस पर लिखा था— 'शुद्ध देसी दरिद्रता'। सेठ गिरधारी लाल ने फकीरा को मंच पर खड़ा किया और माइक थामते हुए बोले, भाइयों, देखिए इस बेबसी को! ये है असली इंडिया! जहाँ भूख सिर्फ एक पेट की जरूरत नहीं, बल्कि एक 'कला' है। ताऊ ताड़ी ने हुक्के का कश खींचते हुए बगल वाले से कहा, सुण भाई, यो फकीरा तो कति 'ऑस्कर' जीतण की तैयारी में है। पर यो गिरधारी बड़ा शातिर है, इसने फकीरा की भूख का भी 'बौद्धिक संपदा अधिकार' ले रखा होगा। अरे मास्टर, तू जो इसे 'बेबसी' कह रहा है, वो असल में तेरी अपनी नियत का दिवालियापन है। फकीरा तो बस एक 'पात्र' है, पर असली विलेन तो तू है जो इसके आंसुओं का भी 'ब्रांड एंबेसडर' बना बैठा है। फकीरा राम ने कांपती आवाज़ में पूछा, साहब, क्या इस भाषण के बाद मुझे दो मुट्ठी दाने मिलेंगे? गिरधारी लाल ने कैमरे की ओर देखते हुए कहा, बेटा, दाने तो सब देते हैं, हम तो तुम्हें 'इंटरनेशनल फेम' दे रहे हैं! दाने खाने से सिर्फ पेट भरता है, पर फेमस होने से 'फंड' मिलता है। दोपहर होते-होते लाचारी का यह तमाशा अपने 'पीक' पर पहुँच गया। मंच पर शहर की एक समाजसेविका मैडम मुक्ता पधारे, जिनके चेहरे पर इतना मेकअप था कि उसे उतारने के लिए भी एक अलग एनजीओ की जरूरत पड़ सकती थी। उन्होंने माइक पकड़ा और गरीबी पर वह 'भावुक' कविता पढ़ी जिसे सुनकर साक्षात अकाल भी आत्महत्या करने को तैयार हो जाए। मैडम मुक्ता बोलीं, गरीब होना कोई पाप नहीं है, यह तो ईश्वर का विशेष वरदान है क्योंकि उनके पास 'मिनिमलिज्म' का ज्ञान होता है! ताऊ ताड़ी ने पीछे से आवाज़ कसी, मैडम जी, यो 'मिनिमलिज्म' के होवे है? के खाली पेट भजन गाणा ही थारी मॉडर्न फिलॉसफी है? यो फकीरा तो कति 'वरदान' से लद गया है, इब इसे थोड़ा सा 'पाप' यानी रोटी भी खिला दो। थारे ये शब्द तो जमाई वैसे हैं जैसे किसी प्यासे को समंदर का नक्शा दिखा के प्यास बुझाने को कहना।

असम और सिक्किम में भी जश्न-ए-गणतंत्र

> राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों ने दिए संदेश

गुवाहाटी/गंगटोक, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर भारत में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर असम और सिक्किम के नेतृत्व ने जनता को कड़े संदेश दिए और भविष्य की योजनाओं पर बात की। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने डिब्रूगढ़ में तिरंगा फहराने के बाद कहा कि अब लोगों को फैसला करना होगा। उन्हें तय करना है कि वे 'वोट बैंक की राजनीति' चाहते हैं या पिछले पांच वर्षों में सरकार की शुरू की गई विकास यात्रा को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीनों में चुनाव हैं। जनता को सोचना होगा कि क्या वे बांग्लादेशी मुसलमानों के सामने झुकना चाहते हैं या प्रगति का साथ देना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने दी चेतावनी

मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि 2027 तक राज्य में पूर्वी बंगाल (बांग्लादेश) के मुसलमानों की आबादी 40 प्रतिशत होने का अनुमान है। राज्य के 12 जिलों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। घुसपैठियों ने करीब 63.58 लाख बीघा जमीन पर कब्जा कर लिया है। सरमा ने कहा कि उनकी सरकार ने अतिक्रमण हटाकर जमीन वापस लेने का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि पहचान सुरक्षित किए बिना विकास अधूरा है।

सरमा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद अब जिला कमिश्नर घुसपैठियों को 24 घंटे के भीतर देश से बाहर भेज सकते हैं। उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि बाल विवाह और बहुविवाह रोकने के लिए कड़े कानून बनाए गए हैं। चाय बागान मजदूरों को जमीन का हक और सुविधाएं दी गई हैं। सरमा ने कहा कि उनकी सरकार लोगों की 'माटी' (जमीन), 'भेटी' (नींव), 'संस्कृति' (संस्कृति) और 'परिचय' (पहचान) की रक्षा करने और भविष्य की पीढ़ी के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आर्थिक मोर्चे पर उन्होंने कहा कि असम अब हिंसा और उग्रवाद से मुक्त होकर तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य जल्द ही सेमीकंडक्टर के नक्शे पर होगा और छह महीने में 'मेड इन असम' चिप्स बनने लगेंगे। सरमा ने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में, राज्य ने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और सामाजिक क्षेत्र सहित सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है, जिससे विकास यात्रा में एक नया मील का पत्थर स्थापित हुआ है। वहीं दूसरी ओर, सिक्किम की राजधानी गंगटोक के पालजोर स्टेडियम में राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने 77वें गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराया। उन्होंने लोगों से संविधान के आदर्शों को बनाए रखने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि एक मजबूत और समृद्ध भारत बनाने के लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों के बलिदान को याद किया और उनकी तारीफ की।

सीएम ने दिया संदेश

सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने भी अपना संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एकता और आत्मविश्वास के साथ सिक्किम एक मॉडल राज्य बनेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य देश की तरक्की में अहम योगदान देता रहेगा।

कबाड़ लॉरियां छोड़ने के बदले मांगी 3.5 लाख की रिश्वत

जीएसटी अधिकारी रंगे हाथों गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम, 26 जनवरी (एजेंसियां)। केरल की सतर्कता एवं भ्रष्टाचार-विरोधी विभाग (वीएसीबी) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने एक अधिकारी को 3.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी अधिकारी ने स्क्रैप (कबाड़) से भरी दो जब्त लॉरियों को छोड़ने के बदले यह रकम मांगी थी।

आरोपी की पहचान

आरोपी का नाम सुमन पीएन है। वह वालयार जीएसटी प्रवर्तन दस्ता में अधिकारी है और पलक्कड़ जिले के कुरुडिक्कड़ का रहने वाला है। सतर्कता ब्यूरो अधिकारियों के मुताबिक, हाल के दिनों में पकड़ी गई यह सबसे बड़ी रिश्वत की रकम में से एक है।

क्या था पूरा मामला?

सतर्कता विभाग के अनुसार, शिकायतकर्ता और उसका दोस्त कबाड़ का कारोबार करते हैं। उनके पास सामान के पक्के बिल थे। वे दो लॉरियों में कबाड़ लेकर पोलाची जा रहे थे। तभी छह जनवरी को जीएसटी टीम ने पलक्कड़ के कुझलमन्नम में उनकी गाड़ियां रोक लीं। बाद में गाड़ियों को वालयार जीएसटी ऑफिस ले जाकर जब्त कर लिया गया।

23 लाख का जुर्माना, फिर मांगी रिश्वत

ड्राइवरों को छोड़ दिया गया और मालिक से संपर्क करने को कहा गया। जब शिकायतकर्ता ने सुमन से संपर्क किया, तो उसने सारे कागज मांगे। कागज सही होने के बाद भी अधिकारी ने कथित तौर पर 23 लाख रुपये का जुर्माना मांग लिया। जब शिकायतकर्ता ने जुर्माना कम करने की विनती की, तो सुमन ने कहा कि चार लाख रुपये की रिश्वत देने पर मामला सुलझ जाएगा।

गणतंत्र दिवस : कर्तव्य पथ पर दिखे पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

इस्तीफे के बाद पहली बार बड़े मंच पर आए नजर

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान सोमवार को कर्तव्य पथ पर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उपस्थिति चर्चा का विषय रही। पिछले साल अपने पद से इस्तीफा देने के बाद से वह सार्वजनिक जीवन में काफी कम सक्रिय थे। इसी वजह से गणतंत्र दिवस परेड में उनकी उपस्थिति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय पर्व के मौके पर वे वीवीआईपी दीर्घा में बैठे दिखाई दिए।

वीवीआईपी गैलरी में मौजूदगी

परेड के दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की आगे वाली लाइन में बैठे हुए दिखाई दिए। उन्होंने गर्मजोशी के साथ अन्य नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान वर्तमान उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और अन्य केंद्रीय मंत्री भी वहां मौजूद थे। धनखड़ ने पूरी परेड देखी और भारत की सांस्कृतिक और सैन्य ताकत की झांकियों पर तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया।

इस्तीफे के बाद पहली बार बड़े मंच पर दिखे

गौरतलब है कि पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने जुलाई 2025 में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से वे राजनीतिक हलचल से दूर थे। उनकी इस सार्वजनिक उपस्थिति ने उन अटकलों पर विराम लगा दिया है जिनमें उनके पूरी तरह से एकांतवास में जाने की बात कही जा रही थी। राजनीतिक विश्लेषक इसे उनकी सार्वजनिक जीवन में वापसी के संकेत के तौर पर देख रहे हैं।

पोल्ट्री फार्म की आड़ में चल रही मेफेड्रोन फैक्ट्री का भंडाफोड़

55 करोड़ की ड्रग्स जब्त-5 आरोपी गिरफ्तार

सतारा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सतारा जिले में ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई सामने आई है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने एक मोबाइल मेफेड्रोन फैक्ट्री का पर्दाफाश करते हुए करीब 55 करोड़ रुपए की प्रतिबंधित ड्रग्स जब्त की है। इस मामले में अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई के मुताबिक, उन्हें गुप्त जानकारी मिली थी जिसके आधार पर कराड तहसील के एक गांव में कार्रवाई की गई।

छापेमारी के दौरान एक ऐसी लैब मिली जो पूरी तरह चालू हालत में थी और मेफेड्रोन बनाने के लिए जरूरी मशीनों व केमिकल्स से लैस थी। जांच में सामने आया कि इस अवैध फैक्ट्री को पोल्ट्री फार्म का रूप देकर छिपाया गया था ताकि किसी को शक न हो। पकड़े जाने से बचने के लिए यह यूनिट बार-बार अपनी लोकेशन बदलती रहती थी। छापे के दौरान अलग-अलग रूपों में मेफेड्रोन बरामद की गई, 11.848 किलो लिक्विड फॉर्म में, 9.326 किलो सेमी-लिक्विड फॉर्म में और 738 ग्राम क्रिस्टल फॉर्म में। इसके अलावा, 71.5 किलो कच्चा माल भी जब्त किया गया, जिससे करीब 15 किलो और मेफेड्रोन तैयार की जा सकती थी।

गणतंत्र दिवस : परेड का मुख्य आकर्षण सेना के रोबोटिक म्यूल

जल्द दुर्गम इलाकों में छिपे आतंकियों का होगा खात्मा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। इस बार कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड का मुख्य आकर्षण सेना के रोबोटिक म्यूल बने। सेना के मुताबिक यह रोबोटिक म्यूल आने वाले दिनों में सैनिकों के लिए कॉम्बैट सपोर्ट की भूमिका भी निभाएंगे। यहां तक कि आतंकियों की घेराबंदी के बाद इनको करीबी लड़ाई में फायर स्पोर्ट के लिए भी तैयार किया जा रहा है। इसके लिए इनको पूरी तरह एआई से एकीकृत करने पर कार्य जारी है।

आने वाले दिनों में यह रोबोटिक म्यूल आतंकरोधी अभियानों में खासकर जम्मू-कश्मीर के दुर्गम और घने जंगल वाले इलाकों में सैनिकों से पहले आगे जाते नजर आएंगे। यह संदिग्ध इलाकों की जांच कर दुश्मन की मौजूदगी की जानकारी देंगे और जरूरत पड़ने पर सैन्य निगरानी में फायरिंग भी करेंगे। यदि कोई आतंकवादी किसी इमारत या कमरे में छुपा है, तो सैनिकों को भेजने के बजाय म्यूल को अंदर भेजा जा सकता है। इसमें लगे 360-डिग्री कैमरे और थर्मल सेंसर अंधेरे या धुएं में भी आतंकी की सटीक स्थिति बता सकते हैं। हालांकि इन रोबोटिक म्यूल्स पर लगी राइफलें पूरी तरह मानवीय नियंत्रण में संचालित होंगी और फायरिंग का अंतिम निर्णय सैनिक ही लेंगे।

सेना के मुताबिक इनका मकसद किसी पैदल सैनिक की जगह लेना नहीं, बल्कि खतरनाक परिस्थितियों में सैनिकों की जान को जोखिम से दूर रखना है। सैन्य भाषा में इनको फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में देखा जा रहा है।

12 से 15 किलो तक रसद व गोला-बारूद उठाने में सक्षम

फिलहाल इनका उपयोग दुर्गम इलाकों में सैनिकों की मदद के लिए किया जा रहा है। यह म्यूल 12 से 15 किलो तक का रसद, गोला-बारूद या मेडिकल किट आदि उठा सकते हैं। यह म्यूल सीढ़ियां चढ़ने, पथरीले पहाड़ों और बर्फीले इलाकों में चलने में माहिर हैं। खास बात यह है कि यह म्यूल -40 डिग्री सेंटिग्रेड की ठंड से लेकर 55 डिग्री की तेज धूप में भी आराम से काम कर सकते हैं। साथ ही इनका उपयोग राहत और बचाव संबंधी कार्य में भी किया जा रहा है।

एआई से एकीकृत होंगे

सेना ने बताया कि वह 2026 और 2027 को नेटवर्किंग और डाटा सेंट्रिसिटी वर्ष के तौर पर मना रही है। इस दौरान बड़े पैमाने पर विभिन्न प्रणालियां एक दूसरे से एकीकृत की जानी हैं। सेना के एक अधिकारी ने कहा कि किसी सैनिक की तरह आतंकी मुठभेड़ में रोबोटिक म्यूल का इस्तेमाल करने से पहले इसको कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पूरी तरह जोड़ना होगा।

रेडियो को नई पहचान देने वाले श्रीधर को पद्मश्री

55 साल की सेवा को मिला राष्ट्रीय सम्मान

कोयंबटूर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने रेडियो ब्रॉडकास्टिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कोयंबटूर के वरिष्ठ रेडियो अधिकारी श्रीधर को 2026 के पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। श्रीधर ने रेडियो ब्रॉडकास्टिंग में 55 वर्षों तक लगातार सेवा दी है और भारतीय रेडियो जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। श्रीधर का करियर ऐसे दौर में शुरू हुआ जब रेडियो जनसंचार का सबसे सशक्त माध्यम था। समय के साथ टेलीविजन और डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बावजूद उन्होंने रेडियो की प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए। उन्होंने श्रोताओं की रुचि को ध्यान में रखते हुए कई नवाचारी और जनहित से जुड़े कार्यक्रमों की शुरुआत की, जिससे रेडियो आम लोगों के जीवन से जुड़ा रहा।

बताया जाता है कि श्रीधर ने अपने कार्यकाल के दौरान न केवल कार्यक्रमों की गुणवत्ता पर ध्यान दिया, बल्कि रेडियो प्रबंधन, तकनीकी सुधार और कंटेंट इनोवेशन में भी अहम भूमिका निभाई। उनका मानना रहा है कि यदि कंटेंट मजबूत और लोगों से जुड़ा हो, तो कोई भी माध्यम कभी पुराना नहीं होता। यही सोच उनके लंबे और सफल करियर की नींव बनी। रिटायरमेंट के बाद भी श्रीधर रेडियो और मीडिया इंडस्ट्री से सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं और नई पीढ़ी के ब्रॉडकास्टर्स को मार्गदर्शन देते रहे हैं।

फेक न्यूज पर अब डिजिटल वॉर एआई के साथ सेना भी तैयार

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना एक ऐसे मोर्चे पर भी लड़ रही थी जो दिखता नहीं था लेकिन असर बेहद गहरा था, फेक न्यूज और दुष्प्रचार का मोर्चा। पाकिस्तान की तरफ से झूठे वीडियो, भ्रामक दावे और डिसइन्फॉर्मेशन सोशल मीडिया पर लगातार फैलाए जा रहे थे। इनका मकसद न सिर्फ भ्रम पैदा करना था, बल्कि सैन्य अभियानों और संस्थानों की साख को भी नुकसान पहुंचाना था। भारतीय सेना और दूसरी एजेंसियों ने मिलकर इस दुष्प्रचार का जवाब दिया। कई सोशल मीडिया हैंडल ब्लॉक किए गए, लेकिन इस लड़ाई में वक्त और संसाधन दोनों लगे।

सेना को मिलने वाला खास सिस्टम

खुद चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान यह स्वीकार कर चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान करीब 15 पर्सेंट वक्त फर्जी और झूठी खबरों का जवाब देने में चला गया। अब फेक न्यूज से निपटने के लिए सेना को जल्द ही एक पूरी तरह स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सिस्टम मिलने वाला है। दुष्प्रचार और फेक न्यूज के बढ़ते खतरे को देखते हुए भारतीय सेना ने भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु के साथ एक एमओयू पर साइन किए हैं। इस एमओयू के तहत सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर फैलने वाली मिसइन्फॉर्मेशन, डिसइन्फॉर्मेशन और भ्रामक कंटेंट की पहचान निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए एक एआई सिस्टम पूरी तरह विकसित किया जाएगा।

सबसे बड़ी चुनौती है फेक न्यूज की पहचान

सेना के अधिकारियों ने कहा कि सूचना के बढ़ते प्रवाह को देखते हुए यह महसूस किया गया कि अब तकनीकी समाधान जरूरी है।फेक न्यूज से लड़ाई की सबसे बड़ी चुनौती उसकी पहचान है। सोशल मीडिया का दायरा इतना बड़ा और तेज है कि मैन्युअल तरीके से यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि कहां और किस तरह की गलत जानकारी फैलाई जा रही है। इसके अलावा किसी विदेशी सिस्टम के इस्तेमाल से डेटा और सूचना के कॉम्प्रोमाइज होने का खतरा भी बना रहता है।

चुनौतियों से निपटने के लिए प्लान की जरूरत

इन चुनौतियों से निपटने के लिए पूरा प्लान बनाने की जरूरत और भी ज्यादा गभीर हो गई थी यही वजह है कि सेना ने पूरी तरह स्वदेशी समाधान पर भरोसा जताया है।

गोदाम में लगी भीषण आग, तीन लोगों की मौत-अभी भी कई लापता

कोलकाता, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने सोमवार को पुष्टि की कि कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके में स्थित आनंदपुर के एक गोदाम में भीषण आग लग गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग अभी भी लापता हैं। पुलिस के मुताबिक, सोमवार तड़के करीब 3 बजे ड्राई फूड गोदाम में लगी आग को बुझाने में लगभग 15 फायर ब्रिगेड की टीम जुटी है। दूसरों की तलाश अभी भी जारी है। आग पर आंशिक रूप से काबू पाने के बाद फायर फाइटर्स गैस कटर लेकर बिल्डिंग में घुसे। आनंदपुर के नजीराबाद में इस गोदाम में मुख्य रूप से सूखा, पैकेट वाला खाना और सॉफ्ट ड्रिंक्स की बोतलें रखी थीं। दमकल विभाग के अनुसार, आग पास के दो गोदामों में फैल गई और लगभग सब कुछ जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग को सोमवार तड़के आग लगने की सूचना मिली। गोदाम एक संकरी गली में होने के कारण फायर ब्रिगेड की टीम को आग बुझाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा, क्योंकि लंबी पाइप के बिना पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही थी, जिससे स्थिति को कंट्रोल में लाने में देरी हुई।

घनसाली के पूर्व विधायक बलवीर सिंह नेगी का निधन, राजनीतिक जगत में शोक की लहर

टिहरी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में घनसाली विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक बलवीर सिंह नेगी का 77 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने देहरादून स्थित कैलाश अस्पताल में उपचार के दौरान अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से घनसाली क्षेत्र सहित पूरे उत्तराखंड के राजनीतिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई है। बलवीर सिंह नेगी एक अनुभवी और बहुचर्चित राजनीतिक व्यक्तित्व रहे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत उत्तर प्रदेश के दौर में की। वर्ष 1988 में वे जनता दल के टिकट पर पहली बार विधायक बने और लगभग 11 माह तक विधानसभा सदस्य रहे। इसके बाद उत्तराखंड राज्य गठन के बाद भी वे सक्रिय राजनीति में बने रहे। वर्ष 2002 में उन्होंने (एनसीपी) से चुनाव जीतकर घनसाली से विधायक बनने का गौरव प्राप्त किया। इसके बाद वर्ष 2007 में वे कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए।

एक किडनैपिंग से खुला 400 करोड़ की डकैती का राज

नोटों से भरे ट्रक लूटे, क्यों उलझी 2 राज्यों की पुलिस?

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अगर सच है तो यह देश की सबसे बड़ी डकैती है। 2 ट्रकों में भरकर 2-2 हजार के नोट जा रहे थे, जिनकी कीमत थी करीब 400 करोड़। लेकिन ये खजाना दो राज्यों की सीमाओं के बीच रास्ते से ही गायब हो गया। 3 महीने बीत जाने के बाद भी ये मामला सुलझ नहीं पा रहा है। महाराष्ट्र पुलिस जहां इसे अलग नजरिए से देख रही है तो वहीं कर्नाटक पुलिस अब तक एफआईआर दर्ज करने को ही तैयार नहीं है।

अब यह समझ नहीं आ रहा है कि लूट की कहानी हकीकत है या बस कहानी। यही नहीं कुछ का यह कहना है कि मामला 2-2 हजार के पुराने नोटों का है, जो अब बंद हो चुके हैं तो कोई मामला नहीं बनेगा। जबकि कुछ लोगों को शक है कि यह रकम किसी नेता की हो सकती है। इतने सारे सवाल एक लूट पर खड़े हैं, ऐसे में मामले को समझने के लिए आपको शुरू से इस कहानी के भीतर जाना होगा।

क्या है ये फिल्मी कहानी

मामला 16 अक्टूबर, 2025 का है। हालांकि खुलासा कुछ ही दिन पहले हुआ। कहा जा रहा है कि 2-2 हजार के नोटों से भरे दो ट्रक गोवा से कर्नाटक होते हुए महाराष्ट्र की ओर रवाना हुए। लेकिन रास्ते में कर्नाटक और महाराष्ट्र के बॉर्डर पर चोरला घाट के जंगलों में अज्ञात लोगों ने इसे लूट लिया। कहा जा रहा है कि 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी थी।

पुलिस तक कैसे पहुंचा मामला

लूट अक्टूबर की है, लेकिन इस मामले को बाहर आते-आते 3 महीने से ज्यादा का टाइम लग गया। नासिक के एक कारोबारी संदीप पाटिल ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि 4 लोगों ने उसका अपहरण किया। अपहरण करने वालों ने उसे बार-बार टॉर्चर किया और 400 करोड़ की लूट के बारे में पूछताछ की। बाद में उसे छोड़ दिया। ये किडनैपर संदीप पाटिल से अपना हिस्सा मांग रहे थे। इस शिकायत के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली और जांच शुरू कर दी।

नासिक पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। यह कथित लूट बेलगावी में हुई है, इसलिए नासिक पुलिस ने कर्नाटक पुलिस से मदद मांगी है। कर्नाटक पुलिस इस जांच में शामिल तो हो गई है, लेकिन अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। कर्नाटक पुलिस का कहना है कि 400 करोड़ की लूट की बात सुनी-सुनाई कहानी है।

ट्रम्प की टैरिफ धमकी पर झुके कनाडाई पीएम

कार्नी बोले– चीन के करीब नहीं जा रहे, हमारे बीच कोई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट नहीं

ओटावा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोमवार को कहा है कि उनकी सरकार चीन के साथ किसी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर काम नहीं कर रही है और न ही इसका कोई इरादा है।

इससे एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने धमकी देते हुए कहा था कि अगर कनाडा चीन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करता है तो कनाडाई सामानों पर 100% टैरिफ लगा दिया जाएगा।

कार्नी ने कहा, हम कनाडा-अमेरिका-मेक्सिको समझौता (सीयूएसएमए) के तहत हम किसी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने से पहले सूचना देंगे। हमारा चीन या किसी दूसरे ऐसे देश के साथ ऐसा ट्रेड करने का कोई इरादा नहीं है।

ट्रम्प की चेतावनी- कनाडा को सालभर में ही चीन खा जाएगा

ट्रम्प ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक के बाद एक पोस्ट में कनाडा को चेतावनी दी थी कि अगर वह चीन के साथ गहरा व्यापार संबंध बढ़ाता है तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। ट्रम्प ने कहा कि अगर कार्नी ये सोचते हैं कि वे कनाडा को चीन का ऐसा रास्ता बना देंगे जहां से चीन अपना सामान अमेरिका भेज सके तो वे गलत हैं।

ट्रम्प ने कहा कि चीन, कनाडा को पूरी तरह नुकसान पहुंचा देगा। चीन, कनाडा के कारोबार, समाज और जीवनशैली को खत्म कर देगा और देश को पूरी तरह निगल जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कहा कि अगर कनाडा ने चीन के साथ कोई समझौता किया, तो अमेरिका तुरंत कनाडा से आने वाले सभी सामानों पर 100% टैरिफ लगा देगा।

ट्रम्प ने शुक्रवार को भी कहा था कि चीन, कनाडा को एक साल के अंदर ही खा जाएगा। दरअसल, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ट्रम्प के 'गोल्डन डोम' मिसाइल प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प इससे नाराज हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि कनाडा हमारे बजाय चीन से दोस्ती बढ़ा रहा, जो उन्हें पहले ही साल में बर्बाद कर देगा। कनाडा पर आरोप लगाते हुए ट्रम्प ने कहा कि वह नॉर्थ अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा है।

कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 13 जनवरी से 17 जनवरी तक चीन की यात्रा की और वहां व्यापार समझौते किए। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प इससे नाराज बताए जा रहे हैं।

करीब एक साल पहले कार्नी खुद चीन को कनाडा के सामने "सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा" बता चुके थे, लेकिन एक साल बाद हालात बदल चुके हैं। चीन दौरे पर उन्होंने कई अहम करार किए हैं। इसमें कनाडा, चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों (ईवी) पर लगाए गए टैरिफ को कम करेगा।

कनाडा ने 2024 में अमेरिका के साथ मिलकर चीनी गाड़ियों पर 100% टैरिफ लगाया था। अब नए समझौते के तहत इस टैरिफ को घटाकर 6.1% किया जा रहा है। हालांकि यह हर साल 49 हजार इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर लागू होगा। 5 साल में इसे बढ़ाकर 70 हजार तक किया जा सकता है।

इसके बदले में चीन, कनाडा के कुछ अहम कृषि उत्पादों पर लगाए गए जवाबी टैरिफ को घटाएगा।

वेंस की वजह से नहीं हो पाई भारत-अमेरिका ट्रेड डील

यूएस सांसद की ऑडियो रिकॉर्डिंग लीक, ट्रम्प को भी जिम्मेदार ठहराया

वॉशिंगटन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की वजह से भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील नहीं हो पाई। यह दावा अमेरिका के रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज ने किया है। क्रूज की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग लीक हुई है।

यह सीक्रेट रिकॉर्डिंग अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सिओस को मिली हैं। रिकॉर्डिंग में क्रूज ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को भी कभी-कभी डील में देरी के लिए जिम्मेदार बताया है।

ये बातचीत 2025 के मध्य में दानदाताओं के साथ निजी बैठकों के दौरान की गई थी। रिकॉर्डिंग में क्रूज कहते हैं कि भारत के साथ व्यापार समझौते को लेकर व्हाइट हाउस के भीतर विरोध रहा।

जब दानदाताओं ने पूछा कि डील में सबसे ज्यादा अड़चन कौन डाल रहा है, तो क्रूज ने व्हाइट हाउस के ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और कभी-कभी ट्रम्प का नाम लिया।

रिकॉर्डिंग में क्रूज ने कहा कि अप्रैल 2025 में लागू किए गए ट्रम्प के टैरिफ अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर सकते हैं।

क्रूज के मुताबिक, टैरिफ लागू होने के बाद उन्होंने और कुछ अन्य सीनेटरों ने ट्रम्प से देर रात तक चली फोन कॉल में फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा, लेकिन बातचीत ठीक नहीं रही।

क्रूज ने दावा किया कि उन्होंने राष्ट्रपति को चेताया था कि अगर नवंबर 2026 तक किराना सामान की कीमतें 10 से 20% बढ़ गईं, तो रिपब्लिकन पार्टी को चुनावों में भारी नुकसान होगा।

क्रूज ने ट्रम्प से कहा- "आप हाउस हारेंगे, सीनेट हारेंगे और अगले दो साल हर हफ्ते महाभियोग झेलेंगे।"

इसके जवाब में ट्रम्प ने कथित तौर पर कहा, "दफा हो जाओ, टेड।"

रिकॉर्डिंग से रिपब्लिकन पार्टी के भीतर पारंपरिक फ्री ट्रेड समर्थकों और 'अमेरिका फर्स्ट' धड़े के नेताओं के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं।

क्रूज ने वेंस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे कंजर्वेटिव कमेंटेटर टकर कार्लसन के प्रभाव में हैं। ये मतभेद सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं, बल्कि विदेश नीति और अहम नियुक्तियों तक फैले हुए हैं।

हालांकि ऑडियो लीक के बावजूद, सार्वजनिक तौर पर क्रूज और व्हाइट हाउस दोनों ही पार्टी एकता पर जोर दे रहे हैं। क्रूज के प्रवक्ता ने कहा कि सीनेटर प्रशासन के मजबूत सहयोगी हैं और साझा लक्ष्यों पर काम कर रहे हैं।

इससे पहले अमेरिकी कॉमर्स मिनिस्टर हॉवर्ड लुटनिक ने दावा किया था कि पीएम मोदी ने ट्रम्प को कॉल नहीं किया, इसकी वजह से भारत के साथ ट्रेड डील नहीं हुई। 8 जनवरी को एक पॉडकास्ट में लुटनिक ने ये बात कही थी।

लुटनिक ने कहा था कि "भारत के साथ ट्रेड डील लगभग पूरी हो चुकी थी। भारत को बातचीत फाइनल करने के लिए 'तीन शुक्रवार' का समय दिया गया था। ट्रम्प खुद इसे क्लोज करना चाहते थे। इसके लिए बस मोदी को राष्ट्रपति को कॉल करना था।

मेक्सिको में फुटबॉल मैदान पर हमला

अंधाधुंध गोलीबारी कर 11 लोगों को उतारा मौत के घाट, 12 घायल

मेक्सिको सिटी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मेक्सिको के गुआनाजुआतो में खेल मैदान पर हमला करते हुए बंदूकधारियों ने कम से कम 11 लोगों की हत्या कर दी है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार को सेंट्रल मेक्सिको के सलामंका में एक फुटबॉल मैदान पर बंदूकधारियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। इस घटना में 11 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है जबकि 12 घायल हैं। घायलों का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें से कई की हालत गंभीर बताई गई है।

सलामंका के मेयर सीजर प्रीटो ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि बंदूकधारी फुटबॉल मैच खत्म होने के बाद आए थे। उन्होंने भीड़ पर गोली बरसाई। इससे 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक शख्स की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। मेयर ने बताया कि घायलों में एक महिला और एक नाबालिग भी शामिल हैं।

प्रीटो ने कहा कि यह हमला शहर में बढ़ी अपराध की लहर का हिस्सा है। उन्होंने हिंसा को कंट्रोल करने के लिए राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम से मदद की अपील की। मेयर ने कहा है कि दुर्भाग्य स कुछ आपराधिक ग्रुप अधिकारियों को अपने काबू में करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं होंगे।

गुआनाजुआतो राज्य के प्रॉसिक्यूटर के ऑफिस ने अपने बयान में कहा है कि वे घटना की जांच कर रहे हैं। इलाके में सुरक्षा बढ़ाने के लिए फेडरल अधिकारियों से संपर्क किया गया है। बयान में कहा गया है कि अभी घटना के बारे में ज्यादा कुछ कहना जल्दीबादी होगा। जांच के बाद चीजें साफ होंगी

गोलीबारी के मामले लगातार बढ़ रहे

गुआनाजुआतो में अपराध एक बड़ी समस्या रही है। मेक्सिको में बीते साल सबसे ज्यादा हत्याएं इसी क्षेत्र में हुई थीं। इसमें खासतौर से एक लोकल गैंग सांता रोजा डी लीमा का नाम उभरता रहा है। यह ताकतवर जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल से लड़ रहा है।

मेक्सिको सरकार का कहना है कि अपराध नियंत्रण पर काम किया जा रहा है। देश में 2025 में हत्या दर 2016 के बाद से सबसे कम रही। यह प्रति 100,000 निवासियों पर 17.5 हत्याएं थीं। हालांकि एनालिस्ट्स ने चेतावनी दी कि ये आंकड़े देश में हिंसा की पूरी तस्वीर नहीं दिखा सकते हैं।

बांग्लादेश में टेक्सटाइल मालिकों की फैक्ट्रियां बंद करने की धमकी

ढाका, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री गंभीर संकट से गुजर रही है। टेक्सटाइल मिल मालिकों ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार जनवरी के अंत तक यार्न (धागे) के ड्यूटी-फ्री इंपोर्ट को खत्म नहीं करती, तो 1 फरवरी से देशभर की मिलों में काम बंद कर दिया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के कॉमर्स मंत्रालय ने नेशनल रेवन्यू बोर्ड को इंपोर्टेड यार्न पर ड्यूटी-फ्री सुविधा खत्म करने की सिफारिश की है। मिल मालिकों का कहना है कि भारत से आने वाला सस्ता धागा घरेलू बाजार में भर गया है, जिससे 12,000 करोड़ रुपये से अधिक का स्टॉक बिना बिका रह गया है।

बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन ने कहा है कि यह कदम उठाना मजबूरी है, क्योंकि आयातित सस्ता धागा स्थानीय उद्योग को बर्बाद कर रहा है। 50 से अधिक कपड़ा मिलें पहले ही बंद हो चुकी हैं, जिससे हजारों श्रमिक बेरोजगार हो गए हैं।

वित्तीय दबाव बढ़ने के साथ-साथ मिल मालिक ऋण चुकाने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। इससे लोकल इंडस्ट्री को नुकसान हो रहा है। बराबरी की प्रतिस्पर्धा खत्म हो गई है। मिल बंद होने से 10 लाख नौकरियां जाना का खतरा है।

कई सालों से बांग्लादेश के गारमेंट निर्माता भारत से कॉटन यार्न और चीन से पॉलिएस्टर यार्न का इंपोर्ट करते रहे हैं।

ईरानी मिसाइल बनाम अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर

युद्ध हुआ तो अमेरिका को कितना नुकसान पहुंचा पाएगा ईरान?

तेहरान/वॉशिंगटन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका का एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन के गल्फ ऑफ ओमान में पहुंचने की रिपोर्ट है। इसके अलावा ईरान पर संभावित हमले के बीच अमेरिका के थाड एयर डिफेंस सिस्टम खाड़ी के कई देशों में एक्टिव मोड पर जा चुके हैं। आशंका तेज हो चुकी है कि अमेरिका, ईरान पर हमला कर सकता है। वहीं, ईरान के सुप्रीम लीडर अमेरिका के संभावित हमले के बीच अंडरग्राउंड हो चुके हैं, जबकि ईरानी सुरक्षा बलों ने कहा है कि अगर अमेरिका हमला करता है, तो उसके विनाशकारी परिणाम होंगे। ईरान ने हमले की स्थिति में 'ऑल ऑउट वॉर' की चेतावनी दी है।

ईरान के पास मिडिल ईस्ट में सबसे बड़ा मिसाइल जखीरा है। विभिन्न स्रोतों का अनुमान है कि ईरान के पास करीब 3,000 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलें हो सकती हैं। ईरान की रणनीति दुश्मनों पर एक साथ दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलों के लॉन्च करने की रही है, ताकि एयर डिफेंस सिस्टम को चकमा दिया जा सके।

ईरान ने ऐसा इजराल के खिलाफ किया था। पिछले साल जून में हुए युद्ध में ईरान ने करीब 555 एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थी, जिनमें से 45 मिसाइलें इजरायल पर गिरी थीं। हालांकि इजरायल ने 500 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों का रोका, फिर भी 45 मिसाइलों का प्रभाव खतरनाक रहा। ईरान के सेज्जिल और घद्र नाम की मिसाइलें पूरे मिडिल ईस्ट में कहीं भी मार करने में सक्षम हैं।

ईरान कर पाएगा अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर पर हमला?

अमेरिका का एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन, परमाणु ऊर्जा से ऑपरेट होता है और इसे एक तरह से किला कहा जाता है! इस एयरक्राफ्ट कैरियर के साथ पूरा कैरियर स्ट्राइक ग्रप है, जिनमें अर्ले बर्क-क्लास डिस्ट्रॉयर शामिल हैं।

एक अकेला अर्ले बर्क-क्लास डिस्ट्रॉयर 90 से ज्यादा वर्टिकल लॉन्च सेल ले जा सकता है जो कई तरह के हथियार फायर करने में सक्षम हैं। ये युद्धपोत मोबाइल मिसाइल बैटरी के रूप में काम करते हैं, जो एयर डिफेंस और जमीन पर हमला करने वाले मिशन के बीच आसानी से स्विच करते हैं। अमेरिकी नौसेना दुनिया भर में ऐसे लगभग 70 आधुनिक डिस्ट्रॉयर ऑपरेट करती है।

यूएई ने पाकिस्तान से इस्लामाबाद एयरपोर्ट ऑपरेशन डील तोड़ी

राष्ट्रपति नाहयान के भारत दौरे के बाद फैसला शहबाज सरकार बोली– कभी ऐसी डील नहीं हुई

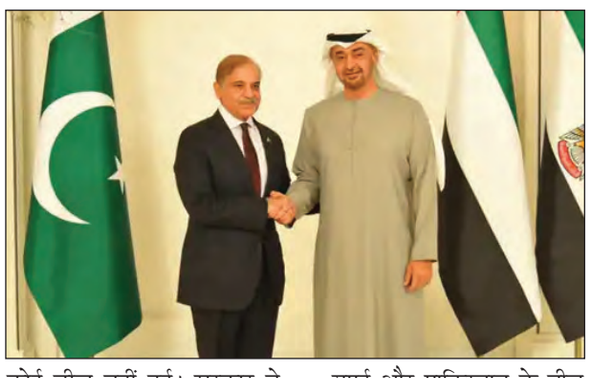

इस्लामाबाद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने पाकिस्तानी में इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ऑपरेशन यानी संचालन की डील को खत्म कर दिया है। पाकिस्तानी अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने इसको लेकर जानकारी दी है।

इसे यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की भारत की अचानक हुई यात्रा से जोड़कर देखा जा रहा है।

नाहयान 19 जनवरी को भारत दौरे पर आए थे। उनकी यात्रा का ऐलान सिर्फ 1 दिन पहले 18 जनवरी को हुआ था।

वहीं, पाकिस्तान ने शनिवार को कहा कि यूएई के साथ इस्लामाबाद एयरपोर्ट को लीज पर देने या चलाने को लेकर कभी कोई डील नहीं हुई। सरकार ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को भ्रामक बताया, जिनमें कहा गया था कि पाकिस्तान ने यूएई के साथ प्रस्तावित समझौता रद्द कर दिया है।

यूएई और पाकिस्तान के बीच अगस्त 2025 में इस्लामाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन को यूएई के हवाले करने पर प्रारंभिक बातचीत शुरू हुई थी। उस समय दोनों पक्ष यह योजना तैयार कर रहे थे कि यूएई की एक कंपनी या संस्था इस्लामाबाद एयरपोर्ट का प्रबंधन और संचालन संभालेगी।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम पाकिस्तान की आर्थिक चुनौतियों और विदेशी निवेश आकर्षित करने की कोशिशों का हिस्सा माना जा रहा था, क्योंकि पाकिस्तान की उड्डयन (एविएशन) सेक्टर लंबे समय से घाटे में चल रही है और उसे सुधारने की जरूरत थी।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने तब यह भी कहा था कि यूएई की एयरलाइंस और ऑपरेशनल एक्सपर्टीज इस्लामाबाद एयरपोर्ट की सर्विस में सुधार ला सकती है।

अमेरिका में बर्फीले तूफान से 10 लाख घर अंधेरे में

13 लोगों की मौत, 18 हजार से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल, 20 राज्यों में इमरजेंसी घोषित

वाशिंगटन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में रविवार को बर्फीले तूफान ने देशभर में हालात बिगाड़ दिए है। लगभग 10 लाख घरों में बिजली गुल है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 राज्यों और राजधानी वाशिंगटन डीसी में इमरजेंसी घोषित कर दिया है।

नेशनल वेदर सर्विस (एनडब्ल्यूएस) के मुताबिक, तूफान लगभग 3,220 किलोमीटर के एरिया में फैला है। करीब 21 करोड़ यानी दो-तिहाई अमेरिकी इस तूफान की चपेट में है। डेली मेल के मुताबिक न्यूयॉर्क समेत देशभर में अब तक 13 लोगों के मौत की खबर है।

फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार से अब तक 31,000 से अधिक उड़ानें बाधित हो चुकी हैं। 18,000 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। वहीं, रविवार को 10,800 से अधिक उड़ानें रद्द हुई हैं। एक्स्पर्ट्स का कहना है कि फ्लाइट कैंसिल और देरी की समस्या कई दिनों तक बनी रह सकती है। एयरलाइंस ने सोमवार के लिए देश भर में 2,300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं। अमेरिका का टेनेसी सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यहां रविवार दोपहर तक लगभग 3.37 लाख घरों और व्यवसायों में बिजली नहीं थी। लुइसियाना और मिसिसिपी में 1 लाख से ज्यादा घरों में बिजली नहीं थी। केंटकी, जॉर्जिया, अलबामा और वेस्ट वर्जीनिया में भी लाखों घर बिजली के बिना है। बर्फ और बर्फीली बारिश से पेड़ और पावर लाइन टूट गए। टिप्पाह इलेक्ट्रिक पावर ने बताया कि नुकसान बड़ा है। वापस बिजली सप्लाई शुरू करने में कई सप्ताह लग सकते हैं। टेनेसी वैली अथॉरिटी ने कहा कि मुख्य पावर सिस्टम स्थिर है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में बिजली दिक्कत जारी है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 राज्यों में इमरजेंसी घोषित किया है। फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने कई राज्यों में जरूरी सामान, स्टाफ और सर्च एंड रेस्क्यू टीमों को तैनात किया है।

चीनी जनरल पर अमेरिका को न्यूक्लियर सीक्रेट बेचने के आरोप

बीजिंग, 26 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) के वाइस चेयरमैन झांग यूक्सिया के खिलाफ जांच शुरू हो गई है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक उन पर चीन के न्यूक्लियर हथियार से जुड़ी सीक्रेट जानकारी अमेरिका को लीक करने का आरोप है। झांग को 24 जनवरी को पद से हटाया गया था। चीनी रक्षा मंत्रालय ने उन पर अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। झांग पर सीएमसी के अंदर अपनी अलग गुटबाजी करने और पार्टी में फूट डालने का भी आरोप है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन नेशनल न्यूक्लियर कॉर्पोरेशन के पूर्व जनरल मैनेजर गु जून ने झांग के खिलाफ कुछ सबूत दिए हैं। गु जून पर भी कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ अपराधों के लिए जांच चल रही है।

जिनपिंग को 2023 में तीसरी बार राष्ट्रपति बनाने में जनरल झांग ने मदद की थी, लेकिन फिर उनके जिनपिंग से मतभेद गहरे होते गए। अब तक झांग ही पीएलए में बड़े फैसले ले रहे थे।

जनरल झांग और सीएमसी के एक और जनरल लियू कई महीनों से कम्युनिस्ट पार्टी की बैठकों से गायब रहने लगे। झांग पहले भी कई बार गायब हो चुके थे। चीन में ऐसा तब होता है, जब किसी ऑफिसर को हटाया जाना होता है या उसकी जिनपिंग से वफादारी पर संदेह खड़ा होता है।

राजदूत विनय कुमार बोले- 2030 तक 100 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य के लिए आगे बढ़ रहे भारत और रूस

मॉस्को, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और रूस आत्मविश्वास के साथ 2030 तक 100 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को हासिल करने की ओर बढ़ रहे हैं। दोनों देशों की ओर से व्यापार को बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। राजदूत विनय कुमार ने सोमवार को यह बात कही। राजदूत विनय कुमार ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, पिछला साल खास रहा। राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन का हमारे यहां बहुत सफल दौरा हुआ। 2030 तक सौ अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को हासिल करना पूरी तरह संभव है। कुमार ने यह बात देश के 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर कही। उन्होंने आगे कहा, इसके लिए नए उत्पादों की पहचान सहित कदम उठाए जा रहे है। उन्होंने कहा, एक मुक्त व्यापार समझौता इस लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि उर्वरक, कृषि और इंजीनियरिंग में नये अवसरों के कारण व्यापार में वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत-रूस द्विपक्षीय व्यापार करीब 68.7 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा, जिसका कारण रूसी कच्चे तेल का भारी आयात है। राजदूत ने कहा, अधिकतर व्यापार पहले ही राष्ट्रीय मुद्राओं में किया जा रहा है और जैसे-जैसे हम व्यापार और आर्थिक संबंधों को और गहरा करेंगे, यह प्रवृत्ति जारी रहेगी। इससे पहले राजदूत विनय कुमार ने गणतंत्र दिवस पर बड़ी संख्या में दूतावास परिसर में एकत्र भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नई दिल्ली और मॉस्को के बीच द्विपक्षीय संबंध अब बहुत सक्रिय हैं और इनसे अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। पिछले महीने पुतिन ने नई दिल्ली का दौरा किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भरोसा जताया कि भारत और रूस सौ अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य 2030 से पहले हासिल करेंगे। भारत-रूस व्यापार मंच में रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने रूसी कारोबारियों को आमंत्रित किया कि वे भारत में आएं और निर्माण करें और भारत के साथ साझेदारी करें।

चीन ने जापान से वापस मांगे अपने जुड़वा पांडा

टोक्यो, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जापान के पांडा प्रेमियों के लिए यह हफ्ता भावुक करने वाला है। टोक्यो के उएनो चिड़ियाघर में मौजूद आखिरी दो जुड़वां पांडा शाओ शाओ और लेई लेई 27 जनवरी को चीन लौट रहे हैं। इन पांडा पर चीन का मालिकाना हक है। रविवार को चिड़ियाघर में इन्हें आखिरी बार सार्वजनिक तौर पर दिखाया गया। हजारों लोग आखिरी बार पांडा देखने पहुंचे। चिड़ियाघर ने हर विजिटर को सिर्फ एक मिनट का समय दिया था। इसके बावजूद लोग पांडा-थीम वाले खिलौनों के साथ पहुंचे, उनके नाम पुकारते रहे और मोबाइल से फोटो-वीडियो बनाते दिखे। कई लोग टिकट न मिलने के बावजूद चिड़ियाघर आए, ताकि इस विदाई के गवाह बन सकें।

इनके जाने के बाद जापान पहली बार पिछले करीब 50 साल में बिना पांडा रह जाएगा। इनकी विदाई के पीछे जापान और चीन के बीच बिगड़ते रिश्ते बड़ी वजह माने जा रहे हैं। हाल के महीनों में टोक्यो और बीजिंग के रिश्तों में तनाव बढ़ा है। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के उस बयान से चीन नाराज है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ताइवान पर चीन की किसी भी कार्रवाई से जापान दखल दे सकता है। टोक्यो महानगर सरकार की ओर से नए पांडा भेजने के अनुरोध के बावजूद चीन ने साफ कर दिया है कि फिलहाल उएनो चिड़ियाघर में पांडा भेजने की कोई योजना नहीं है।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया ध्वजारोहण

झारखंड हर क्षेत्र में प्रगति को अग्रसर, शिबू सोरेन को पद्म भूषण मिलना राज्य के लिए गौरव

रांची, 26 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में गणतंत्र दिवस के मौके पर राज्यपाल संतोष गंगवार ने ध्वजारोहण किया। 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर उन्होंने अपने संबोधन में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को पद्म भूषण पुरस्कार के लिए चुना जाना राज्य के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार उनके अद्वितीय योगदान का सम्मान है। इस मौके पर मैं भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

वहीं अपने संबोधन में कहा हमारा झारखंड आज प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। राज्य में अवसरों की कोई कमी नहीं है। चाहे आधारभूत संरचना में निवेश की बात हो, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने की बात हो, उद्योग धंधों में नवाचार की बात हो, शिक्षा एवं राज्य के क्षेत्र में सुधार का कार्य हो या कृषि के क्षेत्र में नए सुधारों को लागू करने की बात हो। आज हर क्षेत्र में नए अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि झारखंड अपने संसाधनों के कारण रत्नगर्भा कहलाता है। यह धरती न केवल सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान दे रही है बल्कि राष्ट्र को नई दिशा भी प्रदान कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत @ 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्राकृतिक एवं खनिज संपदा युवा शक्ति और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाला झारखंड इस ऐतिहासिक विकास यात्रा में एक अग्रणी भूमिका निभाएगा।

अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल ने कहा झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर जनजातीय परंपराओं और ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित रखते हुए हम राज्य को विकास के पद पर आगे ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। इस दिशा में राज्य सरकार द्वारा हाल ही में पैसा नियमावली 2025 को अधिसूचित कर दिया गया है।

इसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों की पारंपरिक व्यवस्था को सशक्त बनाना और सुशासन को मजबूत करना है। पैसा नियमावली 2025 में प्राकृतिक और सामुदायिक संसाधनों पर ग्राम सभा के अधिकार को स्पष्ट किया है। राज्य में जनजातीय समुदाय की अस्तित्व और अस्मिता की रक्षा की दिशा में पैसा नियमावली मिल का पत्थर साबित होगी। 77 में गणतंत्र दिवस के संबोधन के मौके पर राज्य में संभावनाओं की बात करते हुए राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा राज्य में जहां एक और सुख लघु और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहित कर अर्थव्यवस्था के संतुलित समावेशी एवं तीव्र विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर कृषि और सामाजिक वानिकी जैसे छात्रों को प्रोत्साहित कर अर्थव्यवस्था में विविधता लाने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य में कृषि आधारित उद्योगों के विकास के माध्यम से भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है।

प्लास्टिक की बोतल की तरह चिपकी कार, डॉक्टर की मौत

ट्रक-कार की आमने-सामने टक्कर, सुकमा में पदस्थ थे, रायगढ़ से लौटते समय हादसा

कोंडागांव, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में तेज रफ्तार ट्रक और कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में कार प्लास्टिक की बोतल की तरह चिपक गई। उसमें सवार डॉक्टर की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, डॉक्टर का नाम राजू भगत (33) है। जो रायगढ़ के रहने वाले थे और सुकमा स्थित छिंदगढ़ सीएचसी में सेवाएं दे रहे थे।

रविवार रात वह अकेले रायगढ़ से छिंदगढ़ जा रहे थे। इस दौरान नेशनल हाईवे-30 पर कार और ट्रक की टक्कर हो गई। पुलिस ने आरोपी ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के बाद कुछ घंटों के लिए नेशनल हाईवे पर जाम लगा रहा। घटना केशकाल थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, डॉक्टर राजू भगत अपने घर रायगढ़ गए थे। रविवार रात कार में अकेले छिंदगढ़ लौट रहे थे। तभी गारका गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त की थी कि डॉक्टर की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस दर्दनाक हादसे में डॉक्टर की घटनास्थल पर जान चली गई। दुर्घटना के बाद नेशनल हाईवे पर गाड़ियों की आवाजाही बंद हो गई।

सीएम ने बिलासपुर में फहराया तिरंगा

छत्तीसगढ़ में हर तरफ दिखा गणतंत्र दिवस का उल्लास

बिलासपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गणतंत्र दिवस धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने बिलासपुर में ध्वजारोहण किया। इस दौरान उन्होंने देश के वीर शहीदों को याद किया और प्रदेशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की बधाई दी। सीएम साय ने कहा- जहां तक मेरी नजरें जा रही हैं, हर तरफ तिरंगे की शान दिख रही है।

मां भारती की हर संतान उल्लास से भरी हुई दिखती है। हर नागरिक के हृदय में राष्ट्रप्रेम हिलोरे ले रहा है। हर नागरिक के भीतर राष्ट्र निर्माण के संकल्प की ज्योति जल रही है। मां भारती के ऐसे वीर संतानों का गणतंत्र दिवस के शुभअवसर पर मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूं। आज का दिन राष्ट्रीय पर्व की खुशियां मनाने का दिन है। आज का दिन राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले हमारे महापुरुषों को याद करने का दिन है।

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा- आज के दिन हम अपने संविधान निर्माताओं का स्मरण करते हैं। बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाया गया हमारा संविधान बाबा गुरु घासीदास जी द्वारा दिये गये मनखे-मनखे एक समान के संदेश को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है। भारतीय परंपरा में तुलसीदास और कबीरदास जैसे महान संतों ने राजव्यवस्था में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सबसे ऊपर रखा था। हमारा संविधान हर नागरिक को इसका अधिकार प्रदान करता है।

अटल निर्माण वर्ष मना रहे हैं

उन्होंने ने कहा- अभी हमने राज्य स्थापना का रजत महोत्सव मनाया है। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने हमें छत्तीसगढ़ राज्य की सौगात दी थी। हमने उनके जन्मशताब्दी वर्ष को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाया है। रजत जयंती के मौके पर संविधान के मंदिर हमारे विधानसभा के नये भवन का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों सम्पन्न हुआ है।

सीएम ने कहा- छत्तीसगढ़ की धरती भी ब्रिटिश शोषण के विरुद्ध जनजातीय विद्रोहों की गवाह रही है। स्वतंत्रता संग्राम में जंगल सत्याग्रह के माध्यम से जनजातीय नायकों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। छत्तीसगढ़ के जनजातीय नायकों के आजादी की लड़ाई में किये गये बलिदान की कहानी हम डिजिटल माध्यम से सुना रहे हैं। शहीद वीरनारायण सिंह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का लोकार्पण भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर किया।

शादीशुदा गर्लफ्रेंड का गला घोंटा

शक में बॉयफ्रेंड ने उतारा मौत के घाट हाथ में गुदे टैटू से हुई शव की पहचान

बालोद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में जंगल में शादीशुदा महिला की हत्या के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। महिला की हत्या उसके बॉयफ्रेंड ने की थी। महिला और उसके बॉयफ्रेंड के बीच पांच साल से अफेयर चल रहा था।

आरोपी को शक था कि उसकी गर्लफ्रेंड किसी किसी दूसरे शख्स से भी बात करती है। 16 जनवरी को आरोपी अपनी गर्लफ्रेंड को बाइक पर घुमाने के बहाने बालोद के जंगल ले गया। वहां उसने पहले शराब पी। फिर गर्लफ्रेंड से पूछा कि वो किसी और से बात करती है। गर्लफ्रेंड ने मना किया। इस पर आरोपी ने कहा कि अगर वो उससे प्यार करती है तो आज ही उसके घर चलकर शादी करे।

गर्लफ्रेंड ने जब मना किया तो इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। फिर गुस्से में आरोपी ने गर्लफ्रेंड को गला दबाकर बेहोश किया। फिर पत्थर से सिर कुचल कर मार डाला। हत्या के बाद आरोपी ने जल्दबाजी में आसपास पड़े पत्थरों से शव को ढक दिया और मौके से फरार हो गया। यह मामला डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुरामी डैम का है। दरअसल, 24 जनवरी को डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुरामी डैम के पास जंगल में एक सप्ताह पुरानी महिला की सड़ी-गली लाश बरामद हुई थी।

'पद्म भूषण' पर सीएम हेमंत का लंदन से संदेश

'शिबू सोरेन भारत रत्न थे, हैं और सदैव रहेंगे'

रांची, 26 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने पार्टी के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन पद्म भूषण सम्मान देने के फैसले का स्वागत किया है, लेकिन 'भारत रत्न' की मांग जारी रखने की बात कही गई है। वहीं शिबू सोरेन को पद्म भूषण दिए जाने की घोषणा के बाद विदेश यात्रा पर गए जेएमएम प्रमुख और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार के प्रति आभार जताते हुए धन्यवाद दिया।

लंदन यात्रा पर गए हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा- हम सबके प्रिय, सम्माननीय और आदरणीय बाबा स्व दिशोम गुरुजी शिबू सोरेन जी को पद्म भूषण सम्मान से घोषणा के लिए, झारखंड की समस्त जनता की ओर से मै केंद्र सरकार को हार्दिक आभार और धन्यवाद देता हूं। स्व दिशोम गुरुजी का

जीवन राजनीतिक सीमाओं से कहीं परे, अनंत तक जाता है। उनका संपूर्ण जीवन समता, समावेशी और सामाजिक न्याय, अस्मिता, आदिवासी पहचान, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण तथा शोषित-वंचित वर्गों के हक और अधिकारों के लिए किए गए विराट संघर्ष का साक्षी रहा है।

हेमंत सोरेन ने कहा-यह वही संघर्ष था, जिसने दशकों की सामाजिक और राजनीतिक लड़ाई के बाद झारखंड को उसका अपना राज्य दिलाया और झारखंडवासियों को झारखंडी होने का गर्व। झारखंड की जनता के हृदय और विचारों में, और लद्दाख से केरल तक, राजस्थान से असम तक देश के आदिवासी समाज के बीच, भारत मां के सच्चे सपूत, स्व बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन भारत रत्न थे, हैं और सदैव रहेंगे।

इस बीच, सत्तारूढ़ झामुमो के महासचिव विनोद पांडेय ने पद्म भूषण सम्मान दिए जाने पर भारत सरकार के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि गुरुजी भारतीय मिट्टी के सच्चे सपूत थे, जिन्होंने हाशिये पर खड़े आदिवासी समाज को देश की मुख्यधारा में आवाज दी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि गुरुजी की जीवन-यात्रा और योगदान को देखते हुए भारत रत्न की मांग आगे भी जारी रहेगी।

विनोद पांडेय ने कहा कि शिबू सोरेन भारतीय मिट्टी के सच्चे संघर्षी सपूत थे। भारत के जंगल की आवाज को उन्होंने देश के सर्वोच्च सदन में उठाया। उनका जीवन, उनका संघर्ष देश के विभिन्न हिस्सों में हाशिये पर जीवन जीने को मजबूर आदिवासी - मूलवासी समाज को आवाज दिया। वो भारत के अनमोल रत्न थे, शिबू सोरेन भारत रत्न के सच्चे मायनों में हकदार हैं। पता भारत के इतिहास में किसी आदिवासी व्यक्ति को यह सम्मान अब तक मिला है ?

विनोद पांडेय ने कहा - वैसे भारत सरकार ने शिबू सोरेन को पद्म भूषण से सम्मानित करने का निर्णय लिया है इसके लिए उन्हें साधुवाद, परन्तु, मैं फिर दोहराऊंगा कि मेरे साथ-साथ दिशोम गुरूजी के करोड़ों समर्थकों की भावना है कि उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाय ।

गणतंत्र दिवस पर राइफल प्रदर्शनी

धनबाद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद के रणधीर प्रसाद वर्मा स्टेडियम में गणतंत्र दिवस के अवसर पर राइफल शूटिंग क्लब द्वारा शूटिंग स्पोर्ट्स से संबंधित राइफल, बंदूक और मेडल की विशेष प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य आम लोगों, विशेषकर बच्चों और युवाओं को शूटिंग खेल के प्रति जागरूक करना और उन्हें इससे जुड़ने के लिए प्रेरित करना था।

झारखंड राइफल शूटिंग एसोसिएशन के सचिव ने बताया कि शूटिंग एक अनुशासित और तकनीकी खेल है। इसे 10 वर्ष की आयु के बाद कोई भी व्यक्ति सीख सकता है। इस खेल से न केवल एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करियर बनाने के अवसर भी मिलते हैं।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि धनबाद के आईआईटी आईएसएम परिसर में शूटिंग क्लब द्वारा नियमित कक्षाएं संचालित की जाती हैं। इन कक्षाओं में राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी कोच बच्चों और युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

कोच आर्ची कोमल स्वयं राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं। उन्होंने बताया कि वह वर्तमान में बच्चों को शूटिंग की बारीकियां सिखा रही हैं। राष्ट्रीय खिलाड़ी राजेंद्र सिंह ने बताया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर यह प्रदर्शनी इसलिए लगाई गई है ताकि लोग शूटिंग स्पोर्ट्स को करीब से समझ सकें। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की शूटिंग राइफलें और उपकरण प्रदर्शित किए गए हैं।

उन्होंने आगे बताया कि आईआईटी आईएसएम परिसर में प्रत्येक रविवार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक निःशुल्क शूटिंग प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें 10 वर्ष से अधिक आयु के कोई भी व्यक्ति शामिल होकर राइफल शूटिंग सीख सकते हैं।

गणतंत्र दिवस का प्रोग्राम पूरा होते ही जवान ने खाया जहर

कलेक्ट्रेट में मचा हंगामा, नौकरी से निकाला गया था

कोरबा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा शहर में होमगार्ड के बर्खास्त जवान ने कलेक्ट्रेट परिसर के अंदर सुसाइड करने की कोशिश की। होमगार्ड ने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस जवानों ने उसे बचा लिया। बर्खास्त जवान को अस्पताल में भर्ती किया गया है। जवान की हालत स्थिर बताई जा रही है।

जवान के आत्महत्या करने की कोशिश की जानकारी पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने जवान के पास से एक सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसमें उसने कथित तौर पर होमगार्ड के जिला कमांडेंट और डिवीजनल कमांडेंट पर मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि संतोष पटेल नाम के जवान ने कलेक्ट्रेट परिसर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडा फहराने के कार्यक्रम के बाद कथित तौर पर कीटनाशक खा लिया, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। कोरबा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले ने बताया कि पटेल को कुछ दिन पहले नौकरी से निकाल दिया गया था और वह इस कार्रवाई से परेशान था।

उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि उसने इसी वजह से यह कदम उठाया। पटले ने बताया कि सुसाइड नोट में लिखी बातों के आधार पर विस्तृत जांच जारी है। सुसाइड नोट में पटेल ने जिला कमांडेंट अनुज एक्का और होमगार्ड के डिवीजनल कमांडेंट पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नोट में लिखा है, 'मैं एक्का और डिवीजनल कमांडेंट की प्रताड़ना के कारण जहर खाकर आत्महत्या कर रहा हूं।'

दरअसल, कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण के समय बर्खास्त जवान मौजूद थे। गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम पूरा होने के बाद जवान ने कीटनाशक खा लिया। जवान अपने साथ कीटनाशक लेकर आया था। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

पत्नी ने सोते पति को कुल्हाड़ी से काट डाला

मुंगेली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में प्रताड़ना से तंग आकर पत्नी ने अपने पति की हत्या कर दी। सोते वक्त कुल्हाड़ी से सिर, चेहरे, गले, सीने और पेट पर कई वार किए। वारदात के बाद पत्नी ने पड़ोसियों को गुमराह करने के लिए चोरी की झूठी कहानी गढ़ी। मामला पथरिया थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक का नाम आजूराम राजपूत (51) है, जो गंगद्वारी गांव में रहता था। शादी के बाद से पत्नी से छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद करता था। इसी को लेकर पत्नी रूजेश्वरी राजपूत (26) गुस्से में थी। मौका मिलते ही पति को मार डाला। दरअसल, आजूराम राजपूत की पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। रूजेश्वरी से उसने दूसरी शादी की। उनका 4 साल का बेटा भी है। शादी के कुछ दिनों तक सब कुछ सही रहा, लेकिन बाद में पति-पत्नी में छोटी-छोटी बातों को लेकर लड़ाई-झगड़ा होने लगा।

इस बीच 24 जनवरी को रूजेश्वरी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि रात करीब 3 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर पति की हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। धारा 103 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से खून लगी मिट्टी और अन्य साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पड़ोसियों से पूछताछ शुरू की। पता चला कि दंपती में आए दिन विवाद होता रहता था। संदेह के आधार पर पुलिस ने रूजेश्वरी को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने जुर्म स्वीकार किया।

लव-जिहाद, रेलवे अफसर बनकर महफूज ने युवतियों को फंसाया

खुद को हिंदू बताकर बनाई फेक आईडी, युवतियों का शोषण किया, युवक गिरफ्तार

सरगुजा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक मुस्लिम युवक ने खुद को हिंदू बता कर फेक आईडी बनाई और लड़कियों को फंसाकर उनका शारीरिक शोषण किया। उसने एक युवती से पैसे की ठगी भी की। खुद को रेलवे का अफसर बताने वाले आरोपी महफूज को पुलिस ने शिकायत मिलने पर गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला है कि उसने सरगुजा क्षेत्र की तीन लड़कियों को फंसाकर उनका शोषण किया।

जानकारी के अनुसार, बिहार के पटना निवासी मोहम्मद महफूज ने फेसबुक पर 'तरुण पैकरा' नाम से फर्जी आईडी बनाई। उसने पैकरा सरनेम वाली लड़कियों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। इसके जरिए उसने अंबिकापुर की दो लड़कियों और जशपुर के कांसाबेल की एक लड़की को अपना नाम 'स्वराज पैकरा' बताकर शादी और नौकरी का झांसा दिया। बताया गया है कि मोहम्मद महफूज अंबिकापुर पहुंचा और कांसाबेल क्षेत्र की आदिवासी युवती को फोनकर मिलने बुलाया। उसने अंबिकापुर में होटल बुक किया और वहां 'स्वराज पैकरा' नाम से फर्जी आईडी जमा कराई।

वह युवती के साथ होटल के कमरे में दो दिन रुका। युवती ने युवक का मोबाइल चेक किया तो पता चला कि उसके फेसबुक आईडी से कई हिंदू लड़कियों को मैसेज भेजे गए थे। जब युवक उसे होटल में छोड़कर अंबिकापुर शहर में घूमने निकला, तो युवती ने उसका बैग चेक किया।

दोनों हाथ नहीं पर बच्चों को दे रहे शिक्षा

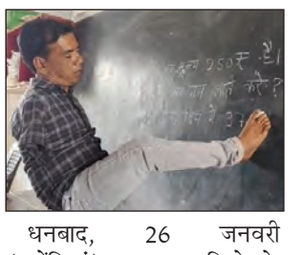

धनबाद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद जिले के गोविंदपुर प्रखंड स्थित उर्दू प्राथमिक विद्यालय गायडेहरा में सहायक शिक्षक मो. अकबर अंसारी कार्यरत हैं। बचपन से दोनों हाथ न होने के बावजूद वे पैर से ब्लैक बोर्ड पर लिखकर बच्चों को पढ़ाते हैं। उनका यह जज्बा समाज के लिए एक मिसाल बन गया है। मो. अकबर अंसारी एक टेबल का सहारा लेकर पैर से उतनी ही कुशलता से ब्लैक बोर्ड पर लिखते हैं, जैसे कोई सामान्य शिक्षक हाथों से लिखते हैं। उनके पढ़ाने का तरीका सहज और प्रभावी है, जिससे बच्चों को समझने में कोई कठिनाई नहीं होती।

विद्यालय में उनकी शिक्षण शैली देखकर सभी उनके समर्पण की सराहना करते हैं। अकबर अंसारी की शैक्षणिक यात्रा भी चुनौतियों से भरी रही है। उन्होंने 1999 में मैट्रिक, 2001 में इंटरमीडिएट और 2009 में इग्नू से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। दिसंबर 2005 से वे इसी विद्यालय में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं और निरंतर बच्चों को शिक्षित कर रहे हैं।

सेक्स सीडी-कांड केस: अब हाईकोर्ट जाएगी कांग्रेस

भूपेश बोले- पूरी तरह न्यायिक प्रक्रिया से चल रहा मामला, कोर्ट में नियमित पेश होने के मिले हैं निर्देश

रायपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की बहुचर्चित सेक्स सीडी कांड मामले में कांग्रेस अब हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साफ किया है कि, रायपुर सेशन कोर्ट के हालिया फैसले के खिलाफ कांग्रेस हाईकोर्ट में अपील करेगी।

भूपेश बघेल ने कहा कि, यह मामला पूरी तरह न्यायिक प्रक्रिया के तहत चल रहा है। उन्होंने बताया कि उन्हें पहले ही इस केस से डिस्चार्ज किया जा चुका था, लेकिन अब सीबीआई ने सेशन कोर्ट में दोबारा अपील की है।

दरअसल, रायपुर सेशन कोर्ट ने सीबीआई की उस रिव्यू याचिका को मंजूरी दे दी है, जिसमें लोअर

कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। इसके साथ ही सेशन कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को नियमित कोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए हैं। अब इस मामले की दोबारा सुनवाई होगी।

मार्च 2025 में सीबीआई की विशेष अदालत ने भूपेश बघेल को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने का कोई ठोस आधार नहीं है। इसी फैसले को चुनौती देते हुए सीबीआई ने सेशन कोर्ट में रिव्यू पिटिशन दाखिल की थी।

इससे पहले भूपेश बघेल की ओर से जबलपुर हाईकोर्ट के वरिष्ठ वकील मनीष दत्त ने कोर्ट में दलीलें रखी थीं। उन्होंने कहा था कि भूपेश बघेल को झूठे मामले में फंसाया गया है। न तो उन्होंने किसी सीडी का निर्माण कराया और न ही उसका वितरण किया। बचाव पक्ष ने यह भी स्पष्ट किया था कि बघेल की ओर से किसी तरह का कोई अपराध नहीं किया गया। इस मामले में कारोबारी कैलाश मुरारका और पूर्व मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा ने भी खुद को आरोपों से मुक्त करने के लिए सेशन कोर्ट में आवेदन दिया था। हालांकि कोर्ट ने दोनों की याचिकाएं खारिज कर दीं। कोर्ट का कहना है कि उनके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं और उन्हें ट्रायल का सामना करना होगा।

इस केस में भूपेश बघेल के अलावा कैलाश मुरारका, विनोद वर्मा, विजय भाटिया और विजय पांड्या आरोपी हैं।

वृद्ध महिला की पत्थर से कुचलकर हत्या

गुमला, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गुमला में बीती देर रात एक 65 वर्षीय वृद्ध महिला की निर्मम हत्या कर दी गई है। अज्ञात हमलावरों ने महिला के सिर पर पत्थर से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

घटना चैनपुर थाना क्षेत्र स्थित भठोली गांव की है। परिजनों ने तंत्र-मंत्र करने और महिला पर डायन का आरोप लगा हत्या करने की आशंका जाहिर की है।

इधर, इस घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। मृतका की पहचान शांति देवी के रूप में की गई।

मृतका के पुत्र कमलेश रौतिया ने बताया कि मां पकरी टोली स्थित एक रिश्तेदार के दशकर्म में शामिल होने गई थीं।

महिला बेटी के पास जाने के लिए निकली थी घर से वहां से लौटने के बाद वो बहन के घर जाने के लिए निकलीं, जो उसी गांव के दूसरे टोली में रहती है। इसी दौरान उनकी हत्या कर दी गई।

मृतका के दामाद सुरेश रौतिया, पुत्र कमलेश भगत और पुत्रवधू बिंदिया कुमारी ने आशंका जताई है कि यह मामला डायन-बिसाही से जुड़ा है। घटनास्थल पर महिला का दाहिना हाथ टूटा हुआ पाया गया, जिससे यह प्रतीत होता है कि हत्या से पहले उनके साथ बुरी तरह मारपीट की गई थी। इसके बाद सिर पर पत्थर से वार कर उनकी हत्या की गई।

ट्रंप के टैरिफ से भारत के एक्सपोर्ट सेक्टर पर पड़ी है सबसे ज्यादा मार

नई दिल्ली,26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया है। इसमें 25% रूस से कच्चे तेल की खरीदारी के लिए लगाया गया है। इससे भारत का एक्सपोर्ट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सबसे ज्यादा मार रत्न एवं आभूषण सेक्टर पर पड़ी है। साथ ही कई दूसरे सेक्टर्स का एक्सपोर्ट भी प्रभावित हुआ है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है लेकिन दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर बातचीत भी फिलहाल अटकी हुई है। जानिए किस सेक्टर को कितना नुकसान हुआ है। मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के मुताबिक नवंबर, 2024 से नंवबर, 2025 के बीच अमेरिका को पर्ल्स, गोल्ड सिल्वर, जेम्स, जूलरी और कॉइन्स के एक्सपोर्ट में 161 मिलियन डॉलर की गिरावट आई है। इसी तरह आयरन एंड स्टील का एक्सपोर्ट इस दौरान 44 मिलियन डॉलर गिर गया है। फिश और अन्य सीफूड में एक साल के दौरान 35 फीसदी गिरावट आई है।

अमेरिका को एक्सपोर्ट

इसी तरह प्लास्टिक के उत्पादों का एक्सपोर्ट नवंबर, 2024 से नवंबर 2025 के बीच 27 मिलियन डॉलर कम हुआ है। इस दौरान बिल्डिंग मटीरियल्स के एक्सपोर्ट में 23 मिलियन डॉलर की कमी आई है जबकि नेचुरल गम और प्लांट एक्सट्रैक्ट्स का एक्सपोर्ट 18 मिलियन डॉलर गिर गया है। इंडस्ट्रियल टेक्सटाइल्स और ट्रीटेड फैबरिक्स का एक्सपोर्ट भी 13 मिलियन डॉलर कम हुआ है।

भारत के पाले में आ रहा अमेरिका का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर

हमसे कई गुना ज्यादा है आपसी ट्रेड

नई दिल्ली,26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और ईयू के बीच मंगलवार को ट्रेड डील फाइनल होने की घोषणा की जा सकती है। ईयू भारत के साथ-साथ अमेरिका का भी सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। पिछले साल जनवरी से अक्तूबर के बीच अमेरिका और ईयू के बीच 883.3 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था जबकि भारत और ईयू का द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 136 अरब डॉलर का था।

अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया है जिससे भारत से अमेरिका को एक्सपोर्ट प्रभावित हुआ है। भारत और अमेरिका के बीच जनवरी-अक्तूबर में द्विपक्षीय व्यापार 126.4 अरब डॉलर का रहा था। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के मुताबिक ईयू के बाद अमेरिका का दूसरा बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर मेक्सिको रहा। जनवरी-अक्तूबर के बीच अमेरिका और मेक्सिको के बीच आपसी व्यापार 731.2 अरब डॉलर का रहा। इस दौरान कनाडा और अमेरिका ने एकदूसरे के यहां 606.7 अरब डॉलर का सामान भेजा। मेक्सिको और कनाडा अमेरिका के पड़ोसी देश हैं। इस लिस्ट में चीन तीसरे नंबर पर है। पिछले साल जनवरी-अक्तूबर की अवधि में अमेरिका और चीन के बीच 357.2 अरब डॉलर का ट्रेड हुआ।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में?

इस दौरान ताइवान के साथ अमेरिका का आपसी ट्रेड 201.1 अरब डॉलर का रहा। जापान और अमेरिका के बीच पिछले साल जनवरी-अक्तूबर के दौरान कुल 190.7 अरब डॉलर के सामान का आवाजाही हुई। वियतनाम इस लिस्ट में सातवें नंबर पर है। वियतनाम और जापान के बीच इस दौरान 170.5 अरब डॉलर के सामान की आवाजाही हुई।

फिर साउथ कोरिया का नंबर आता है। अमेरिका और साउथ कोरिया का आपसी ट्रेड पिछले साल के पहले 10 महीनों में 162.1 अरब डॉलर का रहा। यूरोप के छोटे से देश स्विट्जरलैंड के साथ अमेरिका का बाइलेटरल ट्रेड 154.3 अरब डॉलर का रहा।

इस लिस्ट में दसवें नंबर पर ब्रिटेन है जो अमेरिका का दसवां बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। दोनों के बीच पिछले साल के पहले 10 महीनों में आपसी व्यापार 133.5 अरब डॉलर का रहा। इस लिस्ट में भारत 11वें नंबर पर है। अन्य देशों के साथ अमेरिका का आपसी व्यापार 977.2 अरब डॉलर का रहा।

77 साल में ऐसे बदली आम आदमी की जिंदगी

जीडीपी में हुआ 133 गुना इजाफा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश में अपना संविधान लागू हुए 77 साल हो गए. भारत आज अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है. यह सिर्फ एक संवैधानिक पड़ाव नहीं, बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक यात्रा का भी प्रतीक है. 1950 के दशक में भारत एक नया आजाद देश था, जहां संसाधन सीमित थे और आम आदमी की प्राथमिकता सिर्फ रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना थी.

आज वही भारत वैश्विक मंच पर एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में खड़ा है. आजादी के बाद शुरुआती वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था बेहद नाजुक थी. देश की जीडीपी लगभग 30 अरब डॉलर के आसपास मानी जाती थी. खेती मुख्य आधार थी और उद्योग व सेवा क्षेत्र अभी शुरुआती दौर में थे. रोजगार के अवसर सीमित थे और तकनीकी विकास लगभग न के बराबर था. समय के साथ नीतियों, संस्थानों और मानव संसाधन के विकास ने तस्वीर बदलनी शुरू की.आज भारत की कुल जीडीपी करीब 4 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच चुकी है. यानी 1950 की तुलना में अर्थव्यवस्था का आकार सौ गुना से भी ज्यादा बढ़ गया है. सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स, मैन्युफैक्चरिंग, स्टार्टअप इकोसिस्टम और सेवा क्षेत्र ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई है. भारत अब दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है. 1950 के आसपास एक भारतीय की औसत सालाना आय सिर्फ 60-70 डॉलर के करीब थी. पक्के मकान, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं अधिकांश लोगों के लिए सपना थीं. आज स्थिति अलग है. प्रति व्यक्ति आय 2000 डॉलर से ऊपर पहुंच चुकी है. गांवों तक बैंकिंग, मोबाइल, इंटरनेट और सरकारी योजनाओं की पहुंच ने जीवन स्तर को बेहतर बनाया है. हालांकि, चुनौतियां अब भी मौजूद हैं, लेकिन अवसर पहले से कहीं ज्यादा हैं.अक्सर रुपये की गिरती कीमत पर चर्चा होती है. 1950 में एक डॉलर करीब 4.7 रुपये का था, जबकि आज यह 90 रुपये के आसपास है. लेकिन इसे केवल कमजोरी के तौर पर देखना अधूरा विश्लेषण होगा. महंगाई, वैश्विक व्यापार, मुद्रा बाजार और खुली अर्थव्यवस्था जैसे कई कारकों ने इस बदलाव को प्रभावित किया है.

भारत-ईयू व्यापार समझौता: आयातित कारों पर शुल्क 110% से घटकर 40 फीसदी हो सकता है, ऑटो बाजार को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के तहत भारत आयातित कारों पर शुल्क में बड़ी कटौती की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यूरोपीय संघ से आने वाली कारों पर शुल्क 110 प्रतिशत तक से घटाकर 40 प्रतिशत किया जा सकता है। यह कटौती अब तक भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार को खोलने की सबसे बड़ी पहल मानी जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि यह कम शुल्क उन सीमित कारों पर लागू होगा, जिनकी आयात कीमत 15,000 यूरो से अधिक है। आगे चलकर इस शुल्क को चरणबद्ध तरीके से 10 प्रतिशत तक लाने का भी प्रावधान हो सकता है। इससे यूरोपीय वाहन निर्माताओं के लिए भारतीय बाजार में प्रवेश आसान होगा। कम शुल्क का सबसे ज्यादा लाभ फॉक्सवैगन, रेनो, मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू जैसी यूरोपीय कंपनियों को मिलने की उम्मीद है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच लंबे समय से चल रही व्यापार वार्ताओं के मंगलवार को संपन्न होने की घोषणा होने की संभावना है। इसके बाद समझौते के विस्तृत प्रावधानों को अंतिम रूप देकर दोनों पक्षों की मंजूरी ली जाएगी। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डर लेयेन का रविवार को भारत आगमन पर गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। दोनों नेता 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं। भारत पहुंचने पर एंटोनियो कोस्टा ने खुशी जताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि वह भारत की 77वीं गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली आकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है, जो व्यापार और सुरक्षा से लेकर स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण तथा लोगों के बीच संपर्क तक फैली हुई है। भारत 27 जनवरी को 16वें भारत–यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

फिलहाल भारत में आयातित कारों पर 70 से 110 प्रतिशत तक लगता है शुल्क

फिलहाल भारत में आयातित कारों पर 70 से 110 प्रतिशत तक शुल्क लगता है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार आलोचना होती रही है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार बाजार है, लेकिन घरेलू उद्योग को संरक्षण देने के कारण यहां आयात शुल्क काफी ऊंचा रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक, भारत हर साल लगभग दो लाख पेट्रोल और डीजल कारों पर तुरंत 40 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव दे सकता है। हालांकि, यह संख्या अंतिम समय में बदल भी सकती है।

वहीं, बैटरी चालित विद्युत वाहनों को पहले पांच वर्षों तक शुल्क में किसी तरह की राहत नहीं दी जाएगी। इसका मकसद महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स जैसी घरेलू कंपनियों के निवेश की सुरक्षा करना है।

यूरोपीय कंपनियों की भारतीय कार बाजार में हिस्सेदारी 4% से भी कम

वर्तमान में यूरोपीय कंपनियों की भारत के 44 लाख कारों के सालाना बाजार में हिस्सेदारी 4% से भी कम है। बाजार पर सुजुकी मोटर के साथ भारतीय कंपनियों महिंद्रा और टाटा का दबदबा है। अनुमान है कि 2030 तक भारतीय कार बाजार 60 लाख इकाई सालाना तक पहुंच सकता है, जिसे देखते हुए कई विदेशी कंपनियां निवेश की तैयारी कर रही हैं।

अगली गर्मी 'गला तर' करने में नहीं होगी दिक्कत, सरकार ने कर दिया यह काम

नई दिल्ली,26 जनवरी (एजेंसियां)। सर्दी का मौसम अब अंतिम सांस ले रहा है। बसंत पंचमी के बाद जाड़े के मौसम की विदाई शुरू हो जाती है। फिर आएगा गर्मी का मौसम। इस मौसम में बीयर और कोल्ड ड्रिंक की बिक्री खूब बढ़ जाती है। पहले कहा जाता था कि अगली गर्मी में एल्यूमिनियम के कैन की जबरदस्त किल्लत होगी, लेकिन ऐसा नहीं होगा। सरकार ने राहत दे दी है।

क्या मिली है राहत

केंद्र सरकार ने बीयर, सॉफ्ट ड्रिंक और खाने-पीने के सामानों की पैकिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले एल्युमीनियम के कैन पर लगने वाले क्वालिटी कंट्रोल (गुणवत्ता नियंत्रण) के नियमों को लागू करने की समय सीमा बढ़ा दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब इन डिब्बों की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है और पीक सीजन (सबसे ज्यादा मांग वाला समय) आने वाला है। इन कैन का इस्तेमाल बीवरेज कंपनियां करती हैं।

बड़े संकट को टाल दिया

द ब्रूअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महानिदेशक विनोद गिरी ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है 'डीपीआईआईटी द्वारा इंपोर्ट किए गए डिब्बों के लिए बीआईएस सर्टिफिकेशन की समय सीमा बढ़ाना बहुत ही समय पर उठाया गया कदम है। इससे बीयर और अन्य पेय पदार्थों के उद्योगों के लिए एक बड़े संभावित संकट को टाल दिया गया है।' उल्लेखनीय है कि बीएआई के सदस्यों में यूनाइटेड ब्रुअरीज, एबीइनबेव और कार्लसबर्ग जैसी बड़ी कंपनियां सदस्य हैं।

सरकार का क्या था आदेश

केंद्र सरकार ने एल्युमीनियम के कैन को पिछले साल अप्रैल में अनिवार्य ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स सर्टिफिकेशन के दायरे में लाया था। इसका कारण यह बताया गया था कि इससे कैन की ताजगी, सुरक्षा और रीसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण) में सुधार होगा। बीआईएस के नियमों के अनुसार, घरेलू और इंपोर्ट करने वाले दोनों तरह के डिब्बा निर्माताओं को मटेरियल की गुणवत्ता, ढक्कन, आकार, माप, सीम की मजबूती, दबाव झेलने की क्षमता, लीक न होना, केमिकल स्थिरता और अंदर-बाहर की कोटिंग (परत) के संबंध में तय तकनीकी मानकों को पूरा करना होता है। लेकिन, सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया लंबी होती है और कुछ मामलों में विदेशों में लगी फैक्ट्रियों का निरीक्षण भी करना पड़ता है।

अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक भारतीय बाइक्स की धूम

बन गया एक्सपोर्ट का नया रेकॉर्ड

नई दिल्ली,26 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2025 भारतीय मोटरसाइकिलों के लिए बहुत अच्छा रहा। भारत से मोटरसाइकिलों का निर्यात पिछले साल के मुकाबले 27% बढ़कर अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। 2025 में कुल 43 लाख मोटरसाइकिलों का निर्यात हुआ, जो महामारी के बाद सबसे ज्यादा है। हालांकि देश के अंदर मोटरसाइकिलों की बिक्री पहले जितनी नहीं रही।

साल 2025 में, कुल मोटरसाइकिल निर्यात में बजाज ऑटो का हिस्सा 43% और टीवीएस मोटर का हिस्सा 29% रहा। यानी, इन दोनों कंपनियों ने मिलकर करीब 72% निर्यात किया। बजाज की मोटरसाइकिलों का निर्यात 2024 में 16 लाख यूनिट से बढ़कर 2025 में 19 लाख यूनिट हो गया। वहीं, टीवीएस मोटर की शिपमेंट 9 लाख यूनिट से बढ़कर 13 लाख यूनिट हो गई। क्रिसिल रेटिंग्स की डायरेक्टर पूनम उपाध्याय ने कहा, भारत की मैन्युफैक्चरिंग की अच्छी क्षमता और दुनिया भर में फैला मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, इन वजहों से देश के मोटरसाइकिल निर्यात में लगातार अच्छी बढ़ोतरी देखी जा रही है। महामारी से पहले (2017-2019) के समय में भी भारत से मोटरसाइकिलों का निर्यात धीरे-धीरे बढ़ रहा था। 2017 में यह 23 लाख यूनिट था और 2019 में बढ़कर 31 लाख यूनिट हो गया था। यह महामारी से पहले का सबसे अच्छा आंकड़ा था। 2020 में जब दुनिया भर में व्यापार पर असर पड़ा, तब निर्यात में थोड़ी गिरावट आई। लेकिन इसके बाद से निर्यात में तेजी से सुधार हुआ और 2021 में ही यह महामारी से पहले के स्तर को पार कर गया। बीच के कुछ सालों में थोड़ी उतार-चढ़ाव के बावजूद, 2025 में निर्यात बढ़कर 43 लाख यूनिट तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। यह 2019 के महामारी से पहले के सबसे ऊंचे आंकड़े से करीब 40% ज्यादा है।

निर्मला सीतारमण के 9वें बजट को आकार देने वाली 'कोर टीम', आखिर कौन हैं इसके मुख्य शिल्पकार?

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 1 फरवरी को लोकसभा में अपना लगातार नौवां केंद्रीय बजट पेश करने के लिए तैयार हैं। मोदी 3.0 सरकार के इस तीसरे पूर्ण बजट की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। यह बजट ऐसे समय में आ रहा है जब भारतीय अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की विकास दर दर्ज कर रही है, लेकिन साथ ही वैश्विक भू-राजनीतिक वातावरण अनिश्चित बना हुआ है। बजट तैयार करने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी अहम भूमिका है। इसके साथ ही, वित्त मंत्रालय में अनुभवी नौकरशाहों की एक टीम वित्त मंत्री को इस महत्वपूर्ण वित्तीय दस्तावेज को अंतिम रूप देने में सहायता कर रही है। यह टीम राजकोषीय अनुशासन, राजस्व जुटाने और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

वित्त मंत्रालय के छह विभागों के सचिव और मुख्य आर्थिक सलाहकार इस बजट निर्माण प्रक्रिया के प्रमुख स्तंभ हैं:

अनुराधा ठाकुर: बजट की मुख्य सूत्रधार

आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर इस बजट की प्राथमिक शिल्पकार मानी जा रही हैं। वह बजट दस्तावेजों को तैयार करने वाले बजट प्रभाग का नेतृत्व करती हैं और संसाधनों के आवंटन व मैक्रो-इकोनॉमिक ढांचे को तय करने वाली प्रमुख अधिकारी हैं।

महत्वपूर्ण जिम्मेदारी: 1994 बैच की हिमाचल प्रदेश कैडर की आईएएस अधिकारी अनुराधा ठाकुर ने 1 जुलाई, 2025 को विभाग की कमान संभाली थी। विशेष बात यह है कि वह इस विभाग का नेतृत्व करने वाली पहली महिला आईएएस अधिकारी हैं। बतौर सचिव यह उनका पहला बजट होगा।

अरविंद श्रीवास्तव: टैक्स प्रस्तावों की जिम्मेदारी

राजस्व सचिव के रूप में अरविंद श्रीवास्तव बजट भाषण के 'भाग बी' के लिए जिम्मेदार हैं, जिसमें कर प्रस्ताव शामिल होते हैं। उनकी टीम प्रत्यक्ष कर (आयकर, कॉर्पोरेट टैक्स) और अप्रत्यक्ष कर (जीएसटी, सीमा शुल्क) का प्रबंधन करती है।

अनुभव: हालांकि राजस्व सचिव के रूप में यह उनका पहला बजट है, लेकिन वित्त मंत्रालय में संयुक्त सचिव (बजट) और पीएमओ में वित्त मंत्रालय से संबंधित मामलों को संभालने का उनका पुराना अनुभव महत्वपूर्ण होगा। टीडीएस और सीमा शुल्क के युक्तिकरण की उम्मीदों के बीच राजस्व जुटाने में उनकी भूमिका अहम है।

वुमलुनमंग वुलनाम: सरकारी खजाने के संरक्षक व्यय सचिव वुमलुनमंग वुलनाम 'सरकारी खजाने के संरक्षक' के रूप में कार्य करते हैं। उनका मुख्य कार्य राजकोषीय घाटे का प्रबंधन करना, सब्सिडी को तर्कसंगत बनाना और केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करना है।

एम नागराजू: बैंकिंग और सामाजिक सुरक्षा

वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू सरकार की वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को आगे बढ़ाने में शामिल हैं। उनका विभाग सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा कंपनियों और पेंशन प्रणालियों के वित्तीय स्वास्थ्य की निगरानी करता है, जो क्रेडिट ग्रोथ और डिजिटल अपनाने के एजेंडे को चलाने के लिए महत्वपूर्ण है।

अरुणिश चावला: विनिवेश और सीपीएसई

अरुणिश चावला (DIPAM सचिव): सरकार के विनिवेश और निजीकरण के रोडमैप के लिए जिम्मेदार हैं। सीपीएसई में हिस्सेदारी बेचकर गैर-कर राजस्व लक्ष्य हासिल करना इनका कार्यक्षेत्र है। **के मूसा चालई:** लोक उद्यम विभाग सचिव के मूसा चालई का काम कार्य चुनिंदा सीपीएसई की पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) योजनाओं और संपत्ति मुद्रीकरण (असेट मोनेटाइजेशन) की निगरानी करना है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार की भूमिका

इन प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा, मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन का कार्यालय बजट के लिए व्यापक मैक्रो-इकोनॉमिक संदर्भ प्रदान करता है। उनका कार्यालय आर्थिक विकास का पूर्वानुमान लगाने, कृषि, उद्योग और सेवा जैसे क्षेत्रों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने और वैश्विक जोखिमों का आकलन करने के साथ-साथ राजकोषीय नीति पर वित्त मंत्री को सलाह देता है। आगामी बजट में विकास की गति को बनाए रखने और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने की दोहरी चुनौती होगी। अनुराधा ठाकुर और अरविंद श्रीवास्तव जैसे नए नेतृत्व और अनुभवी नौकरशाहों का यह मिश्रण भारत की आर्थिक नीति की दिशा तय करने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
सूर्योदय 06-53
सूर्यास्त. 18-03
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - माघ शुक्ल पक्ष मंगलवार 27 January 2026
तिथि - नवमीं 19-05 रात तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - भरणी 11-08 तक उपरान्त कृत्तिका
योग - शुक्ल 03-12 रात तक उप. ब्रह्म
करण - बालव 08-14 तक कौलव
सर्वार्थ सिद्धि योग 09-09 से

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर	मे	मकर...	06-03 बजे
चंद्र	मेष	मे	कुंभ....	07-54 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	09-32 बजे
बुध	मकर	मे	मेष.....	11-08 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	12-53 बजे
शुक्र	मकर	मे	मिथुन..	14-53 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क....	17-06 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह----	19-18 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	21-24 बजे
			तुला----	23-29 बजे
			वृश्चिक..	01-40 बजे
			धनु.....	03-53 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-18 से 16-43 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
रोग	06-53 - 08-15 अशुभ	काल	18-03 - 19-43 अशुभ
उत्पात	08-15 - 09-40 अशुभ	लाभ	19-43 - 21-18 शुभ
चंचल	09-40 - 11-04 शुभ	उत्पात	21-18 - 22-54 अशुभ
लाभ	11-04 - 12-29 शुभ	शुभ	22-54 - 00-29 शुभ
अमृत	12-29 - 13-54 शुभ	अमृत	00-29 - 02-04 शुभ
काल	13-54 - 15-18 अशुभ	चंचल	02-04 - 03-40 शुभ
शुभ	15-18 - 16-43 शुभ	रोग	03-40 - 05-15 अशुभ
रोग	16-43 - 18-03 अशुभ	काल	05-15 - 06-53 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

अपने करियर को बढ़ाने वाली एकांत गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करें। आपकी कूटनीतिक कुशलता में वृद्धि हो सकती है, जिससे आपको काम की चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने में मदद मिलेगी। हालाँकि, लाभहीन सट्टेबाज़ी से सावधान रहें क्योंकि इससे नुकसान हो सकता है। आज बहुत ज़्यादा सपने देखने से बचें।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अपने आस-पास की खूबसूरती को निखारने की आपकी स्वाभाविक क्षमता आज चमकेगी। कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ आपकी सहजता टीम की गतिशीलता को बढ़ाती है। आत्मविश्वास में वृद्धि से चतुराईपूर्ण संचार को बढ़ावा मिलता है। रिश्तों में छोटी-मोटी उलझनें पैदा हो सकती हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आप अपने करियर में साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार हैं। मौलिक सोच प्रगति में सहायक होती है, खासकर जब योजनाओं को सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है। आप आंतरिक तनाव महसूस कर सकते हैं, इसलिए आराम करना न भूलें। योजना और स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाए रखने से आपकी निरंतर उन्नति सुनिश्चित होती है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आज आपकी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प मजबूत है, जो आपको अपने काम या पढ़ाई में आगे बढ़ने में मदद कर रहा है। आप अवसरों का पीछा करने और स्पष्ट रूप से सोचने के लिए प्रेरित हैं। यह तीव्र ध्यान आपको बेहतरीन परिणाम दे सकता है, लेकिन सावधान रहें कि बहुत जल्दी काम न करें या बहुत स्पष्ट रूप से न बोलें। सफलता के लिए केंद्रित और सावधान रहें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

कुछ बड़ी चीजे आपके कार्य क्षेत्र में आपका इंतजार कर रही है । आपको कुछ समय से अपने कार्य के प्रति प्रशंसा नहीं मिल रही थी ,ये पूरी तरह से आज गायब हो जाएगा और आपको उच्च वेतन और अधिक भत्तों के साथ एक दूसरी जगह नौकरी मिल सकती है जो आपकी सोच से परे थी , हालांकि इस नौकरी के लिए आपका स्थानांतरण हो सकता है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपके करियर को बेहतर भावनात्मक बुद्धिमत्ता से लाभ मिलता है, जिससे आपको पेशेवर रिश्तों को अधिक सहानुभूति और अंतर्दृष्टि के साथ आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। जानकारी को प्रभावी ढंग से आत्मसात करें और संरेखित सोच और भावना पर ध्यान केंद्रित करें। आपके सावधान दृष्टिकोण से कई तरह की तरक्की मिलती है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपका स्वाभाविक करिश्मा निखरता है, जिससे आपके आस-पास के लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना आसान हो जाता है। आप साहसिक विचारों और स्पष्ट लक्ष्यों के साथ पहल करेंगे और उत्साह के साथ परियोजनाओं को आगे बढ़ाएँगे। भावनात्मक बुद्धिमत्ता अब एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप अपने पेशेवर जीवन में एक तीव्र प्रेरणा महसूस कर सकते हैं, जो बढ़े हुए आत्मविश्वास और गहरी भावनात्मक अंतर्दृष्टि से प्रेरित है। आपका ईमानदार दृष्टिकोण दूसरों को चौंका सकता है, इसलिए चतुराई से काम लें। जबकि ऊर्जा के विस्फोट से अचानक उपलब्धियाँ मिल सकती हैं, थकान के क्षणों को नज़रअंदाज़ न करें।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

यह आपके व्यवसाय के खिलने के लिए एक शुष्क मौसम है, इसलिए अभी आप अपने व्यक्तित्व को सवारने का प्रयत्न कर सकते हैं। आप एक सक्रिय व्यक्ति हैं और आपकी अच्छी ग्राहक सेवा असंख्य बार आपके ग्राहकों को वापस लाने के लिए प्रेरित करेगी । आपके व्यय नियंत्रण में है क्योंकि आप हमेशा से सरल तरीको से अपने खर्चे का निर्वाह करते हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं ! स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संवाद करे और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करे क्योंकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आप के लिए बहुत मददगार साबित होगा । किसी भी विचलित करने वाले परिदृश्य से परेशान न हो जो की आपके वरिष्ठ सहकर्मी ने आपके लिए बनाया हो ।

कुंभ गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपके कार्य जीवन में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है, सहानुभूति, सहयोग और पेशेवर संबंधों के प्रति अधिक सहायक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है। विस्तार-उन्मुख कार्यों पर ध्यान दें। हालाँकि, जल्दबाजी से सावधान रहें, जो आवेगपूर्ण निर्णय ले सकता है। अतिशयोक्ति हो सकती है, लेकिन यह अप्रत्याशित सफलता भी ला सकती है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपको अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी राहत प्रदान करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा क्योंकि हो सकता है की आपका ये धन ख़त्म या कम हो जाये लेकिन आपके दायित्वों का निर्वाह पूरा न हो पाये ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना सेहत के लिए खतरनाक पर कोलेस्ट्रॉल होता क्या है ये जानते हैं आप?

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या के बारे में आपने जरूर सुना होगा, इसे कई प्रकार से हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है, पर क्या आप जानते हैं कि आखिर ये कोलेस्ट्रॉल होता क्या है? इस लेख में हम कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या और इसके कारण होने वाली जटिलताओं के बारे में जानेंगे।

कोलेस्ट्रॉल हमारे खून में पाया जाने वाला एक मोमनुमा पदार्थ होता है, जो शरीर को स्वस्थ कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है। हालांकि अगर कोलेस्ट्रॉल की समस्या बढ़ जाए तो इसके कई प्रकार के नुकसान हो सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल में रखने वाले उपाय करते रहने की सलाह देते हैं।

आहार और लाइफस्टाइल की गड़बड़ी के कारण इसके बढ़ने का खतरा होता है। आइए कोलेस्ट्रॉल की समस्या और इसको कंट्रोल करने वाले उपायों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या

खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या का मतलब वाहिकाओं में फैटी जमाव के बढ़ने से है। इस प्रकार के जमाव के कारण आपकी धमनियों में रक्त का प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है।

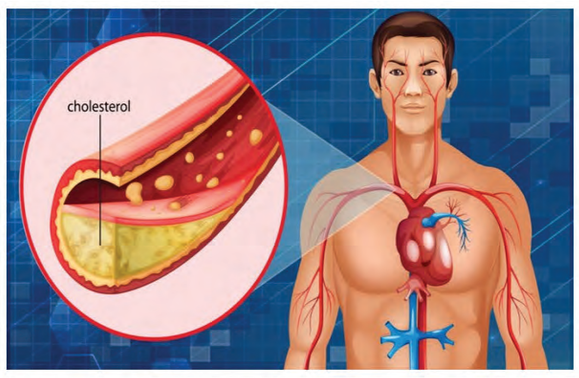

कभी-कभी, ये जमाव अचानक टूटकर थक्का बना सकते हैं जिससे दिल का दौरा या स्ट्रोक होने का खतरा बढ़ जाता है।

आहार में बहुत अधिक संतृप्त वसा या ट्रांस फैट वाली चीजें होने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ सकता है।

संतृप्त वसा, मांस और फैट युक्त डेयरी उत्पादों में पाए जाते हैं।

आहार की गुणवत्ता पर ध्यान रखकर इस तरह की समस्याओं के जोखिम को कम किया जा सकता है।

आप भी न हो जाएं हाई कोलेस्ट्रॉल का शिकार?

कुछ स्थितियां आपमें भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का कारण हो सकती हैं। इसमें आहार में प्रमुख कारण है। 30 या उससे अधिक बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) होने से आपमें उच्च कोलेस्ट्रॉल का खतरा अधिक होता है। यदि आप व्यायाम नहीं करते हैं तो भी शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का जोखिम अधिक हो सकता है। धूम्रपान और अल्कोहल का सेवन करने से भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या का जोखिम रहता है। इन सभी कारकों पर गंभीरता से ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है।

हाई कोलेस्ट्रॉल की पहचान कैसे करें?

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की स्थिति में आमतौर पर कोई लक्षण नजर नहीं आता है, ऐसे में इसका पता लगाने के लिए ब्लड टेस्ट कराना ही एक मात्र तरीका है। 25 साल की आयु के सभी लोगों को साल में एक बार पूरे शरीर की जांच जरूर करा लेनी चाहिए। हाई कोलेस्ट्रॉल आपके धमनियों (एथेरोस्क्लेरोसिस) की दीवारों पर जमाव का कारण बन सकता है जो खून के संचार को प्रभावित करने के साथ हृदय की सेहत के लिए गंभीर समस्याकारक स्थिति है, इसलिए इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता होती है।

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के तरीके

जीवनशैली को ठीक रखकर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

मांसाहार का सेवन कम करके प्लांट बेस्ड डाइट का पालन करें।

वजन को कंट्रोल में रखने के उपाय जैसे व्यायाम और स्वस्थ आहार पर ध्यान दें।

रोजाना कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम करें।

शराब और धूम्रपान से बिल्कुल दूरी बना लें।

घुलनशील फाइबर रक्तप्रवाह में कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण को कम करता है। इसलिए आहार में फाइबर की मात्रा बढ़ाएं।

सिर्फ नमक ही नहीं, अधिक मात्रा में चीनी भी हृदय के लिए हानिकारक, स्ट्रोक का भी बढ़ जाता है खतरा

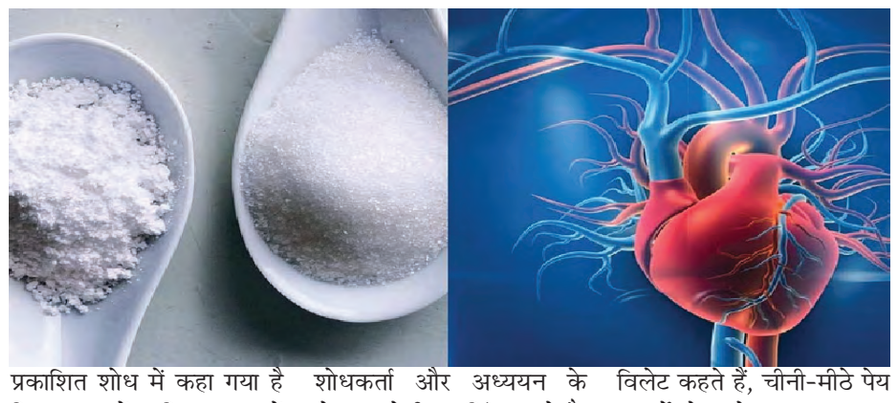

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मौजूदा समय में तेजी से बढ़ती अधिकतर क्रोनिक बीमारियों के लिए आहार में गड़बड़ी को प्रमुख कारण पाया गया है। जो चीजें शरीर को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रही हैं, उनमें नमक और चीनी का ज्यादा सेवन प्रमुख है। जो लोग अधिक मात्रा में नमक-सोडियम का सेवन करते हैं, उनमें हार्ट की बीमारियों-हार्ट अटैक होने का खतरा अधिक हो सकता है। पर क्या आप जानते हैं कि सिर्फ नमक ही नहीं, अधिक मात्रा में चीनी का सेवन भी हार्ट की समस्याओं को बढ़ाने वाला हो सकता है?

चीनी के अधिक सेवन को मुख्यरूप से डायबिटीज के प्रमुख कारकों में से एक माना जाता रहा है। पर यह आपमें हृदय रोगों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। हाल में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने अधिक चीनी के सेवन के हानिकारक स्वास्थ्य प्रभावों को लेकर अलर्ट किया है। सभी लोगों के लिए इसपर ध्यान देना आवश्यक हो जाता है।

अधिक मात्रा में चीनी हो सकती है हानिकारक

बीएमसी मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित शोध में कहा गया है कि आहार में अधिक मात्रा में शर्करा (चीनी या फिर ऐसी चीजें जिसमें सफेद प्रोसेस्ड चीनी मिलाई जाती है) इसके अधिक सेवन से हृदय रोगों और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सिर्फ नमक ही नहीं, चीनी का भी अधिक सेवन करना आपमें हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ाने वाली हो सकती है। किसी भी रूप में चीनी के अधिक सेवन से बचना जरूरी है।

अध्ययन में क्या पता चला?

यूनाइटेड किंगडम में 37 से 73 वर्ष की आयु के 1.10 लाख से अधिक लोगों की खाने की आदतों पर आधारित आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जिसके स्वास्थ्य परिणामों को लगभग नौ वर्षों तक ट्रैक किया गया था। शोध के परिणामों से पता चला कि चीनी का अधिक सेवन किसी व्यक्ति में हृदय रोगों का जोखिम 6% और स्ट्रोक के खतरे को 10% तक बढ़ाने वाली हो सकती है।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ता और अध्ययन के लेखक कोडी वाटलिंग कहते हैं, प्रतिभागियों द्वारा खाई जाने वाली चीनी का सबसे आम रूप प्रोसेस्ड चीना और मिष्ठान्न था। कुछ लोगों ने कुकीज, शर्करायुक्त पेस्ट्री के माध्यम से भी शर्करा का सेवन किया था। फलों और सब्जियों में प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली शर्करा को हानिकारक नहीं माना जाता है और उसे इस विश्लेषण से बाहर रखा गया था।

हृदय रोग या स्ट्रोक का खतरा

शोधकर्ता वाटलिंग ने कहा कि जिन लोगों में हृदय रोग या स्ट्रोक का खतरा सबसे अधिक पाया गया, उन्होंने प्रतिदिन लगभग 95 ग्राम चीनी का सेवन किया था। तुलनात्मक रूप से, अमेरिकी दिशानिर्देश सुझाव देते हैं कि ऐडेड शुगर की मात्रा दैनिक कैलोरी के 10% से अधिक नहीं होनी चाहिए।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पोषण विभाग के प्रोफेसर वाल्टर विलेट कहते हैं, चीनी-मीठे पेय पदार्थों से परहेज करना शायद सबसे महत्वपूर्ण चीज है जो हम कर सकते हैं। ये डायबिटीज और हार्ट दोनों के खतरे को कम करने में मददगार हो सकती है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शर्करा वाली चीजों के सेवन के कारण शरीर में वसा का अधिक संचय होने लगता है, जो रक्त के प्रवाह को बाधित करने वाली समस्या हो सकती है इससे हृदय रोगों का खतरा भी बढ़ जाता है। बहुत अधिक चीनी का सेवन करने से रक्तचाप बढ़ने का भी जोखिम रहता है जो हार्ट की समस्याओं के प्रमुख कारकों में से एक है।

शरीर के लिए शर्करा युक्त खाद्य-पेय पदार्थ के नुकसान देखे गए हैं, जिस सफेद चीनी का हम सेवन करते हैं वह सबसे हानिकारक हो सकती है। इसकी जगह पर गुड़ जैसे वैकल्पिक चीजों का सेवन करना लाभकारी हो सकता है।

लंबी उम्र की इच्छा रखने वालों के लिए गुड न्यूज, ये दो आसान से उपाय पूरा कर सकते हैं आपका सपना

लंबी और स्वस्थ आयु पाना हमेशा से इंसान की सबसे बड़ी इच्छा रही है, हालांकि ये इतना आसान तो है नहीं। बिगड़ती जीवनशैली, खानपान में गड़बड़ी, शारीरिक मेहनत में आती कमी और बैठे-बैठे दिन बिताने वाले कामों के चलते डायबिटीज, हृदय रोग, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां काफी आम होती जा रही हैं। ये बीमारियां सीधे तौर पर आपके स्वस्थ जीवन के वर्षों को कम करने वाली मानी जाती हैं। चिंताजनक बात ये है कि बच्चे भी इनका शिकार होते जा रहे हैं जिसके कारण इन बीमारियों का जोखिम कम उम्र में ही बढ़ता देखा जा रहा है। फिर लंबी और स्वस्थ आयु कैसे पाई जा सकती है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, 100 साल तक जीना सिर्फ किस्मत की बात नहीं है, सही आदतों और बीमारियों से बचे रहने के तरीके अगर कम उम्र से ही अपना लिए जाएं तो ये इतना भी कठिन काम नहीं है।

दुनिया के कई "ब्लू जोन" जैसे जापान का ओकिनावा, इटली का सार्डीनिया और ग्रीस का इकारिया इस बात का प्रमाण हैं, जहां लोग औसतन ज्यादा उम्र तक न सिर्फ जीते हैं बल्कि बुढ़ापे में भी एक्टिव रहते हैं। लंबी उम्र का सीधा संबंध जेनेटिक्स से जरूर है, लेकिन लगभग 70-80 प्रतिशत भूमिका हमारी जीवनशैली निभाती है। सही खानपान, नियमित शारीरिक गतिविधि, मानसिक संतुलन, मजबूत सामाजिक रिश्ते और बीमारियों की समय पर रोकथाम मिलकर उम्र को लंबा और जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाते हैं।

दो आसान तरीके जीवन में जोड़ सकते हैं एक अतिरिक्त साल

सिर्फ पांच मिनट और अधिक नींद और दो मिनट हल्की-फुल्की एक्सरसाइज जैसे तेज चलना या सीढ़ियां चढ़ना आपकी ज़िंदगी में एक साल और जोड़ सकता है।

हर दिन आधा सर्विंग ज्यादा हरी सब्जियां खाने से भी उन लोगों की जिंदगी में भी सुधार देखा गया है जिनकी नींद, फिजिकल एक्टिविटी और खाने की आदतें सबसे खराब थीं। मसलन जीवनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव भी आपके जीवन में कई सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले हो सकते हैं।

आठ साल तक 60 हजार से अधिक लोगों पर किए गए अध्ययन से ये परिणाम निकाला गया है।

विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि हर दिन सात से आठ घंटे की नींद, दिन में कम से कम 40 मिनट की शारीरिक गतिविधि या व्यायाम और हेल्दी डाइट आपको न सिर्फ लंबी आयु प्राप्त करने में सहायक हो सकता है, साथ ही आपकी सेहत को सुधारने में भी मददगार है।

इसके अलावा, 1.35 लाख से ज्यादा वयस्कों के डेटा पर आधारित अध्ययन में पाया गया कि हर दिन 30 मिनट बैठने का समय कम करने से कई बीमारियों से होने वाली असमय मौतों में अनुमानित 7 प्रतिशत की कमी आई।

खड़े होते ही अचानक आने लगता है चक्कर कहीं ये किसी बीमारी का संकेत तो नहीं?

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि सोकर या बैठकर उठते ही आपकी आंखों के सामने अंधेरा छा जाता है या सिर घूमने लगता है? अक्सर हम इसे सामान्य थकान या कमजोरी मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन चिकित्सा विज्ञान में इस स्थिति को ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन कहा जाता है। जब हम अचानक खड़े होते हैं, तो गुरुत्वाकर्षण के कारण खून हमारे पैरों की ओर तेजी से गिरता है।

एक स्वस्थ शरीर में हमारा नर्वस सिस्टम हृदय गति को बढ़ाकर और रक्त वाहिकाओं को सिकोड़कर इस रक्त प्रवाह को तुरंत मस्तिष्क की ओर संतुलित कर देता है। यदि यह प्रक्रिया धीमी हो जाए या शरीर में तरल पदार्थों की कमी हो, तो मस्तिष्क को कुछ पलों के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती, जिससे चक्कर आने लगते हैं।

यह स्थिति केवल एक क्षणिक कमजोरी नहीं, बल्कि शरीर के भीतर छिपी किसी गंभीर बीमारी शुरुआती संकेत हो सकती है।

अचानक चक्कर आने के पीछे मुख्य चिकित्सीय कारण क्या हो सकते हैं?

खड़े होने पर चक्कर आने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) सबसे आम है। इसके अलावा, एनीमिया (खून की कमी), विटामिन B12 की कमी, या लो ब्लड शुगर भी इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। अगर आपके हृदय के वाल्व में समस्या है या आप बीपी की दवाएं ले रहे हैं, तो भी बीपी का यह अचानक गिरना सामान्य है। कुछ मामलों में यह पार्किंसंस जैसी नसों की बीमारी का भी संकेत हो सकता है।

क्या यह हार्ट हेल्थ या नर्वस सिस्टम से जुड़ी कोई गंभीर चेतावनी है?

जी हां, अगर यह समस्या बार-बार होती है, तो यह संकेत है कि आपका बैरोरिफ्लेक्स तंत्र ठीक से काम नहीं कर रहा है। यह तंत्र बीपी को नियंत्रित करता है। बार-बार चक्कर आना दिल की धड़कन के अनियमित होने या नसों की क्षति का लक्षण हो सकता है। इसे नजरअंदाज करने से अचानक गिरने और गंभीर चोट लगने का खतरा रहता है, जो बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से जानलेवा साबित हो सकता है।

इस समस्या से बचने के लिए जीवनशैली में क्या सुधार करने चाहिए?

इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कुछ आसान कदम उठाए जा सकते हैं-

धीरे उठें: बिस्तर से उठते समय पहले कुछ देर बैठें, फिर धीरे से खड़े हों।

हाइड्रेशन: दिन भर पर्याप्त पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।

नमक का संतुलन: डॉक्टर की सलाह पर आहार में नमक की मात्रा संतुलित करें।

व्यायाम: पैरों की मांसपेशियों को मजबूत करने वाले व्यायाम करें ताकि खून वापस मस्तिष्क की ओर पंप हो सके।

शरीर के संकेतों को पहचानें और समय पर कदम उठाएं

अचानक आने वाले चक्कर को मामूली समझकर छोड़ देना भविष्य में बड़ी मुसीबत बन सकता है। अगर सावधानियों के बावजूद चक्कर आना बंद न हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और 'टिल्ट टेबल टेस्ट' या ब्लड वर्क करवाएं। ध्यान रखें, आपका शरीर संकेतों के जरिए आपसे बात करता है। इन संकेतों को समय पर समझना ही बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी है।

इयोडनल अल्सर की आयुर्वेदिक चिकित्सा

प्रश्न : मुझे इयोडनल अल्सर है। मेरे लिए पथ्य क्या है? इसकी आयुर्वेदिक चिकित्सा क्या है? कृपा कर बताएं।

- मनमोहन वर्मा ,सिकंदराबाद

उत्तर : भोजन से किसी ना किसी रूप से संबंध रखने वाला शूल इयोडनल अल्सर का कारण बनता है। पेट के दर्द के दो बड़े भेद होते हैं : १) अन्नद्रव शूल - जो पेप्टिक अल्सर में होता है ।

२) परिणाम शूल -जो इयोडनल अल्सर में होता है।

परिणाम शूल ग्रहणी के आरंभिक प्रदेश डियोडिनम में उत्पन्न व्रण (अल्सर) के कारण होता है, जो कि पच्यमानावस्था के बाद अनुभव किया जाता है। यह भोजन के 3 -4 घंटे के बाद देखा जाता है। इसके अन्य लक्षणों में उरोदाह (छाती में जलन), उत्क्लेष(वमन की इच्छा) व वमन आदि होते हैं।

अम्ल, कटु, लवण रस, तले पदार्थ, मसाले, शराब, चाय, कॉफी का प्रयोग ना करें। अंग्रेजी दर्द निवारक दवाओं का सेवन त्यागे। रात में जगना, धूप, वेगधारण न करें (मूत्रादि वेगो को न रोके), क्रोध व दुख का परित्याग करें। आयुर्वेद में इयोडनल अल्सर का इलाज है। एकौषधि में:* शतावरी मूल चूर्ण 3 से 6 ग्राम 100 ग्राम गाय के दूध से सुबह-शाम लेने पर आराम मिलता है।

* आंवले का चूर्ण 5 ग्राम गाय के गर्म दूध से लेने पर राहत मिलती है ।

*ऊंझा अविपत्तिकर चूर्ण सौ ग्राम, कामदुधा रस मोती युक्त 6 ग्राम, स्वर्ण सुतशेखर रस 25 टैबलेट को एक जीव कर लेवें। और एक -एक चम्मच सुबह-शाम भोजन के पहले शहद में या जल में मिलाकर लेवें।

* भोजन के बाद औरा डायलुसिड सिरप 10 से 15 मिलीलीटर की मात्रा में लेवें। होटल और दावत के भोजन से सदैव बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 24 वर्ष है। मुझे टाइप टू डायबिटीज है। मेरी शादी होने वाली है। मुझे किन बातों का ध्यान रखना होगा, कृपा कर बताएं।

- नागेश्वर रेड्डी, कामारेड्डी

उत्तर : टाइप टू डायबिटीज काफी हद तक जीवनशैली में सुधार कर काबू में लाई जा सकती है । हर रोज सुबह व्यायाम करें। प्रातः पैदल घूमने -फिरने की आदत डालें। खानपान में शक्कर, गुड़, मिठाइयां, तले पदार्थ और मीठे फल पर रोक लगाएं । मधुमेह नियंत्रण के लिए ऊंझा जांब्रोस टिकिया एवं ऊंझा चंद्रप्रभा वटी को दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवें। यदि वजन बढ़ा हुआ है तब भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर वटी गर्म पानी से लेवें। अपना वजन कम करें। रक्त शर्करा की समय-समय पर जांच करवाएं। हमेशा गरिष्ठ भोजन से बचें। भरपेट भोजन ना करें। करेला, भिंडी, शिमला मिर्च, गवार फली, व मेथी के सभी भेद एवं सभी क्षारीय सब्जियों का प्रयोग करें। कंदमूल ना खाएं। केवल चावल का प्रयोग ना करें। खाना ही हो तो ब्राउन राइस, ब्लैक राइस या अनपॉलिश्ड राइस ले सकते हैं। चिंता, तनाव व क्रोध से बचें। चिंता बढ़ने पर मधुमेह बढ़ जाता है। दवाएं बेअसर होने लगती है। इसी कारण स्ट्रेसफुल लाइफ त्यागे। हमेशा जिंदा दिल और खुशमिजाज रहे। हां- शादी अवश्य करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 74 वर्ष है। शरीर वैसे स्वस्थ है, पर पिछले एक माह से रक्तचाप बढ़ा हुआ है। भोजन में कौन सी चीजें खाने और कौन सी चीजें कम करनी चाहिए ? साथ ही सरल उपचार बताएं।

- श्रीमती कलावती राव, वारंगल

उत्तर : आहार का रक्तचाप से गहरा संबंध है । वैसे आपकी आयु में सामान्यतः बीपी 140/90 एम एम हेचजी रहना चाहिए। इस स्तर से बढ़ने पर भोजन में परिवर्तन और हल्की दवा-दोनों का ही प्रयोग करना चाहिए।

मौसमी ताजी सब्जियां और फलों का प्रयोग करें। नमक की मात्रा को कम से कम कर दे । अचार, चटनियां, पापड़ व नमकीन पर रोक लगाएं। तले पदार्थ बंद करें। दूध फुल क्रीम लेने के बजाय डबल टोंड लेवें। स्नैक्स के बजाय सलाद लेवें। नित्य हल्के-फुल्के व्यायाम और प्राणायाम का अभ्यास करें। दिनभर की सक्रियता में से कुछ समय समुचित विश्राम किया करें। किसी भी प्रकार के तनाव से बचें। ईश्वर में पूरा विश्वास रखें। अपनी सोच सकारात्मक रखें। औषधियों में सर्पगंधा घनवटी टिकियां और औरा टेंसट्रीम टिकियां रात सोते समय गाय के दूध से लेकर आराम करें। भोजन के बाद ऊंझा अर्जुनारिष्ट एवं पुनर्नवासव 10-10 मिलीलीटर की मात्रा में लेकर दो गुना पानी मिलाकर सेवन करें। शवासन का प्रयोग भी शरीर की थकान मिटा कर शरीर को ताजा एवं सक्रिय रखता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

धमनियों में ब्लाक बनना हृदय रोगों का प्रमुख कारण रक्त वाहिकाओं को साफ रखने के लिए खाएं ये चीजें

स्वस्थ और पौष्टिक आहार सिर्फ शरीर को पोषण ही नहीं देते हैं, इससे शरीर निरोगी भी होता है। अध्ययनों में पाया गया है कि आहार में पर्याप्त पौष्टिकता का ध्यान रखकर कई प्रकार की बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। अगर हम सिर्फ आहार में ही सुधार कर लें तो इससे करीब 40 फीसदी क्रोनिक बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं। हृदय रोग-डायबिटीज जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव में भी पौष्टिक आहार से लाभ मिल सकता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि हृदय रोग के अधिकतर मामले धमनियों में प्लाक बनने से संबंधित होते हैं। प्लाक बनने से रक्त के सामान्य प्रवाह में बाधा आ जाती है, जिसके कारण हृदय को पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं मिल पाता है। इस तरह की समस्याओं से बचाव करने में भी आहार में सुधार करके विशेष लाभ पाया जा सकता है।

धमनियों में प्लाक से हृदय रोगों का खतरा

धमनियों में प्लाक बनने का मतलब धमनियों की भीतरी दीवारों पर वसायुक्त जमाव, कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से है। इस स्थिति को एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है और यह विभिन्न हृदय रोगों का प्रमुख कारक मानी जाती है। आहार में गड़बड़ी के कारण वसा के जमाव का खतरा अधिक हो जाता है। गड़बड़ खानपान के कारण कम उम्र के लोगों में भी इस समस्या को तेजी से बढ़ते हुए देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ खाद्य पदार्थ धमनियों में प्लाक को कम करने और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। सभी लोगों को आहार में इनकी मात्रा जरूर बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

नट्स और स्वस्थ तेल

हृदय रोगों से बचाने और धमनियों को स्वस्थ रखने में नट्स के सेवन को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। बादाम और अखरोट जैसे मेवे स्वस्थ वसा, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। इनसे बैड कोलेस्ट्रॉल और शरीर में सूजन की समस्या कम होती है। ज्यादातर नट्स में एल-आर्जिनिन नामक एमिनो एसिड होता है जो स्वस्थ रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में सहायक है।

नट्स की ही तरह खाने के लिए स्वस्थ तेल का चयन करना भी आवश्यक है। ऑलिव ऑयल में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैट और एंटीऑक्सीडेंट, शरीर में सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मददगार हैं। ऑलिव ऑयल का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल के स्तर और धमनियों में प्लाक बनने की समस्या कम हो सकती है।

हल्दी का करें सेवन

हल्दी को कई प्रकार से सेहत के लिए लाभकारी माना जाता रहा है। शोधकर्ता बताते हैं, हल्दी में करक्यूमिन नामक यौगिक होता है, जो एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। यह धमनियों में सूजन को कम करने और प्लाक के निर्माण को रोकने में मददगार हो सकता है। करक्यूमिन को अध्ययनों में रक्त के थक्कों के जोखिम को कम करके, बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी फायदेमंद पाया गया है। भोजन के अलावा रोजाना एक कप हल्दी वाले दूध के सेवन से शरीर को लाभ मिल सकता है।

लहसुन में होते हैं कारगर यौगिक

लहसुन हमारे किचन में मौजूद अति प्रभावी औषधि है जिसे एंटी-इंफ्लामेटरी प्रभावों के लिए जाना जाता है। लहसुन में एलिसिन नामक यौगिक होता है जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और धमनियों में प्लाक के निर्माण को रोकने में मदद करता है।

रक्तचाप को कम करने, रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने और रक्त के थक्कों के जोखिम को कम करने में भी लहसुन के सेवन को लाभकारी पाया गया है। आहार में लहसुन को जरूर शामिल करें।

'बॉलीवुड वापस आ गया है', 'बॉर्डर 2' और 'धुरंधर' की सफलता से खुश हुए करण जौहर; कही ये बात

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' की अपार सफलता के बाद अब सनी देओल की 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाए हुए है। शुरुआती तीन दिनों में ही 'बॉर्डर 2' ने 121 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। अब ऐसे में बॉलीवुड की लगातार दो फिल्मों की सफलता से फिल्ममेकर करण जौहर गदगद हैं। करण का मानना है कि इन हिट फिल्मों ने बॉलीवुड की स्थिति को लंबे समय के लिए मजबूत कर दिया है।

करण ने स्टोरी में लिखी ये बात

'धुरंधर' और 'बॉर्डर 2' की सफलता से उत्साहित करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की। इसमें करण ने इन फिल्मों की सफलता से बॉलीवुड की मजबूत स्थिति की ओर से इशारा किया है। करण ने अपनी स्टोरी पर लिखा, 'हाल ही में लगातार रिलीज हुईं दो बड़ी हिंदी फिल्मों की सफलता एक बात साबित करती है कि बॉलीवुड (हां, यह शब्द थोड़ा गलत है, लेकिन यह यहीं रहने वाला है) वापस आ गया है। आलोचकों की बातें बेकार हैं। जब ये फिल्में दर्शकों के दिलों को छू लेंगी, तो सभी 'धुरंधर' उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छू लेंगी।' करण की यह प्रतिक्रिया 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद आई है, जिसने अपने ओपनिंग डे पर 'धुरंधर' को भी पीछे छोड़ दिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है।

3 दिनों में 100 करोड़ के पार हुई 'बॉर्डर 2'

सैकनिल्क के मुताबिक, 'बॉर्डर 2' ने पहले दिन 30 करोड़ रुपए के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की थी।

इसके बाद दूसरे दिन फिल्म ने 36.50 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

जबकि तीसरे दिन यानी रविवार को फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल देखने को मिली। फिल्म ने रविवार को 50 करोड़ रुपए से ऊपर की कमाई करते हुए 54.50 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इसके साथ ही शुरुआती तीन दिनों में ही 'बॉर्डर 2' का कलेक्शन 121 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। अब गणतंत्र दिवस के मौके पर भी फिल्म को छुट्टी का फायदा मिलने की पूरी उम्मीद है।

23 जनवरी को रिलीज हुई 'बॉर्डर 2'

अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से प्रेरित फिल्म में पाकिस्तान के ऑपरेशन चंगेज को फेल करने की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं।

गणतंत्र दिवस पर भंसाली ने दिखाई भारतीय सिनेमा की कहानी, कर्तव्य पथ पर पेश की 'भारत गाथा' झांकी

आज 77वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर भारत की ताकत दिखी। आकाश लड़ाकू विमानों की गगनभेदी गर्जना से गूंज उठा। इसी के साथ भारत के अलग-अलग क्षेत्रों की संस्कृति की झलक भी दिखाई दी। हर साल परेड में झांकियां मन मोह लेती हैं। इस बार कर्तव्य पथ पर भारतीय सिनेमा की झलक भी देखने को मिली। दरअसल, पहली बार 'भारत गाथा' झांकी को पेश किया गया। इस झांकी की थीम संजय लील भंसाली ने तैयार की है।

दिखाई भारतीय सिनेमा की झलक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भारतीय सिनेमा और इसकी कहानी कहने की परंपरा को सेलिब्रेट करते हुए गणतंत्र दिवस परेड में झांकी पेश करने की कमान संजय लीला भंसाली को दी थी। भंसाली अपनी फिल्मों के भव्य सेट निर्माण के लिए जाने जाते हैं। परेड में भारतीय सिनेमा की गौरवशाली कहानी दिखाने की जिम्मेदारी भी उन्होंने बखूबी निभाई है। कर्तव्य पथ पर जब 'भारत गाथा' झांकी निकली तो लोग देखते रह गए। इसमें भारतीय सिनेमा की झलक और बॉक्स ऑफिस का नजारा देखने को मिला।

सिनेमा को बताया भारत की कहानी कहने का जरिया

इस झांकी के नाम से ही समझा जा सकता है कि भंसाली ने इसके जरिए भारतीय सिनेमा को भारत की गाथा कहने का माध्यम बताया। कर्तव्य पथ पर जब 'भारत गाथा' झांकी निकली तो यह हर सिनेमा प्रेमी के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवशाली पल रहा। यह पहला मौका था जब जब किसी भारतीय फिल्म निर्देशक ने देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय समारोह में भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व किया। भारत गाथा के तहत बनाई गई इस झांकी में सिनेमा को सिर्फ कला या मनोरंजन के तौर पर नहीं, बल्कि भारत की पुरानी कहानी कहने की परंपरा का एक ताकतवर हिस्सा दिखाया गया है। ये परंपरा लोककथाओं और महाकाव्यों से शुरू होकर थिएटर, संगीत और आखिरकार सिनेमा की वैश्विक भाषा तक पहुंची है। भारत गाथा में सिनेमा को ऐसा माध्यम दिखाया गया है जो भारत की कहानियों, सोच और भावनाओं को पीढ़ियों और जगह-जगह तक पहुंचाता है।

भंसाली ने जताई खुशी

'भारत गाथा' को पेश करने पर भंसाली ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'थीम 'भारत गाथा' के तहत गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सिनेमा और क्रिएटर कम्युनिटी का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के साथ मिलकर इस झांकी को तैयार करना भारत की पुरानी कहानियों और उन्हें सिनेमा के जरिए दोबारा कहने की ताकत को सलाम है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को भी दिखाता है, जिसमें भारतीय कहानियों को दुनिया तक पहुंचाने और सिनेमा को भारत की सबसे मजबूत सांस्कृतिक आवाज के रूप में पेश करने की बात है'।

कैसे हुई थी 'बॉर्डर 2' के सबसे खतरनाक एक्शन सीन की शूटिंग? निर्देशक अनुराग सिंह ने मुश्किल पलों को किया याद

फिल्म 'बॉर्डर 2' में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 'बॉर्डर 2' ने आज चौथे दिन में अभी तक बॉक्स ऑफिस पर 152.54 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जो लगातार बढ़ती जा रही है। इसी बीच फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह ने फिल्म के सबसे मुश्किल एक्शन सीन के बारे में खुलकर बात की है।

'बॉर्डर 2' के सबसे खतरनाक एक्शन सीन

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनुराग सिंह ने कहा कि फिल्म का सबसे कठिन काम बड़े-बड़े एक्शन सीन फिल्माना था, वो भी ग्रीन स्क्रीन का इस्तेमाल किए बिना। सब कुछ असली जगहों पर शूट किया गया। उन्होंने देहरादून और झांसी में शूटिंग की। कभी बहुत ठंड पड़ रही थी, तो कभी बहुत तेज गर्मी। सेट पर हर समय 300-400 क्रू मेंबर मौजूद

रहते थे। युद्ध के सीन में सब कुछ बिल्कुल सही समय पर होना जरूरी था, जैसे विस्फोट ठीक वक्त पर हों, आग लगे तो अभिनेता सही दूरी पर हों, और पीछे 500 लोग लड़ रहे हों। इतने बड़े पैमाने पर सब कुछ को एक साथ संभालना बहुत मुश्किल था।

वरुण और सनी के एक्शन सीन को लेकर अनुराग ने कही यह बात

हवाई युद्ध (एयर फाइट) के सीन को फिर से बनाना भी बड़ी चुनौती थी, क्योंकि असली लड़ाकू जहाज इस्तेमाल नहीं किए जा सकते थे। इसलिए इन्हें पूरी तरह वीएफएक्स (विजुअल इफेक्ट्स) से तैयार किया गया। अनुराग ने अभिनेताओं की तारीफ की और कहा कि एक्शन, भावनाएं और तकनीक को एक साथ बैलेंस करना सबसे मुश्किल था। जैसे, वरुण धवन का खाई वाला सीन बहुत असली और डरावना दिखना चाहिए था। सनी देओल के टैंक वाले सीन में ताकत के साथ भावनाएं भी होनी चाहिए थीं।

'बॉर्डर 2' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

'Border 2' जेपी दत्ता की 1997 वाली मशहूर फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है। यह 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है, जिसमें भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना की भूमिका दिखाई गई है। इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, सोनम बाजवा और मेधा राणा भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। Sacnilk के अनुसार, आज चौथे दिन फिल्म 'बॉर्डर 2' ने कुल 152.54 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जो लगातार बढ़ती जा रही है।

'आइए संविधान की गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लें', गणतंत्र दिवस पर बोले विजय थलापति

आज सोमवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजन हो रहे हैं। कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड के दौरान भारत की ताकत सभी ने देखी। सांस्कृतिक झांकियों का प्रदर्शन हुआ। इसके अलावा फिल्मी हस्तियों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रशंसकों को इस राष्ट्रीय पर्व की शुभकामनाएं दीं। अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय ने पोस्ट साझा किया है। इसमें वे संविधान की गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लेने की अपील करते दिखे हैं।

विजय बोले- 'संविधान की गरिमा को बनाए रखें'

विजय ने एक्स पर पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने तमिल भाषा में लिखा है, 'आइए हम उन सभी को याद करें और उनका सम्मान करें जिन्होंने भारत गणराज्य की स्थापना में योगदान दिया, जो विविधता में एकता का प्रतीक है। गणतंत्र दिवस पर, जिस दिन भारत का संविधान लागू हुआ, आइए हम संविधान की गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लें। सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।'

रिलीज के इंतजार में विजय की फिल्म

अभिनेता विजय अभिनय की दुनिया से अब राजनीति में सक्रिय हो गए हैं। उनकी आखिरी फिल्म 'जन नायकन' है। यह फिल्म रिलीज के इंतजार में हैं, मगर रिलीज डेट का कुछ पता नहीं है। फिल्म 09 जनवरी 2026 को रिलीज होनी थी, लेकिन सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट नहीं मिल पाने के चलते अभी तक रिलीज का रास्ता साफ नहीं है। मामला कोर्ट तक पहुंच गया है। इस बीच आज सोमवार को एक्टर ने सोशल मीडिया पोस्ट पर गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए संविधान के पालन के संकल्प की बात कही है।

मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज के मामले में बीते 20 जनवरी को मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। इस मामले में फिल्म के मेकर्स और सेंसर बोर्ड आमने-सामने है। हाईकोर्ट ने मामला सुरक्षित रख लिया है। हालांकि, फिल्म की रिलीज पर अभी भी कोई तस्वीर साफ नहीं हुई है। फैसला बाद में सुनाया जाएगा।

'आप बेस्ट हो'; 'बॉर्डर 2' देख एशा ने की सनी देओल की तारीफ; पिता धर्मेंद्र को पद्म विभूषण मिलने पर जताई खुशी

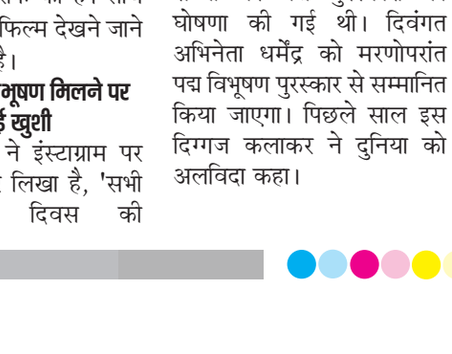

फिल्म 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस फिल्म में सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी और वरुण धवन अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। बीते दिन मुंबई में इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई, जहां सनी देओल की सौतेली बहनें- एक्ट्रेस एशा देओल और अहाना भी नजर आईं। इतना ही नहीं सनी देओल ने एशा और अहाना देओल के साथ फोटोज भी क्लिक कराए। यह पहला मौका था, जब धर्मेंद्र के निधन के बाद सनी देओल, एशा और अहाना को पब्लिकली इस तरह साथ देखा गया।

सनी देओल से एशा बोलीं- 'आप बेस्ट हो'

सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' जब रिलीज हुई थी तो एशा देओल ने इसकी खास स्क्रीनिंग रखी थी। अब जब फिल्म 'बॉर्डर 2' आई है तो वे इसकी स्क्रीनिंग में भी खुशी-खुशी पहुंचीं। इस दौरान सनी देओल ने अपनी दोनों बहनों के साथ बड़ी आत्मीयता से पोज दिए। इस सुखद तस्वीर ने फैंस का दिन बना दिया। साथ ही सनी देओल और हेमा मालिनी व एशा के बीच मन-मुटाव की अफवाहों पर विराम लगा दिया है। एशा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर 'बॉर्डर 2' में सनी देओल के अभिनय की तारीफ की है। साथ ही लोगों से यह फिल्म देखने जाने की अपील की है।

पिता को पद्म विभूषण मिलने पर जताई खुशी

एशा देओल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा है, 'सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं'। आगे लिखा है, 'सच में बहुत खुशी है कि हमारे पापा को प्रतिष्ठित पद्म विभूषण अवॉर्ड से सम्मानित किया जा रहा है। इसी के साथ कहूंगी कि आप सभी अपने परिवार और दोस्तो के साथ 'बॉर्डर 2' जरूर देखिए। हमने बीती रात यह फिल्म देखी'। एशा ने सनी देओल को टैग कर लिखा है, 'आप बेस्ट हो'। उन्होंने अहान शेट्टी, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ सहित अन्य स्टारकास्ट की भी सराहना की है। बता दें कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों की घोषणा की गई थी। दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। पिछले साल इस दिग्गज कलाकार ने दुनिया को अलविदा कहा।

डेटिंग की अफवाहों के बीच लोलापलूजा में नजर आए दिशा और तलविंदर, यूजर्स ने लगाई अटकलें

एक्ट्रेस दिशा पाटनी और पंजाबी सिंगर तलविंदर के रिश्ते को लेकर कई दिनों से अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसे में दोनों कलाकार मुंबई में लोलापलूजा 2026 में साथ दिखे। दोनों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें दोनों आस-पास नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद दोनों को लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ गई है।

वायरल वीडियो में क्या है?

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में तलविंदर और दिशा पाटनी को अलग-अलग वेन्यू में एंट्री करते हुए दिखाया गया है। लगने लगीं।

यूजर्स ने किए कमेंट

वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है 'तलविंदर भाई दिशा आपसे बोलना चाहती हैं और उनसे नहीं बोलते। ऐसा मत करो। बोलो उनसे।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'तलविंदर + दिशा = तलीशा'।

पहले भी साथ नजर आए दिशा और तलविंदर

यह पहली बार नहीं है जब इस जोड़ी ने साथ देखे जाने पर ध्यान खींचा है। उदयपुर में नूपुर और स्टेबिन बेन की शादी के जश्न के दौरान, दिशा का एक वीडियो

एक समय पर, दिशा को थोड़ी दूरी पर खड़े तलविंदर को देखने के लिए मुड़ते हुए देखा गया। एक दूसरे वीडियो में दोनों एक दूसरे का हाथ पकड़कर चलते नजर आए। उनका एक साथ इवेंट में आना जल्द ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। उनके रिश्ते के बारे में और भी अटकलें सामने आया जिसमें वह मेहमानों के साथ घुलमिल रही थीं और एक आदमी का हाथ पकड़े हुए थीं। यूजर्स का मानना है कि यह तलविंदर थे। कई दूसरे वीडियो में उन्हें शादी के रिसेप्शन में आते-जाते देखा गया। दिशा और तलविंदर सिंह में से किसी ने भी अपने रिश्ते पर कुछ नहीं कहा है।

'बिस्किट खाकर बिताए दिन', जब निर्देशक के चिल्लाने पर रोने लगे थे विक्रांत मैसी; संघर्ष के दिनों को किया याद

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले अभिनेता विक्रांत मैसी के लिए यहां तक का सफर काफी संघर्षपूर्ण रहा है। विक्रांत ने घर की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए 16 साल की उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था। अब विक्रांत ने अपने संघर्ष के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 16 साल की उम्र में वे दो नौकरियां कर रहे थे और अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए दिन में 16 घंटे काम करते थे।

16 साल में किया कैमरे का सामना

रिपब्लिक के साथ बातचीत में विक्रांत मैसी ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि जब मैंने पहली बार कैमरे का सामना किया तब मैं 16 साल का था। मुझे आज भी तारीख याद है यह 19 दिसंबर 2004 थी। उससे पहले मैं एक बरिस्ता के रूप में काम करता था। मैंने वह काम इसलिए किया क्योंकि मुझे अपनी पढ़ाई का खर्च खुद उठाना था। मैं श्यामक डावर के मंडली में और मुंबई के उस रेस्तरां में सहायक प्रशिक्षक के रूप में भी काम करता था। '12वीं फेल' के किरदार के लिए मैंने अपने संघर्षों से प्रेरणा ली। जब मैं सिर्फ 16 साल का था, तब मुझे हर दिन चार लोकल ट्रेनें बदलनी पड़ती थीं। 16 घंटे काम करना पड़ता था और अक्सर सिर्फ पार्ले-जी और पानी पीकर ही गुजारा करना पड़ता था। मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मुझे करना ही था।

रिलीज नहीं हुआ पहला शो

विक्रांत ने आगे बताया कि मुझे एक रेस्तरां में काम करते समय दीप्ति कलवानी नाम की एक महिला ने टीवी पर अपना पहला काम करने का ऑफर दिया था। मुझे लगता है कि उन्हें मेरा चेहरा पसंद आया था। मैं युवा था और सपनों की दुनिया में खोया हुआ था। उन्होंने मुझे तब मेरा

पहला टीवी शो दिया। यह एक फिक्शनल शो था, जिसमें एक व्यक्ति अदृश्य हो जाता है। मैंने इस टीवी शो के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। टीवी शो में मुझे अच्छी खासी रकम मिल रही थी और मैंने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया क्योंकि मुझे पैसों की जरूरत थी। उस वक्त मैं कॉलेज में था जूनियर कॉलेज के पहले साल में, जो दिल्ली में 11वीं कक्षा के बराबर होता है।

मैंने टीवी शो के लिए 8-9 महीनों में सात एपिसोड की शूटिंग की, लेकिन वह कभी टेलीकास्ट नहीं हुआ। ब्रॉडकास्टर और प्रोड्यूसर के बीच कुछ बात हुई और शो दिखाया ही नहीं गया। मुझे मिलने वाली आधी फीस भी नहीं मिली। आखिरकार वह एक पायलट एपिसोड बनकर रह गया। मुझे याद है कि कई साल बाद वह रात 2 बजे स्टार प्लस पर टेलीकास्ट हुआ, क्योंकि वह स्टार का ही शो था। ऐसी बहुत सी बातें होती हैं जिनके बारे में एक्टर्स को पता भी नहीं होता, क्योंकि वे सबसे आखिर में टीम में शामिल होते हैं। प्रोड्यूसर बहुत दयालु थीं। उन्हें पता था कि मैंने अपनी अच्छी-खासी नौकरी छोड़ दी है और मेरी आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। उन्होंने मुझे प्रोडक्शन ऑफिस में नौकरी दे दी।

जब विक्रांत पर निर्देशक चिल्लाया

शो के शूटिंग अनुभव को याद करते हुए विक्रांत ने बताया कि मैं अपने काम में बहुत बुरा था और निर्देशक उस समय के एक बहुत अनुभवी फिल्म निर्देशक थे। मुझे बहुत अच्छी तरह याद है कि मेरे निर्देशक मुझ पर चिल्लाए और मैं रोने लगा। मैं अपने डायलॉग बोल रहा था और जाहिर है कि वह मेरे बोलने के तरीके से खुश नहीं थे। उन्होंने अपना धैर्य खो दिया और माइक पर मुझ पर चिल्लाए। उन्होंने व्यक्तिगत बातें कहीं। मुझे याद है कि मैं टूट गया था। मैं रोने लगा क्योंकि मुझे बहुत अपमानित महसूस हुआ। इसके बाद शो की प्रोड्यूसर मेरे पास आईं और मैंने उनसे बस एक ही बात कही, 'यार सबके सामने ऐसा क्यों बोला?' मैंने सब कुछ सह लिया। मेरा स्वभाव हमेशा से यही रहा है, मैं हमेशा सीखने के लिए तैयार रहता हूं। मुझे खुशी है कि मुझे यह अनुभव हुआ। हालांकि, बाद में वो मेरे आए और मुझसे माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खेद है और मुझे आपसे उस तरह बात नहीं करनी चाहिए थी। मैं माफ तो कर देता हूं, लेकिन भूलता नहीं। हालांकि, मुझे निर्देशक से कोई शिकायत नहीं है।

बेरोजगारों के लिए गणतंत्र दिवस पर राज्यपाल ने खोला खुशियों का पिटारा

1 लाख नई भर्तियों का कैलेंडर जारी

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की गुलाबी नगरी आज 77वें गणतंत्र दिवस के गौरवमयी रंगों में सराबोर दिखी। SMS स्टेडियम के मुख्य समारोह से लेकर ऐतिहासिक बड़ी चौपड़ की सियासी गलियों तक, हर तरफ देशभक्ति का सैलाब उमड़ा। यह गणतंत्र दिवस न केवल शौर्य के प्रदर्शन के लिए, बल्कि युवाओं के लिए 'रोजगार की सौगात' के रूप में भी याद किया जाएगा।

रोजगार और शुचिता का 'संकल्प पत्र'

सवाई मानसिंह स्टेडियम में तिरंगा फहराने के बाद राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने प्रदेश के युवाओं के लिए खुशियों का पिटारा खोल दिया। उन्होंने गर्व से कहा कि सरकार ने अब तक 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है और 1.54 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। युवाओं के लिए सबसे बड़ी खबर यह रही कि वर्ष 2026 के लिए भी 1 लाख नई भर्तियों का कैलेंडर जारी कर दिया गया है। राज्यपाल ने 'पेपर लीक माफिया' पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि अब तक 351 परीक्षाएं बिना किसी लीक के संपन्न हुई हैं, जो पारदर्शी शासन की जीत है।

एक ही जगह, दो सियासी रंग

जयपुर की ऐतिहासिक बड़ी चौपड़ पर लोकतंत्र का अनोखा रंग दिखा।

पूर्व दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा की ओर से ध्वजारोहण किया, तो ठीक दूसरी ओर दक्षिण दिशा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने झंडा फहराया। जहां मुख्यमंत्री ने एकता का संदेश दिया, वहीं जूली ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संविधान की बदौलत सत्ता पाने वाले ही आज उसे कमजोर कर रहे हैं।

मंत्रमुग्ध करने वाला प्रदर्शन

स्टेडियम में स्कूली बच्चों ने जब मानव श्रृंखला बनाकर 'भारत माता का रथ' खींचा, तो दर्शक दीर्घा में बैठा हर व्यक्ति खड़ा होकर तालियां बजाने लगा। पुलिस के जवानों ने राइफलों के साथ अपनी ताकत और अनुशासन का जो जौहर दिखाया, उसने यह भरोसा दिलाया कि राजस्थान की सुरक्षा अभेद्य हाथों में है।

ओएमआर गड़बड़ी पर गहलोत का पलटवार

जांच एजेंसियों पर दबाव का आरोप

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड में ओएमआर शीट गड़बड़ी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बयान पर तीखा पलटवार किया है। गहलोत ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जांच को केवल वर्ष 2023 तक सीमित रखने के लिए जांच एजेंसियों पर दबाव बना रही है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर गहलोत ने लिखा कि मुख्यमंत्री का यह कहना हास्यास्पद और जांच को भटकाने वाला है कि ओएमआर शीट में गड़बड़ी केवल कांग्रेस शासन में हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कोई व्यक्ति 2019 से 2026 तक एक ही पद पर रहते हुए गड़बड़ी कर रहा था, तो क्या भाजपा सरकार के कार्यकाल (2024-25) में उसने अपराध करना बंद कर दिया होगा?

गहलोत ने कहा कि जांच पूरी होने से पहले ही मुख्यमंत्री अपने कार्यकाल को 'क्लीन चिट' देने की कोशिश कर रहे हैं और एसओजी पर दबाव बना रहे हैं कि 2024, 2025 और 2026 की फाइलें खोली ही न जाएं। उन्होंने कांग्रेस शासन सहित पिछले 11 वर्षों यानी 2015 से 2026 तक की सभी भर्तियों की निष्पक्ष जांच की मांग की।

पूर्व मुख्यमंत्री ने जोधपुर के शेरगढ़ उपखंड में सड़क पर मिले रीट भर्ती परीक्षा-2025 के दर्जनों एडमिट कार्ड का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां 100 किलोमीटर तक कोई परीक्षा केंद्र नहीं था, ऐसे में यह गंभीर मामला है और इसकी जांच होनी चाहिए।

गहलोत ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं को न्याय देने के बजाय केवल राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने गड़बड़ी सामने आने पर सख्त कार्रवाई की थी, आरपीएससी सदस्य सहित 265 से अधिक लोगों को जेल भेजा गया, कठोर कानून बनाए गए और माफिया की संपत्तियां ध्वस्त की गईं। उन्होंने कहा कि अब ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार जांच एजेंसियों पर दबाव डाल रही है कि जांच को 2023 तक ही सीमित रखा जाए, जबकि एसओजी खुद स्वीकार कर चुकी है कि पिछले 11 वर्षों से ओएमआर शीट में गड़बड़ी हो रही थी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा था कि ओएमआर शीट गड़बड़ी का खुलासा वर्ष 2019 में ही हो गया था और उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने इसकी सूचना राजस्थान सरकार को दी थी। उन्होंने सवाल किया था कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साढ़े चार साल तक इस मामले को दबाए क्यों रखा और यूपी एसटीएफ की सूचना पर कार्रवाई क्यों नहीं की।

गणतंत्र दिवस पर राजस्थान से सटी सीमा पर पाकिस्तान की नापाक हरकत

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

बीकानेर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश आज 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इसी बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर नापाक हरकत से माहौल को तनावपूर्ण करने की कोशिश की। भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर से सटे बीकानेर जिले के खाजूवाला क्षेत्र में पाकिस्तानी गुब्बारा मिलने से हड़कंप मच गया। मामला सामने आते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई और इलाके में जांच शुरू कर दी है।

खाजूवाला क्षेत्र के चक 6 बीडी में एक खेत में पाकिस्तानी गुब्बारा मिला। इस पर किसान ने तुरंत खाजूवाला पुलिस सूचना दी। जिस पर खाजूवाला एसएचओ सुरेंद्र कुमार प्रजापत के नेतृत्व में पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने गुब्बारे को कब्जे में लेकर बीएसएफ के असफरों को अवगत कराया।

एरोप्लेन नुमा गुब्बारा मिला

किसान के खेत में मिला गुब्बारा एरोप्लेन नुमा है। जिस पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (PIA) लिखा है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां पड़ताल में जुटी हुई है। बता दें कि पाकिस्तान की ओर से बॉर्डर क्षेत्र में गुब्बारे व हेरोइन भेजने की नापाक हरकतें लगातार होती रहती है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि ये तस्करी का कोई संकेत हो सकता है।

फॉर्म हाउस बना बारूद का जखीरा

9550 किलो अमोनियम नाइट्रेट जब्त

नागौर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। नागौर जिले में डीएसटी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में करोड़ों रुपए के अवैध विस्फोटक सामग्री का बड़ा जखीरा जब्त किया गया है। थांवला थाना क्षेत्र के हरसौर गांव में स्थित फॉर्म हाउस से आरोपी सुलेमान खान पुत्र करीम खान को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी इस अवैध विस्फोटक सामग्री का उपयोग अवैध खनन में करने वालों को बेचता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी सुलेमान के खिलाफ पूर्व में तीन प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें से दो न्यायालय में विचाराधीन हैं और एक में वह दोषमुक्त हो चुका है। आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में स्वीकार किया कि विस्फोटक सामग्री का उपभोग अवैध खनन में काम करने वालों को बेचने के लिए किया जाता था। पुलिस ने कहा कि यदि आरोपी का दूसरे राज्यों से कोई संबंध पाया जाता है, तो केंद्रीय एजेंसियां भी कार्रवाई करेंगी। थांवला थाना पुलिस ने सुलेमान खान के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 1884, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 की धारा 5 तथा 112(2), 288 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पाकिस्तान को बताया भारत का 'बड़ा भाई'

प्रिंसिपल मनोज बेहरवाल ने वजह बताकर छेड़ दी नई बहस

अजमेर/ ब्यावर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले से एक ऐसा बयान सामने आया है जिसने ठिठुरती ठंड में भी सियासी पारा गरमा दिया है। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य मनोज बेहरवाल ने एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान को भारत का 'बड़ा भाई' बताकर सबको चौंका दिया। संघ पृष्ठभूमि से आने वाले प्राचार्य के इस तर्क ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है।

ब्यावर के सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय में आयोजित 'राजस्थान

सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन' की कॉन्फ्रेंस में प्राचार्य बेहरवाल भारतीय संविधान और संस्कृति पर बोल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अजीबोगरीब तर्क देते हुए कहा कि 'पाकिस्तान का जन्म भारत से 12 घंटे पहले हुआ था, इस नाते वह हमारा बड़ा भाई है।' हैरान करने वाली बात यह रही कि हॉल में बैठे विद्वानों और बुद्धिजीवियों में से किसी ने भी उन्हें इस विवादित टिप्पणी पर नहीं टोका।

इतिहास की अपनी व्याख्या करते हुए प्राचार्य ने एक और बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले भारत में केवल तीन ही लोकप्रिय नेता थे- महात्मा गांधी, मोहम्मद अली जिन्ना और डॉ. बी.आर. अंबेडकर। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसमें पंडित नेहरू का नाम नहीं था और यह बात सबको ध्यान रखनी चाहिए।

डोटासरा और जूली की जुगलबंदी: कांग्रेस में नए पावर पॉलिटिक्स से सियासी हलचल, संगठन में दिखेगा नया जोश और तेवर

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में हमेशा से चेहरों का बड़ा महत्व रहा है। पिछले दो दशकों तक जहां कांग्रेस की राजनीति अशोक गहलोत और सचिन पायलट के इर्द-गिर्द घूमती रही। वहीं, अब रेगिस्तानी राज्य के सियासी गलियारों में एक नई 'पावर जोड़ी' की चर्चा जोरों पर है, गोविंद सिंह डोटासरा और टीकाराम जूली।

चाहे वह मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगाकर भाजपा को घेरना हो या लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की वापसी कराना। डोटासरा और जूली की जोड़ी ने राजस्थान कांग्रेस में अपना दबदबा साबित कर दिया है।

2024 के लोकसभा चुनावों ने राजस्थान के राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया था। जहां 2014 और 2019 में भाजपा ने सभी 25 सीटें जीती थीं। वहीं, 2024 में भाजपा 14 पर सिमट गई और कांग्रेस गठबंधन ने 11 सीटों पर

कब्जा किया।

इस बड़ी जीत के पीछे डोटासरा और जूली की जाट-दलित रणनीति को माना जा रहा है। गोविंद सिंह डोटासरा एक प्रभावशाली जाट नेता के रूप में उभरे हैं। वहीं, टीकाराम जूली राजस्थान के पहले दलित नेता प्रतिपक्ष हैं। इन दोनों ने मिलकर पारंपरिक रूप से भाजपा की ओर झुके हुए इन समुदायों को कांग्रेस के पाले में लाने में सफलता हासिल की। सूत्रों के अनुसार, डोटासरा ने आलाकमान को पहले ही भरोसा दिलाया था कि कांग्रेस 10 से अधिक सीटें जीतेगी, जो सच साबित हुआ।

अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच की खींचतान ने पिछले 5 सालों में कांग्रेस को काफी नुकसान पहुंचाया था। लेकिन अब विपक्ष में रहते हुए डोटासरा और जूली एक 'यूनाइटेड फ्रंट' पेश कर रहे हैं। दोनों नेता न केवल जयपुर बल्कि दिल्ली में भी साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, जिससे कार्यकर्ताओं में यह संदेश जा रहा है कि पार्टी अब एकजुट है।

हाल ही में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन को लेकर डोटासरा और जूली ने मोर्चा खोल रखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा 'गुप्त योजना' के तहत कांग्रेस समर्थित मतदाताओं के नाम काट रही है। 19 जनवरी को दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में डोटासरा ने सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा, जो विपक्ष के बढ़ते हुए आक्रामक तेवरों को दर्शाता है।

डोटासरा को केवल एक आक्रामक नेता ही नहीं, बल्कि एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में भी देखा जा रहा है। उन्होंने राजस्थान कांग्रेस के ढांचे को पूरी तरह बदल दिया है, जैसे कि जिलों का विस्तार कर संगठनात्मक इकाइयों को 40 से बढ़ाकर 50 किया गया। नियुक्तियां सर्वे और फीडबैक के आधार पर की गईं, न कि केवल स्थानीय विधायक की सिफारिश पर। बूथ से लेकर राज्य स्तर तक कार्यकर्ताओं का डेटा अब जयपुर मुख्यालय में उपलब्ध है। इस 'पायलट प्रोजेक्ट' की सफलता से दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान इतना प्रभावित है कि इसे अन्य राज्यों में भी लागू करने की तैयारी है।

'कागज के प्लेन उड़ाने वालों सुन लो, कोटा की धरती से जल्द ही प्लेन उड़ेगा'

बोले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, करोड़ों रुपए की दी कई सौगातें

कोटा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज परिसर में लगभग 27 करोड़ रुपए की लागत से रामाश्रय भवन और अत्याधुनिक बीएसएल-3 लैब का शिलान्यास और फाइब्रोस्कैन मशीन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि रामाश्रय भवन केवल एक इमारत नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सम्मान और सेवा का सजीव प्रतीक है।

स्पीकर बिरला ने बगैर किसी का नाम लिए तंज कसते हुए कहा- कागज के प्लेन उड़ाने वालों सुन लो, कोटा की धरती से प्लेन उड़ेगा और देख लो ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का कार्य शुरू हो गया है।

लोकसभा अध्यक्ष ने 18 वर्ष पूर्व जेके लोन अस्पताल से जुड़ा संस्मरण साझा करते हुए कहा कि इलाज के दौरान दूर-दराज गांवों से आए परिजनों को अक्सर खुले आसमान के नीचे रहना पड़ता था।

गर्मी, सर्दी और बरसात में भी वे अस्पताल के आसपास ठहरे रहते

थे। यह देखकर मन बहुत विचलित होता था, मैंने 18 साल पहले अस्पतालों में ऐसा भवन बनाने का सपना देखा था, जहां मरीजों के परिजन आराम से रह सकें। खुशी की बात है, जो अब पूरा हो रहा है। देश में पहली बार इस तरह के दो सर्वसुविधायुक्त रामाश्रय भवन कोटा में बनाए जा रहे हैं

जेके लोन अस्पताल के बाद अब मेडिकल कॉलेज परिसर में 11.76 करोड़ से चार मंजिला वातानुकूलित भवन बनेगा, जिसमें 767 बेड की सुविधा होगी।

यहां तीमारदारों के लिए निःशुल्क ठहराव और भोजन के साथ डॉर्मिट्री, किचन-डाइनिंग, लिफ्ट, लॉकर तथा महिलाओं के लिए पृथक व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी। मेडिकल कॉलेज में 14 करोड़ रुपए की लागत से प्रदेश की दूसरी बीएसएल-3 लैब स्थापित की जाएगी।

बिरला ने कहा कि मेडिकल कॉलेज परिसर में करोड़ों रुपए के विकास कार्य प्रगति पर हैं। करीब 35 करोड़ रुपए की लागत से कॉटेज वार्ड का निर्माण होने जा रहा है, मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल भी जल्द शुरू होगा। बीएसएल-3 लैब से गंभीर संक्रामक रोगों की जांच और शोध को नई दिशा मिलेगी।

कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि कोटा ही नहीं, पूरे संभाग और आसपास के राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज आते हैं। ऐसे में रामाश्रय भवन का निर्माण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रेरणा लेकर प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी रामाश्रय भवनों का निर्माण होना चाहिए, ताकि इलाज के लिए आने वाले परिजनों को राहत मिल सके। लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने कहा कि मरीजों व उनके परिजनों की कठिनाइयों को समझते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने रामाश्रय की कल्पना की, जो आज मूर्त रूप ले रही है।

इस अवसर पर भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन, संभागीय आयुक्त अनिल अग्रवाल, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. संगीता सक्सेना, अधीक्षक डॉ. नीलेश जैन व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

खौफनाक किडनैपिंग: वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवक को कार में बैठाया, बंधक बना मांगी 15 लाख फिरौती

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में आदर्श नगर थाना इलाके से युवक के अपहरण और फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवक को कार में बैठाया। सवाई माधोपुर ले जाकर बंधक बनाया और रास्ते में मारपीट कर हथियार दिखाकर डराया। बाद में 15 लाख रुपए की फिरौती की मांग की गई।

बता दें कि पिता की ओर से पुलिस को सूचना देने पर आरोपी घबरा गए और युवक को बस में बैठाकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, नीलगरान कांवटियों का खुर्रा, रामगंज निवासी मोहम्मद अरहब ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में रामगंज बाजार निवासी ताबीस अली, आदिल, नौशाद और टोनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पीड़ित ने बताया कि 22 जनवरी को ताबीस अली ने उसे फोन कर वीडियो वायरल करने की धमकी दी और शाम करीब पांच बजे राजापार्क स्थित मथुरा चाय वाले के पास बुलाया। वहां पहले से मौजूद चार-पांच युवकों ने स्कूटर की चाबी छीन ली और मुंह दबाकर कार में डाल दिया। कार नौशाद चला रहा था।

आरोपियों ने जयपुर से सवाई माधोपुर तक रास्ते में हथियार दिखाकर धमकाया और युवक से मारपीट की। रात करीब साढ़े आठ बजे उसे सवाई माधोपुर के एक मकान में बंद कर दिया गया और 15 लाख की फिरौती मांगी। आरोपियों ने युवक से उसके पिता को फोन कर पैसे मांगने का दबाव बनाया।

युवक के पिता ने तुरंत 100 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। कार्रवाई की भनक लगते ही आरोपी घबरा गए और युवक को एक निजी बस में बैठाकर जयपुर की ओर भेज दिया। बाद में लालसोट क्षेत्र में आदर्श नगर पुलिस ने युवक को दस्तयाब कर सुरक्षित उसके पिता के सुपुर्द किया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी रामगंज थाने में मामला दर्ज है। इसमें परिवादी ने आरोप लगाया था कि उसकी कार को जबरदस्ती एग्रीमेंट साइन करवाकर छीन लिया था, जबकि वह गाड़ी उसके पिता के नाम से थी।

तेंदुए ने मचाया तहलका, 5 लोगों पर हमला कर किया घायल, वन विभाग हुआ अलर्ट

सिरोही, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही जिले के रेवदर उपखंड क्षेत्र स्थित रोहुआ गांव में तेंदुए की मौजूदगी ने लोगों के बीच तहलका मचा दिया। मानपुर कृषि कुएं के पास तेंदुआ अचानक दिखाई देने से ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि यहां तेंदुए के हमले में कुल पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, तेंदुआ अभी भी गांव में है, लिहाजा ग्रामीणों में दहशत है। इसी दौरान तेंदुए ने तीन लोगों पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग को अवगत कराया गया।

वन विभाग के रेंजर ललित सिंह ने बताया कि तेंदुआ लोहे के तारों में उलझकर घायल हो गया था, जिससे वह दर्द में कराहता हुआ दिखाई दे रहा था। घायल अवस्था में तेंदुए ने एक के बाद एक दो अन्य युवकों पर भी हमला कर दिया, जिससे कुल पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है। तेंदुएं के रेस्क्यू को लेकर टीमें काम कर रही है। साथ ही गांव के आसपास निगरानी बढ़ा दी गई है।

वन विभाग की टीम तेंदुए को सुरक्षित रूप से पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। साथ ही, ग्रामीणों को सतर्क रहने और अकेले बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। क्षेत्र में वन्यजीवों की आवाजाही को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। तेंदुएं को पकड़ने का प्रयास जारी है।

पैदल तीर्थयात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को मिनी ट्रक ने कुचला

बालोतरा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत माला एक्सप्रेस-वे पर एक हृदय विदारक सड़क दुर्घटना ने खुशियों और आस्था से भरी पदयात्रा को मातम में बदल दिया। तेज रफ्तार से आ रहे एक मिनी ट्रक ने पैदल तीर्थयात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को कुचल दिया, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि कुछ क्षणों के लिए पूरे एक्सप्रेस-वे पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जालोर जिले के बागोड़ा क्षेत्र से कुल सात श्रद्धालुओं का एक जत्था जसोल स्थित माजीसा राणी भटियाणी माता मंदिर में दर्शन के लिए पैदल रवाना हुआ था। सभी श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ भारतमाला एक्सप्रेस-वे के किनारे-किनारे यात्रा कर रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पदयात्रियों के पीछे एक बोलेरो केम्पर चल रही थी, जो सुरक्षा के लिहाज से उनके साथ-साथ चल रही थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने अचानक नियंत्रण खोते हुए सबसे पहले बोलेरो केम्पर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर आगे चल रहे पदयात्रियों को कुचलता चला गया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ट्रक श्रद्धालुओं को करीब 200 फीट तक घसीटता हुआ ले गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुछ श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य सड़क पर गंभीर हालत में पड़े तड़पते रहे।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक रमेश सहित सिवाना थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने सबसे पहले यातायात को नियंत्रित किया, क्योंकि एक्सप्रेस-वे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। इसके बाद घायलों को एंबुलेंस की सहायता से तत्काल बालोतरा जिला नाहटा अस्पताल पहुंचाया गया। जिसके बाद पुलिस द्वारा घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया गया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में तेज गति और लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

हादसे में जान गंवाने वाले तीनों श्रद्धालुओं की पहचान कर ली गई है। मृतकों में जालाराम (35) पुत्र केवाराम मेघवाल, निवासी पूनासा, बागोड़ा, सिकाराम (35) पुत्र वशनाराम देवासी, निवासी ढाढाल, बागोड़ा, महेशाराम (35) पुत्र बाबराम देवासी, निवासी बागोड़ा शामिल हैं। तीनों की उम्र लगभग समान थी और वे अपने परिवारों के लिए कमाने वाले मुख्य सदस्य बताए जा रहे हैं।

जूपल्ली ने घायल कांस्टेबल का हाल जाना

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिबंध और उत्पाद शुल्क मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने सोमवार को कांस्टेबल सौम्या से मुलाकात की, जो गांजा तस्करी रोकने के प्रयास में हमला होने के बाद निम्स अस्पताल में उपचाराधीन हैं। मंत्री ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति का जायजा लिया, चिकित्सा देखभाल की समीक्षा की और परिवार से बातचीत की। जूपल्ली कृष्ण राव ने परिवार को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार पूर्ण समर्थन प्रदान करेगी और चिंता न करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और तुरंत डॉक्टरों, कांस्टेबल के परिवार और उत्पाद शुल्क एवं प्रवर्तन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क किया गया। मंत्री ने सुझाव दिया कि उन्हें उन्नत चिकित्सा के लिए हैदराबाद लाया जाए। उन्होंने उनकी शीघ्र स्वस्थ होने की आशा जताई और कहा कि उनके स्वास्थ्य अनुसार दायित्वों का आवंटन किया जाएगा, तथा यदि वे सक्रिय ड्यूटी फिर नहीं कर पातीं, तो सरकार वित्तीय सहायता और वेतन संबंधित लाभ सुनिश्चित करेगी। कृष्ण राव ने बताया कि इस तरह के हमले अस्वीकार्य हैं और अब तक दो आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जबकि शेष की तलाश जारी है।

वीरुला सैनिक स्मारक पर 77वाँ गणतंत्र दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित वीरुला सैनिक स्मारक पर आज 77वाँ गणतंत्र दिवस गरिमामय पुष्पांजलि समारोह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा ने देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की। राज्यपाल के साथ उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, आईटी, वाणिज्य एवं विधायी कार्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू तथा तेलंगाना एवं आंध्र सब एरिया (टीएएसए) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अजय मिश्रा उपस्थित रहे। राज्यपाल ने शहीदों के सम्मान में मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दोहराया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर सशस्त्र बलों को शुभकामनाएं दीं और एक मजबूत एवं समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में एकता और अखंडता के महत्व पर बल दिया।इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति एवं पूर्व सैनिक उपस्थित रहे, जिन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र की प्रगति एवं सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः व्यक्त किया।

काचवानी सिंगारम स्थित मंदिर प्लॉट में कुमावत समाज बन्धुओं द्वारा गणतंत्र दिवस पर आयोजित ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित संरक्षक अमरचन्द अडाणीया, अध्यक्ष भींयाराम मंगलोड़ा, उपाध्यक्ष लिक्माराम मनावत, सचिव रमेश अडाणीया, कोषाध्यक्ष नौरतमल एकालिया, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

पीएनबी के अंचल कार्यालय में 77वाँ गणतंत्र दिवस का आयोजन

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक के अंचल कार्यालय, हैदराबाद में 77वाँ गणतंत्र दिवस समारोह का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैंक परिसर में श्रीमती वन्दना पाण्डेय, अंचल प्रबंधक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। अवसर पर श्रीमती वन्दना पाण्डेय ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए बेहद खास हैं। देश ने 26 जनवरी, 1950 को अपना संविधान अपनाया और राष्ट्र निर्माण की तरफ कदम बढ़ाए। यह दिन संविधान निर्माताओं द्वारा किए गए महान कार्य और उनकी दूरदर्शिता को नमन करने का दिन है।

उन्होंने पंजाब नैशनल बैंक के गौरवमयी यात्रा की चर्चा करते हुए कहा कि गणतन्त्र दिवस के पावन अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेने की आवश्यकता है कि हम अपने संस्थापकों के उन सुनहरे सपने को आगे बढ़ाएं तथा अपने समुचित प्रयासों से बैंकिंग सेवाओं एवं सरकारी योजनाओं को समाज के सभी तबकों तक पहुंचा कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। श्रीमती वन्दना पाण्डेय ने कहा कि इस बात को हमें हमेशा ध्यान में रखना होगा कि हम अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा प्रदान कर बैंक के विकास के साथ-साथ देश के विकास में अपना सार्थक योगदान दे सकते हैं।

उप अंचल प्रमुख संजय माने ने कहा कि यह दिन हम सभी के लिए गौरव एवं स्वाभिमान का दिवस है। उन्होंने कहा कि हम सभी को यह संकल्प लेना है कि अपने सामूहिक प्रयासों से बैंक को अग्रणी रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे। इस अवसर पर मंडल प्रमुख, सिकंदराबाद सुजीत कुमार झा ने संबोधित किया और गणतंत्र दिवस की बधाई दी। उन्होंने 'ऐ मेरे वतन के लोगो' गीत के माध्यम से एक अलग ही समाँ बांध दिया। मंडल प्रमुख, हैदराबाद अरविंद कालरा ने सभी को इस विशेष दिवस की बधाई दी। सहायक महाप्रबंधक श्रीमती नित्य कल्याणी आर, श्यामा कुमार एवं एसोसियशन के प्रतिनिधि सहित समस्त उच्चाधिकारीगण एवं स्टाफ सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मिधानि ने देशभक्ति के जोश के साथ 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड ने 26 जनवरी को बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया। समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त), मिधानि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जिसके पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इसके उपरांत सीआईएसएफ द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया तथा परेड का निरीक्षण किया गया।

इस अवसर पर पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), ए. रविचंद्रन, महाप्रबंधक (मेल्ट्स, क्यूएम, पीएजी एवं एएमडी) एवं अध्यक्ष, मिधानि कल्याण समिति, साई राम, कोषाध्यक्ष, अध्यक्ष एमईए, राधेश्याम राठौर, सहायक कमांडेंट (सीआईएसएफ) तथा श्रीहरि, अध्यक्ष, मान्यता प्राप्त यूनियन एमडब्ल्यू एंड एसयू उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त), मिधानि ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारत के संविधान को अंगीकार करने का प्रतीक है तथा राष्ट्र के लोकतांत्रिक आदर्शों, एकता और संप्रभुता का प्रतीक भी है।

वर्ष की थीम वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर बोलते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गीत स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही प्रेरणा और एकता का सशक्त स्रोत रहा है। उन्होंने मातृभूमि के प्रति देशभक्ति, बलिदान और समर्पण के इसके शाश्वत संदेश को रेखांकित करते हुए सभी कर्मचारियों से इन मूल्यों को अपने दैनिक कार्यों में आत्मसात करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान बीपीडीएवी स्कूल के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह में रंग और देशभक्ति की भावना भर दी। इस अवसर पर मिधानि में 25 वर्षों की समर्पित सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियोंको शॉल एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही 15 वर्षों की सेवा पूर्ण कर इस वर्ष सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। बीपीडीएवी स्कूल में अध्ययनरत मिधानि कर्मचारियों के उन बच्चों को, जिन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, मेरिट स्कॉलरशिप प्रदान की गई।

समारोह का समापन वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन एनके जैन, अपर महाप्रबंधक (टाइटेनियम, आईसीपी एवं ईबीएम) द्वारा किया गया। यह आयोजन मिधानि में एक प्रेरणादायक और स्मरणीय गणतंत्र दिवस समारोह के रूप में संपन्न हुआ।

चाइना मांजा के चलते बच्ची की मौत

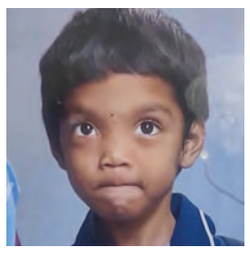

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली के विवेकानंद नगर क्षेत्र में एक 5 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जब बाइक पर पिता के साथ सवार होते समय चाइना मांजा में फंस गई। गंभीर रूप से घायल बच्ची को पास के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाजपा सांसद के. लक्ष्मण को सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगठन पर्व के तहत राज्यसभा सांसद डॉ.के. लक्ष्मण को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में निभाई गई उनकी भूमिका के लिए तेलंगाना भाजपा राज्य कार्यालय में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें सम्मानित करते हुए तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक संस्कृति विशिष्ट है, जो समर्पण, अनुशासन और कड़ी मेहनत के बल पर एक साधारण कार्यकर्ता को भी शीर्ष पदों तक पहुंचने का अवसर देती है। उन्होंने डॉ.के. लक्ष्मण की प्रतिबद्धता, पारदर्शिता और संगठनात्मक कौशल की सराहना करते हुए कहा कि ये गुण पार्टी नेतृत्व की मजबूती को दर्शाते हैं। इस कार्यक्रम में संगठन महामंत्री चंद्रशेखर तिवारी, राज्य महामंत्री डॉ.एन. गौतम राव, वरिष्ठ नेता पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी, मर्री शशिधर रेड्डी, चिंतला रामचंद्र रेड्डी तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ओल्ड बोईगुडा स्थित तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वैलर्स एसोशिएशन के नवनिर्वाचित कार्यकारी अध्यक्ष शंकरसिंह राजपुरोहित, सहमंत्री अमरसिंह राजपुरोहित, कार्यकारी सदस्य राजूसिंह राजपुरोहित, सवाईसिंह बातारघुनाथगड़, दलपतसिंह चाड़वास, नरसिंह कोसाणा, गोविन्दसिंह राजपुरोहित का पुष्प-माला, साफा व शॉल से स्वागत कर उपस्थित आयोजक गजेन्द्रसिंह निम्बोल व समाज बन्धु।

श्री विश्लेश्वर मंदिर का 109वां स्थापना दिवस महोत्सव

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री विठ्ठलेश्वर मंदिर जनरल बजार सिकंदराबाद का 109वां स्थापना दिवस दिनांक 28 जनवरी को विशेष पूजा, अभीषेक अलंकार से मनाया जाएगा। पटाले परिवार द्वारा स्थापित 1918 माधशुद्ध दशमी को श्री विठ्ठल रूकमिनी भगवान की सुंदर शालीग्राम मुर्ती की स्थापना की गई थी। उस दिन से प्रती वर्ष भगवान का स्थापना दिवस धुमधाम से मनाया जाता है।

आज सभी भक्तों की भगवान के दर्शन, तीर्थ प्रसाद का लाभ लेने के लिए मंदिर के न्यासी श्रीनिवास पटाले, मंदिर के ईओ जी. सत्यनारायण, एन. रमेश ने की है। यह जानकारी मंदिर के मुख्य पुजारी एन. पंढरीनाथ ने दी है।

संतोष नगर स्थित दि दक्कन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड में गणतंत्र दिवस पर तिरंगा फहराते बैंक के चेयरमैन डॉ. राम कुमार तिवारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस कुटुम्ब राव, निदेशक बी. अश्विन कुमार, दशरथ, प्रबन्धक सुल्तान वल्ली बैंक के अंशधारक, ग्राहक एवं कर्मचारी उपस्थित हुए।

राकेश जयसवाल पार्षद जामबाग ने 77वें गणतंत्र दिवस समारोह पर जामबाग डिवीजन में विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर राजकुमार, श्रीनिवास यादव, अमरसिंह, वेंकट रेड्डी, क्रांति, नंदू भाई, सुरेश टॉल्डी, प्रमोद, संदीप, अनिल यादव, राजू, रवि, राजिथा, वरिष्ठ भाजपा नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

कुतबुलापुरम सुभाष नगर स्थित श्री राजस्थानी विश्वकर्मा संघ ट्रस्ट हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के सानिध्य में आयोजित गणतंत्र दिवस ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष नेमीचन्द जांगिड़, सियाराम, सी.एल. शर्मा, कालूराम, दिलीप शर्मा, गोविन्द, धर्माराम, शांतिलाल सुथार व समाज बन्धु।

बंडलागुडा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर प्रांगण में सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्यफेयर एसोशिएशन समाज बन्धुओं के सानिध्य में आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष वेनाराम चोयल, सचिव प्रकाश सेपटा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष रमेश पंवार, सचिव नारायणलाल काग, सहसचिव हिराराम खंडाला, सलाहकार जसवन्त देवड़ा, मनोनित सदस्य कालूराम काग, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबूराम पंवार, सचिव चेलाराम भायल, खेलमंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, कोषाध्यक्षा नीलू लचेटा, पूर्व उपाध्यक्ष ओकाराम सोलंकी व समाज बन्धु।

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं के सानिध्य में आयोजित गणतंत्र दिवस ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, उपाध्यक्ष भाणाराम बरपा, चेनाराम सिन्दड़ा, सहसचिव गजाराम सेंणचा, सहकोषाध्यक्ष मंगलाराम परिहारियां, खेलमंत्री धनराज बरपा, सह खेलमंत्री मोतीराम चोयल, सलाहकार मगाराम परिहार, पूर्व सचिव हिरालाल सेंणचा, नेमाराम काग, व समाज बन्धु।

गौ सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वार 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में प्रभुदाथ महाराज एवं गोपाल बलदवा द्वारा ध्वजारोहण किया गया जिसमें उपस्थित मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, यश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, उमेश गोयल, मुकेश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में शमशाबाद बडेर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरजीराम काग, अध्यक्ष आसाराम गेहलोत, चेलाराम काग, भोलाराम पंवार, नरेश परिहार, मलाराम पंवार, केसाराम काग, भैराराम परिहारिया, सोहनलाल मूलेवा, रतनलाल बर्फा, रमेश हाम्बड, रमेश पंवार, सोहनलाल बर्फा एवं महिला मंडल के अध्यक्ष पारी देवी काग, सलाहकार पतासी देवी परिहार और समाज भाई बन्धु गण।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता जी मंदिर (बडेर) में आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में उपस्थित संरक्षक मांगीलाल काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, सह सचिव मंगलराम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग समस्त कार्यकारणी सदस्यगण व समाज गणमान्य उपस्थित रहे।

रानी पार्क वॉकर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में रानी पार्क, बैंक स्ट्रीट, कोटी में 77वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। ओमप्रकाश ने बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव के साथ झंडा फहराया। कार्यक्रम में कृष्णा, श्रीनिवास मालू, रामुलु, विजय, भास्कर रेड्डी, प्रसाद, लक्ष्मण, किरण, दीक्षिता और अन्य शामिल हुए।

एसबीआई ने 77वां गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, लोकल हेड ऑफिस, हैदराबाद ने वंदे मातरम के 150 साल की थीम पर 77वां गणतंत्र दिवस मनाया। एस. राधाकृष्णन, चीफ जनरल मैनेजर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

एस. राधाकृष्णन ने प्रधानमंत्री के उद्योग में उत्कृष्टता के आह्वान और इस फिलॉसफी से प्रेरणा लेते हुए कि उत्कृष्टता एक आदत है, टीम से इस मानसिकता को रोज़ाना अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकल हेड ऑफिस पूरे सर्कल के लिए माहौल तय करता है। हमारे सभी टचपॉइंट्स को सर्वश्रेष्ठ कंज्यूमर बैंक के रूप में वैश्विक प्रतिष्ठा के अनुरूप बनाना चाहिए।

एस. राधाकृष्णन ने कड़ी दक्षता और इंफ्रास्ट्रक्चर डाउनटाइम के लिए जीरो टॉलरेंस का भी आदेश दिया, यह देखते हुए कि खराब मशीनें- एसी, एटीएम आदि से लेकर पासबुक प्रिंटर तक- सीधे तौर पर स्टाफ की प्रोडक्टिविटी कम करती हैं।

अपने संबोधन के अंत में, एस. राधाकृष्णन ने 360-डिग्री प्रोफेशनलिज़्म और नैतिक सतर्कता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि एसबीआई परिवार संस्कृति के लिए सहकर्मियों और अधीनस्थों के साथ उसी विनम्रता से पेश आना जरूरी है जो आमतौर पर वरिष्ठों के लिए आरक्षित होती है।

इसके अलावा, उन्होंने धोखाधड़ी के मुद्दे पर बात की, और कुछ देखो, कुछ कहो का आग्रह किया। बैंक सिस्टम के प्रति दृष्टिकोण और सख्त पालन। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि ऑपरेशनल दक्षता को उच्च नैतिक मानदंडों के साथ मिलाकर, यह सर्कल अपने विकास लक्ष्यों को सफलतापूर्वक हासिल करेगा।

गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में जनरल मैनेजर, सीनियर एग्जीक्यूटिव, बैंक के स्टाफ सदस्य और उनके परिवार शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन स्टाफ सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन के साथ हुआ।

जिन्होंने देशभक्ति गीत, नृत्य और अन्य प्रदर्शनों से सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्टाफ के बच्चों को, जिन्होंने खेल, शिक्षा और कला के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था, सम्मानित किया गया। साथ ही बैंक के सशस्त्र गार्डों को उनके कर्तव्यों के निर्वहन में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन और प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया।

सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी में विराट कोहली को पछाड़ा

सिर्फ 41 मैचों में दर्ज की 33 जीत

खेल डेस्क, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मैच भी टीम इंडिया के नाम रहा. ये मुकाबला गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. इस मैच में टीम इंडिया ने 8 विकेट से जीत हासिल की, जो कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए काफी खास रही.

गुवाहाटी में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने एक यादगार जीत हासिल की. न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 153 रन बनाए. वहीं, टीम इंडिया ने टारगेट को सिर्फ 10 ओवर में हासिल कर लिया. जिसमें सूर्यकुमार यादव की 57 रनों की कप्तानी पारी भी शामिल रही.

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने 33वां टी20 मैच जीता. इसी के साथ उन्होंने बतौर कप्तान भारत के लिए सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने के मामले में विराट कोहली को पछाड़ दिया. विराट की कप्तानी में भारत ने कुल 32 मैच जीते थे.

सूर्यकुमार यादव ने ये कारनामा सिर्फ 41 मैचों में किया है. वहीं, विराट कोहली ने 50 मैचों में भारतीय टी20 टीम की कप्तानी की थी. अब इस लिस्ट में एमएस धोनी और रोहित शर्मा ही सूर्या से आगे हैं.

धोनी ने बतौर कप्तान 42 मैच जीत थे. वहीं, रोहित की कप्तानी में टीम को 50 टी20 जीत मिली थीं.

खास बात ये भी है कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने अभी तक एक भी टी20 सीरीज नहीं हारी है. उनकी कप्तानी में ये 10 टी20 सीरीज खेली जा रही है. जिसमें से 9 सीरीज में टीम इंडिया ने बाजी मारी है. वहीं, एक सीरीज बराबरी पर खत्म हुई थी.

क्या टी-20 वर्ल्डकप में भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होगा

दावा- भारत के मैच का बॉयकॉट कर सकता है पीसीबी

खेल डेस्क, मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के मैच का बॉयकॉट कर सकती है। पाकिस्तान के न्यूज चैनल जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड बांग्लादेश के सपोर्ट में 15 फरवरी को कोलंबो में नहीं खेलने का फैसला करने वाला है। पीसीबी के चीफ मोहसिन नकवी ने सोमवार को प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की। इस मीटिंग में पाकिस्तान के वर्ल्ड कप पार्टिसिपेशन और भारत के खिलाफ मुकाबले को बाते हुईं। नकवी ने कहा कि अगले शुक्रवार या सोमवार तक आखिरी फैसला लिया जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से मांग की थी कि उनके मैच भारत से श्रीलंका में शिफ्ट कराए जाए। बीसीबी ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। हालांकि, आईसीसी ने सुरक्षा का कोई खतरा नहीं बताया और बांग्लादेश को आखिर तक मनाने के बाद उन्हें हटाकर स्कॉटलैंड को मौका दे दिया। पाकिस्तान ने अगर भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज का मैच खेलने से मना किया तो उनके 2 पॉइंट्स कट जाएंगे। साथ ही पीसीबी को बहुत बड़े फाइनेंशियल नुकसान का सामना भी करना पड़ सकता है। भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होने से इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को भी फाइनेंशियल नुकसान झेलना पड़ सकता है।

बांग्लादेश को हटाने के बाद पीसीबी ने कहा था कि वे टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले सकते हैं। जिसके बाद रविवार को आईसीसी ने पीसीबीको चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान वर्ल्ड कप खेलने नहीं आया तो उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईसीसी ने पाकिस्तान को सभी टूर्नामेंट से हटाने का प्लान भी बना लिया। इतना ही नहीं उनके फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट पाकिस्तान सुपर लीग का भी आईसीसी से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट मिलना मुश्किल हो जाएगा।

यशस्वी जायसवाल को सिलेक्टर्स ने क्यों अचानक कर दिया टीम से बाहर?

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टेस्ट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल रणजी ट्रॉफी के अंतिम चरण में चर्चा का विषय बन गए हैं. दिल्ली और मुंबई के बीच रणजी ट्रॉफी का आखिरी लीग मैच 29 जनवरी 2026 से शुरू होने वाला है. यशस्वी जायसवाल भारत की टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं और लग रहा था कि वो दिल्ली के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे. हालांकि, उन्हें मुंबई की टीम में जगह नहीं मिली और उन्हें बाहर रखने के पीछे चौंकाने वाला कारण अब सामने आया है.

रणजी ट्रॉफी ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच के लिए टीम का ऐलान करने के बाद एमसीए के एक सीनियर मेंबर ने पीटीआई से बात करते हुए यशस्वी जायसवाल को बाहर करने का असली कारण बताया. एमसीए सदस्य ने खुलासा किया कि जायसवाल से उपलब्धता

के बारे में पूछा गया था लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया. उन्होंने कहा, 'यह बात सही है कि पिछले मैच के सिलेक्शन के दौरान भी वो नॉन रिस्पॉन्सिव (कोई जवाब नहीं) थे. ऐसा साफ तौर पर नजर आ रहा है कि वो चुन-चुनकर अपनी मर्जी से मैच खेल रहे हैं.'

उन्होंने आगे कहा, 'हमने आने वाले मुकाबले के लिए टीम चुनने से पूर्व उनसे संपर्क करने की कोशिश की थी. हालांकि, उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया. इसी कारण हमने उन्हें दिल्ली के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच के लिए टीम में जगह नहीं देने का फैसला किया.' टीओआई ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि जायसवाल को पेट में दर्द हुआ था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था. उनकी एंडोस्कोपी भी हुई. माना जा रहा था कि वो ठीक हैं. सिलेक्टर्स उन्हें चुनने के लिए तैयार थे लेकिन कोई कम्युनिकेशन नहीं था, इसलिए उन्हें बाहर कर दिया गया.

यशस्वी जायसवाल ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में सिर्फ एक ही मैच खेला है. उन्होंने राजस्थान के खिलाफ जयपुर में हुए ग्रुप स्टेज के मैच में हिस्सा लिया था. इस मुकाबले में यशस्वी ने 67 और 156 रन की धमाकेदार पारी खेली थी. इसके बाद वो टूर्नामेंट से पूरी तरह दूर हो गए. अब देखना होगा कि नॉकआउट स्टेज के मैचों के लिए जायसवाल उपलब्ध रहते हैं, या नहीं.

तिलक वर्मा के चलते श्रेयस अय्यर की हुई मौज

टीम इंडिया से नहीं होगी छुट्टी

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में ना तो तिलक वर्मा आएंगे और ना ही श्रेयस अय्यर टीम छोड़कर जाएंगे. श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में तिलक वर्मा की जगह ही लिया गया था. तिलक वर्मा को विजय हजारे ट्रॉफी के मैच के दौरान इंजरी हुई थी, जिसके बाद उन्हें टेस्टिकुलर टॉरशन सर्जरी करानी पड़ी थी. सर्जरी तो सफल रही लेकिन उसके चलते तिलक वर्मा को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले 3 मैचों से बाहर होना पड़ा और उनकी जगह श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल किया गया.

तिलक वर्मा की वापसी में देरी, अय्यर की मौज

पहले खबर यही थी कि तिलक वर्मा सिर्फ पहले 3 टी20 से बाहर रहेंगे. लेकिन, अब खबर है कि

टीम इंडिया में उनकी वापसी में अभी भी देर है. वो न्यूजीलैंड के खिलाफ T20 सीरीज के आखिरी 2 मैच में भी नहीं खेलेंगे. तिलक की वापसी में हुई इसी देरी के चलते ये भी साफ हो गया कि श्रेयस अय्यर की छुट्टी भी अभी टीम इंडिया से नहीं होगी. वो सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए भी टीम के साथ बने रहेंगे.

तिलक वर्मा सीधे टी20 वर्ल्ड कप में टीम से जुड़ेंगे

तिलक वर्मा की इंजरी पर अपडेट देते हुए टाइम्स ऑफ इंडिया ने बीसीसीआई के अधिकारियों के हवाले से लिखा कि उन्हें अब दर्द नहीं है और वो रिकवर हो चुके हैं. लेकिन, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस चाहता है कि जब वो उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए ग्रीन सिग्नल दे तो वो पूरी तरह से तैयार हों. पहले उन्हें चौथे T20 में उतारने का प्लान था. वो न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी टी20 में भी खेल सकते हैं. लेकिन अच्छा होगा वो सीधे मुंबई में प्रैक्टिस मैच में खेलें.

बीसीसीआई के अधिकारियों ने टीओआई को बताया कि तिलक वर्मा ने इंजरी से पहले प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला है. ऐसे में अगर वो सीधे T20 वर्ल्ड कप में भी जुड़ते हैं तो कोई चिंता नहीं है. सेलेक्टर्स बस कोई रिस्क नहीं लेना चाहते इसी वजह से टीम इंडिया में उनकी वापसी को डिले किया गया है.

श्रेयस अय्यर को पहले 3 टी20 में नहीं मिला चांस

श्रेयस अय्यर की बात करें तो उन्हें तिलक वर्मा की जगह टीम में लिया तो गया है लेकिन पहले 3 टी20 में से किसी में खेलने का मौका भी नहीं मिला. अब देखना है कि आखिरी के 2 टी20 के लिए भी जब वो टीम इंडिया से जुड़े रहेंगे तो उसमें भी उन्हें खेलने का मौका मिलता है या नहीं.

टी20 विश्व कप 2026 से पहले टीम इंडिया को लग सकता है बड़ा झटका

मैच विनर खिलाड़ी वॉशिंगटन सुंदर होंगे बाहर!

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी टीम इंडिया न्यूजीलैंड को घरेलू मैदान पर खेलते हुए कर रही है. जहां पर टीम इंडिया धमाकेदार अंदाज में जीत दर्ज कर रही है. इस बीच भारतीय टीम मैनेजमेंट को बड़ा झटका लगा है. मैच विनर स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को लेकर बुरी खबर सामने आ रही है. सुंदर की फिटनेस पर सवाल अभी भी बने हुए हैं. इस बीच बीसीसीआई ने उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर स्पिन ऑलराउंडर को तैयार रहने को कहा है.

वॉशिंगटन सुंदर हो सकते हैं वर्ल्ड कप से बाहर

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार वॉशिंगटन सुंदर टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो

सकते हैं. सुंदर की फिटनेस को लेकर बड़े सवाल बन गए हैं. सुंदर टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो सकते हैं. फिलहाल बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस हासिल करने गए रियान पराग की लॉटरी लग सकती है. खबरों के मुताबिक रियान पराग को तैयार रहने को बोला गया है. पराग ने लंबे समय से क्रिकेट नहीं खेला है. वो इंजरी के कारण ही घरेलू क्रिकेट में भी नहीं खेलते हुए नजर आए. हालांकि अब वो सीधे टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ही खेलते हुए नजर आ सकते हैं. पराग ने इंटरनेशनल क्रिकेट में गेंद और बल्ले दोनों से ही अच्छा प्रदर्शन किया है. जिसके कारण ही वो रेस में आगे आ गए हैं.

अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं रियान पराग

वॉशिंगटन सुंदर की जगह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में रवि बिश्नोई को मौका मिला है. उन्होंने तीसरे मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन भी किया है. हालांकि टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया ऑलराउंडर की तलाश में जाना चाहती है. जिसके कारण ही पराग रेस में आगे निकल गए. रिपोर्ट्स के मुताबिक पराग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 28 और 30 जनवरी को मैच खेलेंगे. जिसके बाद 31 जनवरी को उन्हें फिटनेस रिपोर्ट मिल सकती है. खबरों के मुताबिक 2 फरवरी को वो मुंबई में टीम इंडिया से जुड़ सकता है.

एक साल बाद भारत के लिए कमबैक करने पर भावुक हुए रवि बिश्नोई

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। रवि बिश्नोई ने लगभग एक साल बाद टीम इंडिया की जर्सी में कमबैक किया. फरवरी 2025 के बाद बिश्नोई टी20 अंतर्राष्ट्रीय से पूरी तरह दूर हो गए थे. उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था और आईपीएल 2025 भी उनके लिए भूलने लायक रहा. हालांकि, बिश्नोई ने एक साल तक लगातार मेहनत की और आखिर न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में उनका शानदार कमबैक हुआ. उन्होंने 4 ओवर में मात्र 18 रन देकर 2 बड़े विकेट झटके. अब बिश्नोई ने इस कमबैक मैच पर भावुक बयान दिया है.

तीसरे टी20 मैच में धमाल मचाने के बाद रवि बिश्नोई प्रेस कॉन्फ्रेंस में नजर आए. उन्होंने अपने कमबैक पर बात की और बताया कि चीजें उनके लिए

आसान नहीं थी. बिश्नोई ने कहा, 'जब आप टीम से बाहर होते हैं, तो चीजें मुश्किल होती हैं. लगता है कि आपको टीम में होना चाहिए लेकिन आप नहीं होते. ये भारतीय टीम काफी मजबूत है और कुछ ही स्पॉट खाली हैं. इसी वजह से सीमित मौके होते हैं. टीम से दूर रहने के बीच मुझे खुद पर काम करने का मौका मिला.'

रवि ने आगे कहा, 'कोशिशों ने मुझे कमबैक करने में काफी मदद की. गेंदबाज के तौर पर टी20 मैच हमेशा ही चुनौतीपूर्ण होते हैं. अगर आप दो-तीन विकेट जल्दी झटक लेते हैं, तो बल्लेबाजी टीम के लिए चीजें मुश्किल हो जाती हैं. मैं थोड़ा घबराया हुआ था लेकिन उत्साहित भी था. घबराहट इसलिए थी, क्योंकि चुनिंदा मौके मिलते हैं और आपको उनमें अच्छा प्रदर्शन करना होता है.'

बिश्नोई ने बताया कि पिछले एक साल में उन्होंने अपनी गेंदबाजी पर खूब काम किया. उन्हें अपनी लेंथ पर कंट्रोल नहीं था और इसी कारण आईपीएल में वो फ्लॉप रहे. बिश्नोई ने माना कि घरेलू क्रिकेट में मेहनत रंग लाई और वो टीम इंडिया में वापस आ गए. उन्होंने कहा, 'मैंने पिछले एक साल में अपनी लेंथ पर काफी काम किया है, क्योंकि आईपीएल का आखिरी सीजन मेरे लिए अच्छा नहीं था. मैं चीजें कंट्रोल नहीं कर पा रहा था और मुझे मुश्किल हो रही थी.'

खेलो इंडिया विंटर गेम्स: मैहर की उद्रेका सिंह बनीं भारत की सबसे तेज महिला आइस स्केटर, जीता स्वर्ण पदक

मैहर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मैहर मध्य प्रदेश की खेल प्रतिभा ने एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। सतना जिले के मैहर की उभरती हुई खिलाड़ी उद्रेका सिंह ने खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए आइस स्केटिंग में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। लेह-लद्दाख की बर्फीली वादियों में 20 से 26 जनवरी तक आयोजित इन प्रतिष्ठित खेलों में उद्रेका सिंह ने वूमेन लॉन्ग ट्रैक 500 मीटर आइस स्केटिंग स्पर्धा में 53.94 सेकंड का शानदार समय दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ ही उद्रेका भारत की अब तक की सबसे तेज महिला आइस स्केटर बन गई हैं।

कठिन परिस्थितियों में भी दिखाई अद्भुत रफ्तार

लेह-लद्दाख जैसे अत्यंत ठंडे और चुनौतीपूर्ण वातावरण में

आइस स्केटिंग करना आसान नहीं होता। माइनस तापमान, फिसलन भरा ट्रैक और तेज हवाएं खिलाड़ियों की परीक्षा लेती हैं। ऐसे हालातों में उद्रेका सिंह ने असाधारण संतुलन, तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास के साथ शानदार प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले में उन्होंने देश की कई अनुभवी और शीर्ष महिला स्केटर्स को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

मैहर से राष्ट्रीय मंच तक का प्रेरणादायक सफर

छोटे शहर मैहर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना उद्रेका के लिए आसान नहीं रहा। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने निरंतर अभ्यास, अनुशासन और कठिन मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या संसाधनों की मोहताज नहीं होती

पूरे मध्य प्रदेश में खुशी की लहर

उद्रेका की इस ऐतिहासिक जीत से मैहर, सतना सहित पूरे मध्यप्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है। खेल प्रेमियों, स्थानीय नागरिकों और युवा खिलाड़ियों ने उनकी सफलता को प्रदेश की बेटियों के लिए नई दिशा देने वाला बताया है।

खेल मंत्री ने दी बधाई, बताया युवाओं के लिए प्रेरणा

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने उद्रेका सिंह को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता मध्य प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। मंत्री ने कहा कि कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के दम पर उद्रेका ने यह साबित कर दिया है कि प्रदेश की बेटियां हर खेल में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार खेल अधोसंरचना के विस्तार, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं, गुणवत्तापूर्ण कोचिंग, खेल छात्रवृत्ति और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं पर लगातार निवेश कर रही है, ताकि प्रदेश के खिलाड़ी भविष्य में देश और दुनिया में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

युवा खिलाड़ियों के लिए बनीं रोल मॉडल

उद्रेका सिंह की यह सफलता न सिर्फ एक पदक जीतने की कहानी है, बल्कि यह हजारों युवाओं, खासकर बेटियों के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन गई है। उनका संघर्ष और सफलता यह संदेश देती है कि सही मार्गदर्शन और मजबूत संकल्प से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन से डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज बाहर

जेसिका पेगुला ने सीधे सेटों में हराया; जैकब मेंसिक के हटने से नोवाक जोकोविच को मिला वॉकओवर

मेलबर्न, 26 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियन ओपन के महिला सिंगल्स में बड़ा उलटफेर हुआ है। सोमवार को खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

रॉड लेवर एरेना में हुए इस अमेरिकी मुकाबले में पेगुला ने 6-3, 6-4 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, मेंस सिंगल्स में दिग्गज नोवाक जोकोविच को बिना मैच खेले ही क्वार्टर फाइनल का टिकट मिल गया क्योंकि जैकब मेंसिक चोट के कारण हट गए हैं।

32 मिनट में जीता पहला सेट

31 साल की जेसिका पेगुला ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने पहला सेट महज 32 मिनट में 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी पेगुला ने शानदार शुरुआत की और कीज की सर्विस ब्रेक करते हुए 4-1 की बढ़त बना ली। मैडिसन कीज पूरे मैच में अपनी सर्विस और फोरहैंड शॉट्स के साथ संघर्ष करती दिखीं। मैच का अंत तब हुआ जब कीज का एक फोरहैंड शॉट नेट पर जा लगा।

पेगुला चौथी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में

पेगुला और कीज के बीच यह चौथा मुकाबला था। इससे पहले कीज ने पेगुला के खिलाफ पिछले

दो मैच जीते थे, लेकिन सोमवार को पेगुला की सर्विस और कम गलतियों जीत दिलाई। यह पेगुला का चौथा ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर फाइनल होगा। उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2024 में यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचना रहा है, जहां उन्हें आर्यना सबालेंका से हार मिली थी।

जोकोविच को मिला 'वॉकओवर', मेंसिक हुए बाहर

दुनिया के पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए पसीना नहीं बहाना पड़ा। उनके चौथे दौर के प्रतिद्वंद्वी जैकब मेंसिक ने पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैच से नाम वापस ले लिया। इस वॉकओवर की मदद से जोकोविच अब सीधे अंतिम-8 में अपनी चुनौती पेश करेंगे

पेगुला और मैडिसन कीज पॉडकास्ट चलाती हैं

अपने करीबी दोस्त और पॉडकास्ट की सह-मेजबान मैडिसन कीज के खिलाफ खेलते हुए पेगुला ने रोड लेवर एरीना में मैच की शुरुआत से ही हावी रहीं। हालांकि बीच में उनका मोमेंटम थोड़ा डगमगाया, लेकिन वह डटी रहीं और अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर कदम बढ़ाती रहीं। पेगुला ने महज 31 मिनट में पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में वापसी की कोशिश कर रही मैडिसन कीज को शुरुआती गेम में ही 31 साल पेगुला ने ब्रेक कर दिया और बढ़ते दबाव के बीच अपनी बढ़त मजबूती से बनाए रखी।

सनराइजर्स ने तीसरी बार जीता एसए 20 का खिताब

फाइनल में प्रिटोरिया कैपिटल्स को हराया, काम न आई ब्रेविस की सेंचुरी

केपटाउन, 26 जनवरी (एजेंसियां)। सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने एसए20 सीजन-4 का खिताब जीत लिया है। केपटाउन के न्यूलैंड्स ग्राउंड पर खेले गए फाइनल में सनराइजर्स ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को 6 विकेट से हरा दिया। टीम तीसरी बार SA20 की चैंपियन बनी है। इससे पहले उसने शुरुआती दो सीजन में ट्रॉफी अपने नाम की थी।

फाइनल मुकाबले में सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। डेवाल्ड ब्रेविस (56 बॉल पर 101 रन) की सेंचुरी की बदौलत प्रिटोरिया कैपिटल्स ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 158 रन बनाए। ब्रायस पारसंस ने 20 और शेफाने रदरफोर्ड ने 17 रन बनाए। प्रिटोरिया के लिए मार्को यानसन ने 10 रन देकर 3 विकेट लिए।

जवाब में सनराइजर्स ने 19.2 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। मैथ्यू ब्रिट्जके ने 68 और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स ने 63 रन बनाए। स्टब्स ने 20वें ओवर की पहली दो गेंदों पर लगातार दो छक्के जमाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। सनराइजर्स के चार विकेट सिर्फ 48 रन के स्कोर पर गिर गए थे। इसके बाद स्टब्स और ब्रिट्जके ने पांचवें विकेट के लिए नाबाद 114 रन की पार्टनरशिप कर डाली।

इस जीत के साथ सनराइजर्स ने क्वालिफायर-1 में प्रिटोरिया कैपिटल्स के हाथों मिली हार का हिसाब भी चुकता कर दिया। उस मैच में हार की वजह से सनराइजर्स को क्वालिफायर-2 खेलना पड़ा था। उस मैच में टीम ने डरबन सुपर जायंट्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई और फिर खिताबी मुकाबले में प्रिटोरिया को हरा दिया।

डेवाल्ड ब्रेविस एसए20 के अब तक हुए चार फाइनल में शतक जमाने वाले पहले खिलाड़ी बने। उनकी सेंचुरी बेशक टीम के काम न आई लेकिन उन्होंने अपने दम पर टीम को मुकाबले में बनाए रखा था। ब्रेविस ने अपनी पारी में 8 चौके और 7 छक्के जमाए। ब्रेविस 18वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हुए। उनके जाने के बाद सनराइजर्स की टीम बाकी 10 गेंदों पर सिर्फ 3 रन बना सकी।

साउथ अफ्रीका की इंटरनेशनल टीम के प्रमुख गेंदबाज मार्को यानसन ने इस मैच में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने अपने 4 ओवर में सिर्फ 10 रन खर्च किए और तीन विकेट लिए। यानसन ने ही ब्रेविस का विकेट भी लिया। उन्होंने ब्रेविस को डिकॉक के हाथों कैच कराया।

'तेलंगाना राइजिंग विजन 2047' एक साहसिक और दूरदर्शी कदम : जिष्णु देव वर्मा

राज्यपाल ने सरकार की आर्थिक परिवर्तन रणनीति का रूपरेखा प्रस्तुत की

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुँचने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। सोमवार को परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान, जहां उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया, राज्यपाल ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार ने इस दीर्घकालिक आर्थिक लक्ष्य को साकार करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की है, जो भारत के 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के व्यापक उद्देश्य के अनुरूप है, जो 'विकसित भारत' पहल का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दो वर्ष पहले स्थापित 'प्रजा प्रबुत्वम' पहल ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और जनता का विश्वास और सराहना अर्जित की है। दो साल पूरे होने के अवसर पर, राज्य सरकार ने 'तेलंगाना राइजिंग विजन 2047' दस्तावेज जारी कर एक साहसिक और दूरदर्शी कदम उठाया।

इस दस्तावेज के माध्यम से सरकार ने समावेशी और सतत विकास के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया है। राज्यपाल ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंथ रेड्डी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में स्विट्ज़रलैंड के डेवोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्लूईएफ) में भाग लिया, जिसका फोकस 'तेलंगाना राइजिंग' पर था। उन्होंने कहा कि "प्रतिनिधिमंडल ने डेवोस दौरे को सफलतापूर्वक समाप्त किया और राज्य के विजन और रणनीतियों को व्यापक रूप से प्रचारित किया, ताकि 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य साकार हो सके।,"

उन्होंने बताया कि तेलंगाना वर्तमान में विश्व में सबसे उन्नत और वैश्विक रूप से एकीकृत लाइफ साइंसेज इकोसिस्टम में से एक है और यहां 2,000 से अधिक फार्मास्युटिकल और बायोटेक कंपनियां कार्यरत हैं, जो इसे वैश्विक लाइफ साइंसेज हब में सातवां स्थान दिलाती हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे ने 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया

एससीआर का यात्री और माल दोनों क्षेत्रों में रिकॉर्ड प्रदर्शन

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने सोमवार को सिकंदराबाद स्थित रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मैदान में 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और विभिन्न रेलवे सुरक्षा बल के दलों द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ़ ऑनर प्राप्त किया।

अपने संबोधन में, संजय कुमार श्रीवास्तव ने वर्तमान वित्तीय वर्ष (2025-26) में एससीआर के प्रदर्शन के बारे में बोलते हुए उन्होंने बताया कि इस अवधि में यात्री और माल दोनों क्षेत्रों में रिकॉर्ड प्रदर्शन के साथ इतिहास रचा गया। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच, जोन ने कुल उत्पन्न राजस्व 15,579 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 47 अधिक है। यह जोन के लिए गर्व का क्षण है कि पहली बार एससीआर के इतिहास में, माल लोडिंग ने केवल 257 दिनों में 100 मिलियन टन का आंकड़ा पार किया। महाप्रबंधक ने बताया कि सुरक्षा को बढ़ाने के लिए, जोन ने इस वित्तीय वर्ष के दिसंबर तक 643 किमी ट्रैक नवीनीकरण पूरा किया। ट्रैक जोड़ने के मामले में, एससीआर ने 30 किमी डबलिंग, 115 किमी ट्रिपलिंग और 2 किमी बाईपास लाइन पूरी की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि यात्रियों के लाभ के लिए, अप्रैल से दिसंबर तक इस वित्तीय वर्ष में 39 लिफ्ट और 19 एस्केलेटर चालू किए गए, जिससे अब जोन में कुल 241 लिफ्ट और 100 एस्केलेटर उपलब्ध हैं। जोन ने चार्लापल्ली से मुज़फ़्फरपुर और तिरुवनंतपुरम की ओर जाने वाली दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत भी की। बाद में, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें रेलवे कर्मचारियों, रेलवे स्कूल और कॉलेज के छात्रों द्वारा देशभक्ति गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आरपीएफ डॉग स्क्वॉड ने विभिन्न करतब प्रस्तुत किए, जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

एससीआर महिला कल्याण संगठन ने गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन(एससीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) ने सिकंदराबाद के चिलकलगुडा स्थित विद्या विहार हाई स्कूल के विद्यार्थियों के साथ 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर एससीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की अध्यक्ष वंदना श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उनके साथ एससीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की उपाध्यक्ष अमिता प्रकाश, सचिव अपर्णा मुरली तथा अन्य कार्यकारिणी समिति सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर समिति सदस्यों द्वारा सभी विद्यार्थियों को नाश्ता एवं पेंसिल किट वितरित किए गए। अपने संबोधन में वंदना श्रीवास्तव ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि भारत के नागरिकों के रूप में हमारे कर्तव्यों की याद दिलाने का अवसर है।

उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस पर ध्वज को शीर्ष पर फहराया जाता है, जो हमारे संविधान की स्थापना तथा हमारे गणराज्य की मजबूती का प्रतीक है। बाद में, एससीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की अध्यक्ष वंदना श्रीवास्तव ने लालागुडा स्थित केंद्रीय अस्पताल का दौरा किया, जहाँ उन्होंने समिति सदस्यों, दक्षिण मध्य रेलवे की प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. निर्मला राजाराम तथा केंद्रीय अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आई. शिवा नागा प्रसाद की उपस्थिति में संविदा हाउस-कीपिंग कर्मचारियों (महिला एवं पुरुष) के लिए नव-निर्मित विश्राम कक्षों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा संविदा कर्मचारियों के उपयोग हेतु दो आरओ, चार दीवार पंखे, कर्मचारियों के लिए तीन सेट लॉकर (प्रत्येक में 20 की क्षमता), एक अलमारी तथा 20 कुर्सियाँ भी प्रदान की गईं।

डिग्री छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को अंबरपेट के बाग अंबरपेट स्थित एक किराए के मकान में 22 वर्षीय डिग्री छात्र तिरुमलेश संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। तिरुमलेश विवेकानंद डिग्री कॉलेज में अंतिम वर्ष का छात्र था और अपने दोस्तों के साथ साझा अपार्टमेंट में रह रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना के समय उसके रूममेट घर पर नहीं थे और वह अकेला था। बाद में वह अपने कमरे में फांसी पर लटका मिला। शव मिलने के बाद दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी। अंबरपेट पुलिस और सुराग दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे, मुआयना किया और साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने कहा कि मौत का सटीक कारण अभी तक निर्धारित नहीं किया जा सका है और जांच जारी है।

रंगारेड्डी एकीकृत कार्यालय में जिला कलेक्टर ने तिरंगा फहराया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला एकीकृत कार्यालय परिसर में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने तिरंगा ध्वज फहराया। इस अवसर पर, उन्होंने जिले में लागू किए जा रहे कल्याण और विकास कार्यक्रमों और अब तक हुई प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए। ग्रामीण विकास, कृषि, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, आवास, अग्निशमन और नागरिक आपूर्ति विभागों से संबंधित स्टालों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। बाद में, ग्रामीण विकास, कृषि, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, आवास, अग्निशमन, नागरिक आपूर्ति, मत्स्य विभाग और सभी कल्याणकारी विभागों से संबंधित स्टालों का दौरा किया गया।

जिला कलेक्टर ने लैपटॉप, मोबाइल फोन, श्रवण यंत्रों के लिए ऋण माफी योजना और विकलांगों के लिए चेनेथे ऋण माफी योजना के तहत 82,51,257 रुपये का चेक और ज्योति जिला महिला संघ को 797,21,00,000 रुपये का चेक सौंपा। कार्यक्रम में अतिरिक्त कलेक्टर के. चंद्र रेड्डी, श्रीनिवास, जिला राजस्व अधिकारी संगीता, शमशाबाद के डीसीपी बी. राजेश आईपीएस, आरडीओ, जिला अधिकारी, कर्मचारी, छात्र और अन्य लोगों ने भाग लिया।

बॉडी बिल्डिंग के नाम पर स्टेरॉयड इंजेक्शन बेचने वाला गिरफ्तार

फर्नीचर का काम करता है आरोपी मोहम्मद फैसल खान

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शरीर निर्माण के नाम पर अवैध रूप से स्टेरॉयड इंजेक्शन की खरीद-फरोख्त करने वाले एक आरोपी को हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स वेस्ट जोन टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 1 लाख 60 हजार रुपये मूल्य के स्टेरॉयड इंजेक्शन, सिरिंज और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद फैसल खान (25 वर्ष) पुत्र मोहम्मद वहादुल्लाह खान के रूप में हुई है। वह पेशे से फर्नीचर का काम करता है और किशनबाग, एनएम गुड़ा क्षेत्र का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी नियमित रूप से जिम जाता था, जहां उसने युवाओं में तेजी से मसल्स बढ़ाने के लिए स्टेरॉयड इंजेक्शन के बढ़ते चलन के बारे में जानकारी हासिल की। इसी का फायदा उठाते हुए उसने बिना किसी वैध ड्रग लाइसेंस या डॉक्टर के पर्चे के स्टेरॉयड इंजेक्शन अवैध रूप से बेचने की योजना बनाई। विश्वसनीय सूचना के आधार पर टास्क फोर्स की टीम ने अत्तापुर स्थित एशियन थिएटर के पास आरोपी को उस समय गिरफ्तार किया, जब वह स्टेरॉयड इंजेक्शन लेकर जा रहा था। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह ये इंजेक्शन इंडिया मार्ट, सूरत से खरीदता था और स्थानीय ग्राहकों को ऊंचे दामों पर बेचता था। आरोपी के पास से मेफेंटरमिन सल्फेट इंजेक्शन (30 एमजी) - 133 , डिस्पोजेबल सिरिंज - 100, वन प्लस 11 आर मोबाइल फोन 1 जब्त किए गए। यह जानकारी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, कमिश्नर टास्क फोर्स (वेस्ट एवं साउथ वेस्ट जोन), हैदराबाद एमडी इकबाल सिद्दीकी ने बताया कि स्टेरॉयड इंजेक्शन की मांग खासकर युवाओं में तेजी से बढ़ रही है, जिससे नशे की लत और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही हैं। बिना अनुमति और चिकित्सकीय सलाह के इन इंजेक्शनों की बिक्री से आरोपी ने जनस्वास्थ्य को खतरे में डाला। जिन लोगों ने ये इंजेक्शन इस्तेमाल किए थे, उन्हें काउंसलिंग कर योग्य डॉक्टरों से इलाज कराने की सलाह दी गई। यह कार्रवाई इंस्पेक्टर चंद्र यादवेंदर, एसआईपी मोहम्मद ज़ाहिद एवं वेस्ट जोन टास्क फोर्स स्टाफ की निगरानी में की गई।

हैदराबाद में नागरिक अवसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता : कर्णन

जीएचएमसी मुख्यालय में उत्साह से मना गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 77वाँ गणतंत्र दिवस जीएचएमसी मुख्यालय में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। पुलिस गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त करने के बाद, जीएचएमसी आयुक्त आरबी कर्णन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी और डिप्टी मेयर शोभन रेड्डी भी उपस्थित थीं। आयुक्त ने अपने गणतंत्र दिवस संदेश में कहा कि 2025 जीएचएमसी के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर रहा, जब 2% नगरपालिकाओं का विलय हुआ, जिससे जीएचएमसी का क्षेत्र 650 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 2,053 वर्ग किलोमीटर हो गया और जनसंख्या 1.34 करोड़ हो गई। इस विस्तार के साथ, ग्रेटर हैदराबाद देश की सबसे बड़ी नगरपालिका बन गया। प्रशासनिक सुविधा के लिए वार्डों की संख्या 150 से 300, सर्किल 30 से 60 और जोन 6 से 12 की गई। कर्णन ने कहा कि इस बड़े पैमाने पर पुनर्गठन को सरकार, जनता प्रतिनिधियों और नागरिकों के सहयोग से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि सफाई शहरी स्वास्थ्य की नींव है। 2025 में, जीएचएमसी ने स्वच्छ सर्वेक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर 6वां स्थान प्राप्त किया, 7-स्टार गार्बेज फ्री सिटी का दर्जा प्राप्त किया और वाटर+ और ओडीएफ पुनः-प्रमाणीकरण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि शहर में पुराने कचरे, भारी कचरे और परित्यक्त वाहनों को हटाने के लिए एक मेगा सैनिटेशन अभियान चलाया गया और ई-अपशिष्ट अभियान के तहत 87 मीट्रिक टन ई-अपशिष्ट संग्रहित किया गया। उन्होंने कहा कि डेंगू के मामलों में 30% कमी आई (2,806 से 1,976) और जीएचएमसी को भारत सरकार से सराहना मिली। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव के तहत 25 लाख पौधे लगाए गए और 40 नए लैंडस्केप पार्क विकसित किए गए। हरी बफर ज़ोन बनाकर वायु गुणवत्ता में सुधार किया गया।

बीआरएस ने कांग्रेस सरकार की विफलताएँ उजागर की

तेलंगाना भवन में रचनात्मक स्ट्रीट प्ले का आयोजन

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तेलंगाना में वर्तमान कांग्रेस सरकार के कथित संवैधानिक उल्लंघनों को उजागर करने के लिए हैदराबाद के तेलंगाना भवन में सोमवार को एक रचनात्मक स्ट्रीट प्ले का आयोजन किया। हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्रों द्वारा प्रस्तुत इस नाटक में कांग्रेस नेतृत्व के कथित दोहरे मानदंड और संवैधानिक मूल्यों के नाम पर राजनीतिक नाटक को दिखाया गया। व्यंग्य और प्रतीकों के माध्यम से प्रदर्शन ने राज्य में कथित प्रशासनिक विफलताओं, भ्रष्टाचार और लोकतांत्रिक मानदंडों के क्षरण की ओर ध्यान आकर्षित किया।

नाटक की शुरुआत से ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की गई। जबकि राहुल गांधी देश भर में संविधान की प्रतियां लेकर खुद को उसका रक्षक दिखाते हैं, छात्रों ने यह दर्शाया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार संवैधानिक सिद्धांतों को कमजोर करने वाली कार्रवाइयों में संलग्न है।

प्रदर्शन में विधायकों को लुभाने के कथित प्रयासों, एसटी/एसटी छात्रों पर हमलों, राजनीतिक अवसरवाद, भूमि विवाद, चुनावी वादों की अनदेखी और सार्वजनिक धन के गैर-आवश्यक उपयोग जैसी घटनाओं को भी दिखाया गया। स्ट्रीट प्ले में 'मद्र कस्टीट्यूशन' को जंजीरों में दिखाया गया, जो राज्य में संवैधानिक शासन के लिए सीमित स्थान का प्रतीक था। प्रदर्शनकारियों ने लोकतांत्रिक मानदंडों के व्यवस्थित हनन पर चिंता व्यक्त की और नाटक का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि नागरिक अंततः संविधान की रक्षा के लिए उठेंगे। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव, वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता इस प्रदर्शन से प्रभावित होकर खड़े होकर छात्रों की सराहना की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.